

प्रातः किरण

हर खबर पर पकड़

f /Pratahkiran

t /Pratahkiran

/Pratahkiran

11 रोहित ने अलग अंदाज में यशस्वी, सरफराज और जुरेल की ...

एलेक्सी नवलनी की मौत पर पुतिन की जगह ट्रंप ने साधा बाइडन पर ... 12

वर्ष : 11

अंक : 279

पटना, बुधवार, 21 फरवरी, 2024

विक्रम संवत् 2080

पेज : 12

मूल्य ₹ : 03.00

www.pratahkiran.com

मौसम	अधिकतम तापमान 31°C
	न्यूनतम तापमान 25.0°C
	हा 30%
	नही 50%
	कह नहीं सकते 10%

बाजार
सोना 59,340

चांदी 55,350

सैंसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

सांक्षिप्त खबरें

अनुच्छेद 370 विकास की राह में सबसे बड़ी बाधा था : पीएम

जम्मू/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाला अनुच्छेद 370 पूर्ववर्ती राज्य के विकास की राह में सबसे बड़ी बाधा था। मोदी ने कहा कि अनुच्छेद 370 के अख्तियार प्रावधानों को समाप्त करने के बाद जम्मू-कश्मीर ने सभी इलाकों और सभी क्षेत्रों में संतुलित विकास देखा है जो अब एक केंद्रशासित प्रदेश है। जम्मू-कश्मीर के लिए 32,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं और देश के अन्य हिस्सों के लिए 13,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरुआत करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार पहली बार जम्मू-कश्मीर में लोगों के दरवाजे पर पहुंची है। उन्होंने कहा, यह मोदी का गारंटी है और यह जारी रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि अनुच्छेद 370 जम्मू-कश्मीर में सर्वांगीण विकास लाने में मुख्य बाधा था जिसे भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने निरस्त कर दिया।

मानहानि मामले में राहुल गांधी को सशर्त जमानत

सुलतानपुर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी को मानहानि के एक मामले में उत्तर प्रदेश सुलतानपुर की विशेष अदालत ने मंगलवार को सशर्त जमानत दे दी। उत्तर प्रदेश में भारत जोड़ो न्याय यात्रा का नेतृत्व कर रहे श्री गांधी मानहानि के मुकदमे में आज यहां एमपी/एमएलए कोर्ट में पेश हुए जहां सुनवाई के बाद विशेष न्यायाधीश योगेश यादव ने उन्हें 25-25 हजार रुपये के दो जमानत के समूल के पर रिहा करने का आदेश दिया और अगली सुनवाई की तारीख दो मार्च निश्चित कर दी है। श्री गांधी अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान मंगलवार को कड़ी सुरक्षा के बीच सुलतानपुर देवांनी न्यायालय के एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश हुये और जमानत अर्जी पेश की। सुनवाई के दौरान श्री गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने आरोपों को निराधार बताते हुए को जमानत की मांग की, वहीं अभियोग पक्ष ने जमानत पर तिथि जताया। उभय पक्षों को सुनने के पश्चात स्पेशल मजिस्ट्रेट योगेश यादव ने राहुल गांधी को दो सशर्त जमानत डें दी।

विधानसभा में जल संसाधन विभाग के आय-व्ययक पर चर्चा के दौरान बोलें मंत्री

सूबे में हो रही बहाली मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सोच का परिणाम : विजय

प्रातः किरण

पटना। जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। हर क्षेत्र में विकास का काम हो रहा है। शिक्षा सहित सभी विभागों में हुई बहाली मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सोच का ही परिणाम है। लेकिन राजद नेता बहाली का अनावश्यक श्रेय लेने की होड़ में लगे रहे। गठबंधन टूटने का यही सबसे बड़ा कारण बना। मंत्री श्री चौधरी मंगलवार को विधानसभा में जल संसाधन विभाग के आय-व्ययक पर हुए वाद-विवाद के बाद सरकार की ओर से उत्तर देते उक्त बातें कही। श्री चौधरी ने कहा कि राजद नेता अभी भी यह साबित करने में लगे हैं कि बहाली उनके कारण ही हुई है।

जबकि सर्वविदित है कि बहाली की पूरी परिकल्पना मुख्यमंत्री की है। उन्होंने कहा कि जब वर्ष 2005 में एनडीए बिहार में शासन में आया तो चार लाख शिक्षकों की बहाली की गई। मेरे शिक्षा मंत्रित्व काल में भी 50 हजार शिक्षकों की बहाली हुई थी। राजद नेता बीपीएससी से शिक्षकों की बहाली का श्रेय ले रहे हैं। जबकि हकीकत है कि मेरे शिक्षा मंत्री रहने के दौरान ही



यह निर्णय हो चुका था कि शिक्षकों की बहाली बीपीएससी से कराई जाएगी। विजय चौधरी ने कहा कि सातवें चरण की बहाली को मैंने ही रोका था। उस समय मुख्यमंत्री के निर्देश पर ही तय हुआ कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षक बहाली के लिए बीपीएससी से बहाली होगी। जो राजद नेता बहाली का श्रेय ले रहे हैं, हकीकत है कि जब वे शिक्षा मंत्री थे तो कोई न कोई अड़चन ही सामने आता रहा। जब राजद कोटे के शिक्षा मंत्री ने दफ्तर जाना बंद कर दिया

मुख्यमंत्री ने कृषि विभाग में नवनि्युक्त अभ्यर्थियों के बीच नियुक्ति, नियोजन पत्र का किया वितरण

सीएम नीतीश ने 1028 अभ्यर्थियों को सौंपा नियुक्ति पत्र

कई योजनाओं का किया उद्घाटन और शिलान्यास

प्रातः किरण संवाददाता

● कृषि विभाग के सचिव ने मुख्यमंत्री को पौधा भेंटकर उनका किया स्वागत

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को कृषि विभाग अंतर्गत नियुक्ति, नियोजन-पत्र वितरण सह कृषि विभाग की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सांकेतिक रूप से 10 नवनि्युक्त सहायक प्राध्यापक सह कनीय वैज्ञानिकों को नियुक्ति प्रमाण पत्र प्रदान किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने दिव्या महतो, देवेन्द्र मंडल, प्रियंका, पंकज कुमार, अपर्णा पाण्डेय, शाहीना परवीन, मुन्ना यादव, नेहा पाण्डेय, गायत्री कुमारी, अवधेश कुमार, अंकिता देवी एवं काव्या विश्वास को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर के अधीन 239 सहायक प्राध्यापक एवं विषय-वस्तु विशेषज्ञों तथा कृषि विभाग अंतर्गत 789 प्रखण्ड स्तरीय तकनीकी प्रबंधक, लेखापाल आदि सहित कुल 1028 अभ्यर्थियों को नियुक्ति व नियोजन पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा तथा जल संसाधन सह भवन निर्माण मंत्री विजय कुमार चौधरी ने भी नवनि्युक्त अभ्यर्थियों को सांकेतिक रूप से नियुक्ति पत्र प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से 14 करोड़ रुपए की लागत से बिहार कृषि विश्वविद्यालय

सबौर, भागलपुर में 800 क्षमता वाले नवनिर्मित सभागार का उद्घाटन किया तथा तीन कृषि अभियंत्रण महाविद्यालयों में 145 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होनेवाले कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, भोजपुर, 123 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होनेवाले कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय, पटना एवं 28 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होनेवाले पोषक अनाज मूल्य श्रृंखला के लिए गुणवत्तावर्द्धन केन्द्र, टनकुप्पा, गया का शिलान्यास किया। कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को पौधा भेंटकर उनका स्वागत किया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य निदेशक पर उडेसवाल पर मुख्यमंत्री ने हस्तक्षेप किया।



स्कूलों का समय सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक होगा

पटना। सूबे में अब सुबह 10 बजे से 4 बजे तक स्कूल चलेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधान सभा में यह घोषणा की। मंगलवार को विधान सभा में विपक्षी सदस्यों ने स्कूलों में समय सहित शिक्षा विभाग से जुड़े कई फैसले का विरोध कर रहे थे। इस बीच सदनों में स्कूलों के समय निर्धारण पर उडेसवाल पर मुख्यमंत्री ने हस्तक्षेप किया।

मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि स्कूल का समय 10 बजे से 4 बजे तक रहे। सुबह 9 बजे से पांच बजे तक स्कूल चलाना ठीक नहीं है। मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक द्वारा स्कूलों में पढाई का समय सुबह 10

● विधानसभा में सीएम नीतीश ने की घोषणा

बजे से 4 बजे की जगह सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक करने के आदेश पर आपत्ति जताई है। दरअसल, सदनों के सदस्यों ने स्कूलों में पढाई का समय सुबह 10 बजे से 4 बजे की जगह शाम 5 बजे तक करने के आदेश पर आपत्ति जताई। इसे लेकर सरकार से सवाल किया और शिक्षकों तथा विद्यार्थियों के लिए शोषण वाला आदेश करार दिया।

सदनों में मौजूद मुख्यमंत्री ने हस्तक्षेप करते हुए स्पष्ट किया कि हम तो शुरू से ही कह रहे हैं कि स्कूल का समय 10 बजे से 4 बजे

तक रहे। अभी इस इसे बदला नहीं गया है। उन्होंने कहा कि सुबह 9 बजे से पांच बजे तक स्कूल चलाना ठीक नहीं है। केके पाठक को आज ही बुलाकर कह देंगे, यह उचित नहीं की शाम पांच बजे तक स्कूल चले। इसके पहले बिहार विधानमंडल के बजट सत्र के दौरान मंगलवार को राजद और वाम दलों के विधायकों ने शिक्षा विभाग के खिलाफ मोर्चा खोला। सदनों की कार्यवाही शुरू होने के पहले कई विधायकों ने एक साथ बैनर लेकर शिक्षा विभाग से जुड़े कई फैसलों का विरोध किया। शिक्षकों की कई मांगों को आगे रखकर शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक का भी जोरदार विरोध किया।

सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ महापौर चुनाव का नतीजा पलटा

प्रातः किरण

पराजित आप उम्मीदवार विजेता घोषित



नई दिल्ली/एजेें सी। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को चंडीगढ़ महापौर चुनाव के परिणाम को पलटते हुए आम आदमी पार्टी-कांग्रेस गठबंधन के पराजित उम्मीदवार कुलदीप कुमार को शहर का नया महापौर घोषित किया। न्यायालय ने 30 जनवरी के चुनाव के संचालन में गंभीर खामियां पाए जाने के बाद, निर्वाचन अधिकारी अनिल मसीह, जो भाजपा नेता हैं, के खिलाफ कड़ाचार के लिए मुकदमा चलाने का भी आदेश दिया। सुप्रीम अदालत ने स्पष्ट किया कि वह पूरी

थे। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यह स्पष्ट है कि मसीह ने जानबूझकर आठ मतपत्रों को विरूपित करने का प्रयास किया। भारतीय जनता पार्टी ने 30 जनवरी को चंडीगढ़ महापौर चुनाव में कांग्रेस-आप गठबंधन के खिलाफ जीत हासिल की थी। महापौर पद के लिए भाजपा के मनोज सोनकर ने आप के कुलदीप कुमार को हराया था। सोनकर को अपने प्रतिद्वंद्वी के 12 मतों के मुकाबले 16 मत मिले थे। नकर ने रविवार को महापौर पद से इस्तीफा दे दिया था।

राज्यसभा चुनाव: सूबे के सभी छह प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित

प्रातः किरण

पटना। राज्यसभा के लिए सूबे से सभी छह प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हो गए। इसमें जदयू के संजय कुमार झा, भाजपा के डॉ. भीम सिंह व धर्मशीला गुप्ता, राजद के मनोज झा व संजय यादव के साथ-साथ कांग्रेस के डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह शामिल हैं। सभी सदस्यों का कार्यकाल वर्ष 2030 तक होगा। मंगलवार को नाम वापसी की अंतिम तारीख थी। विधानसभा के सचिव व राज्यसभा चुनाव के रिटर्निंग अधिकारी राजकुमार ने उनके निर्वाचित होने की घोषणा की। मंगलवार को सभी ने निर्वाचित होने

का प्रमाण पत्र भी ले लिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके बिहार विधानसभा स्थित कक्ष में राज्यसभा के लिये निर्वाचन का प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद नवनिर्वाचित सांसद संजय कुमार झा ने शिष्टाचार मुलाकात की। मुलाकात के मनोज झा ने संजय झा को बधाई एवं शुभकामनायें दी तथा उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

दो अप्रैल से जदयू के वशिष्ठ नारायण सिंह व अनिल हेगड़े, राजद के मनोज झा व अशफाक करीम, भाजपा के सुशील मोदी और कांग्रेस के डॉ. अखिलेश सिंह का कार्यकाल समाप्त हो रहा था। इनमें से राजद ने

मनोज झा को जबकि कांग्रेस ने डॉ. अखिलेश सिंह को फिर से अपना उम्मीदवार बनाया था। बिहार से राज्यसभा के 16 सांसद हैं। इनमें एनडीए के 9 जबकि महागठबंधन के 7 सांसद हैं। नए निर्वाचन के बाद राज्यसभा में इस संख्या पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। हालांकि जदयू के सांसदों की संख्या 5 से घटकर 4 जबकि भाजपा की 4 से बढ़कर 5 हो जाएगी। अब 9 अप्रैल 2026 को पांच राज्यसभा सांसदों का कार्यकाल समाप्त होगा। इनमें राजद के प्रेमचन्द्र गुप्ता व अमरेन्द्रधारी सिंह, जदयू के हरिवंश सिंह व रामनाथ ठाकुर और भाजपा के विवेक ठाकुर शामिल हैं।

बिहार सरकार
पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग

पशुओं की देखभाल के लिए आवश्यक सुझाव

शीत लहर से पशुओं का बचाव

क्या करें

- स्थानीय मौसम पूर्वानुमान की जानकारी रखा जाए।
- शीत लहर से पशुओं के बचाव की पूर्व तैयारी कर ली जाए।
- पशुशाला को सभी तरफ से ढकने (विशेषकर रात्रि में) की व्यवस्था की जाए ताकि सीधे तौर पर शीत लहर से पशुओं को बचाया जा सके।
- पशुओं के बिछाने हेतु सूखे पुआल की व्यवस्था कर ली जाए।
- शीतलहर (Frost Bite) से बचाव हेतु पर्याप्त रोशनी तथा गर्मी प्रदान करने वाले उपकरणों की व्यवस्था पूर्व में कर ली जाए।
- पशुओं को कीड़ा मारने वाली दवा जाड़े के पूर्व दे दी जानी चाहिए एवं खुदहा, पी0पी0आर0, इन्टेरोट्रॉकसीमिया रोग के विकरुद्ध टीकाकरण कराना चाहिए।
- पशुओं को सूखे एवं धुँआ रहित स्थानों पर रखा जाए।
- मुर्गियों/पक्षियों को रखने के स्थान पर गर्मी की व्यवस्था अनिवार्य रूप से करनी चाहिए।
- वाहय परजीवियों से पशुओं को बचाने हेतु नारगुण्डी तथा लेमन ग्रास की पतियों को पशुशाला में टांगना चाहिए। नीम तेल से युक्त निष्क्रामक रसायनों (Disinfectant) का उपयोग किया जाना चाहिए।
- जाड़े में पशुओं के शरीर को ढक कर रखा जाए।
- पशुओं को संतुलित एवं नमक/इलेक्ट्रोलाइट से युक्त पूरक आहार देना चाहिए। खल्ली एवं गुड़ की अतिरिक्त मात्रा दिया जाना चाहिए ताकि शरीर गर्म रहे।
- पशुओं को स्वच्छ नाद में हल्का गर्म पानी दिन में तीन-चार बार देना चाहिए।
- पशुओं/पक्षियों के बीमार होने पर शीघ्र स्थानीय पशु चिकित्सालय से सम्पर्क करना चाहिए।
- बीमार, कमजोर एवं गर्भवती पशुओं का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।
- पशु शवों का निस्तारण वैज्ञानिक तरीके से एवं लोगों के निवास तथा जलस्रोतों से पर्याप्त दूरी रखते हुए किया जाना चाहिए।
- आग के स्रोत पशुशाला से आवश्यक दूरी पर रखना चाहिए तथा अग्नि आपदा से बचाव के सभी नियमों का पालन किया जाना चाहिए।
- पर्यावरण के अनुकूलन के साथ पशुशाला का निर्माण, जिसमें जाड़े में अधिकतम सूर्य-किरण एवं गर्मी में न्यूनतम रेडिएसन की उपलब्धता हो, कराया जाए।

क्या न करें

- शीत ऋतु में पशुओं को खुले में नहीं छोड़ना चाहिए।
- पशु मेला आदि का आयोजन शीत ऋतु में नहीं किया जाना चाहिए।
- ठंडा भोजन एवं पानी पशुओं को नहीं देना चाहिए।
- पशुओं एवं मुर्गियों/पक्षियों को नमीयुक्त या धुँआ वाले स्थान पर नहीं रखना चाहिए, इससे Pneumonia का खतरा बढ़ता है।
- पशुओं के चारागाह के रास्ते में पशु शवों का निस्तारण नहीं करना चाहिए।
- बीमार पशुओं की चिकित्सा फर्जी चिकित्सकों से नहीं कराना चाहिए।

पशुपालन निदेशालय, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार, पटना द्वारा जनहित में प्रचारित

PR No. 01747 (Amn)JD 2023-24

संक्षिप्त खबरें

यूपीआई से खाता से 72 हजार की हुई अवैध निकासी

पटना सिटी (प्राकि)। साइबर फ्रॉड हर दिन लोगों को टारगेट बना रहा है। पुनम देवी, जो काजीबाग महावीर मंदिर के पास की रहने वाली हैं, वह भी साइबर ठग की शिकार हो गईं। उसके खाता से 72 हजार रुपया यूपीआई के माध्यम से अवैध रूप से निकासी हो गई। पीड़िता ने इस संबंध में आलमगंज थाना की पुलिस को सूचना दी है। महिला ने पुलिस को बताया कि खाता से निकासी का मैसेज उसे मोबाइल पर नहीं मिला। जब बैंक खाता को अपडेट करने गईं, तब अवैध निकासी का पता चला। साइबर सेल को भी इसकी सूचना दी गई है।

जख्मी किशोर का हुआ मौत

फतुहा। जख्मी हालत में थाना क्षेत्र के गोरी पुंदाह गांव में मिले 16 वर्षीय किशोर की इलाज के दौरान पटना स्थित पीएमसीएच में मौत हो गयी। किशोर की पहचान गोरी पुंदाह गांव के ही संजु राम के पुत्र सोनु कुमार के रूप में हुई है। सोनु कुमार को जख्मी किसने की, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। लेकिन यह घटना बीते 17 फरवरी की है। पिता संजु राम के मुताबिक वह शाम को घर से निकलकर सैच के लिए गया था। जब काफी समय बीत जाने के बाद भी वह घर नहीं लौटा तो उसकी खोजबीन शुरू की गई। गांव के ही एक गली में वह काफी जख्मी हालत में मिला। तत्काल उसे उसी रात को फतुहा सीएचसी लाया गया। लेकिन हालत गंभीर रहने के कारण उसे पटना के लिए रेफर कर दिया गया। बीते रात उसकी मौत हो गयी। पिता ने आशंका जताते हुए बताया कि उसके बेटे को किसी ने मारपीट कर गंभीर हालत में जख्मी कर दिया था तथा गली में लाकर छोड़ दिया था। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव को लेकर थाने पहुंचे थे तथा पुलिस को आपबीती सुनाई। पुलिसकारी होते ही पुलिस मामले की छानबीन करने में जुट गयी है। दूसरी तरफ किशोर का शव घर पहुंचाते ही परिजनों के बीच कोहराम मच गया।

बंद फ्लैट का ताला तोड़कर लाखों का जेवर ले उड़े चोर

दानापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत। लोहियापथ में बंद फ्लैट का ताला तोड़ चोरे ने 40 हजार नगद समेत करीब पांच लाख का जेवरात व अन्य सामान की चोरी कर ली। रूपसपुर पुलिस मामले की छानबीन में लगी है। चोर ने करीब आधा घंटे में घटना का अंजाम करके भाग निकले। रूपसपुर थाना क्षेत्र के लोहियापथ के आनंदश्री अपार्टमेंट के फ्लैट संख्या 01बी निवासी राजेश्वर प्रसाद दस दिन पूर्व चाची के निधन पर परिवार के साथ अयोध्या गये थे। फ्लैट बंद था। मंगलवार जब वे वापस फ्लैट पर पहुंचे तो फ्लैट का ताला टूटा मिला। ये देख वो परेशान हो गए। अंदर सारे कमरे खुले थे। कमरे में सात सामान बिखड़ा था। चोरो ने दिवान व आलमीरा आदि के लॉक टूटे थे। चोरो ने लॉकर में रखे करीब 40 हजार नगद जेवरात टीवी समेत कीमती सामान लेकर भाग निकले। चोरी गये सामान की कीमत करीब साढ़े पांच लाख बताया जाते है। फ्लैट के लोगो ने बताया कि सीसीटीवी में मंगलवार के एक युवक खंती लिये दिख रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस सीसीटीवी को खंगालते हुए छानबीन में लगी है।

चोरी करते चोर रंगे हाथ गिरफ्तार

दानापुर खगौल थाना क्षेत्रके अंतर्गत सोमवार के बीते रात निम्नला रोड एक घर से चोरी करते एक चोर को पकड़ा गया। इस संबंध में गृहस्वामी मो इब्राहिम अंसारी ने लिखित आवेदन में बताया घर में खिलाड़ी के रास्ते से चोर घर में घुसा जब घर में खट खट की आवाज आने पर सुचना पुलिस को दी गई। इस संबंध में खगौल थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया की पकड़ा गया चोर के पास से घर मोबाइल, एक हजार रुपए और लोहे का छड़ चोरी किया था। पकड़ा गया चोर मसौड़ी डी के रहने वाला 21 वर्षीय अभिषेक कुमार है। पूछताछ करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

ट्रेन की बोमी से शराब बरामद

दानापुर खगौल रेल थाना क्षेत्र अंतर्गत जीआरपी द्वारा विशेष चेकिंग के दौरान दानापुर स्टेशन पर रेल पुलिस ने प्लेटफार्म नंबर 1 ए पर खड़ी ट्रेन नंबर 12488 डाउन सीमांचल एक्सप्रेस के बोमी के शौचालय के पास थेला में रखे गये लावारिस अवस्था में शराब बरामद किया। पुलिस ने 14 कार्टून ट्रेड्यु पैक शराब बरामद किया। इस संबंध में रणधीर कुमार ने बताया कि विशेष चेकिंग के दौरान सीमांचल एक्सप्रेस के शौचालय से दो बड़े थेले में रखे गये 14 कार्टून ट्रेड्यु पैक शराब बरामद किया गया।

तख्तश्री कमेटी को भंग कर एडहॉक समिति बनाने पर सुनवाई आज

8 फरवरी को हुई बैठक व दोनों पक्ष से जारी पत्र सुनवाई में अहम



पांच साल के कार्यकाल पूरा होने के छह माह पहले से ही चुनावी प्रक्रिया शुरू कर दे, ताकि हर पांच साल पर सही ढंग से चुनाव हो सके। तख्तश्री

कमेटी का कार्यकाल जुलाई, 23 में ही पूरा हो चुका है। हालांकि इस दौरान पूर्व महासचिव चरणजीत सिंह के द्वारा चुनावी प्रक्रिया शुरू कराए

जाने को लेकर जनवरी, 23 से ही पत्र लिखने का दौर शुरू किया गया। इसे बाद में फरवरी, 23 से विहार राज्य चुनाव प्राधिकार के सचिव ने भी गति देने का काम किया। इस दौरान लिथि को आगे बढ़ाते हुए किसी तरीके से वोट लिस्ट फाइनल बना भी लिया गया, मगर महासचिव इंद्रजीत सिंह के पक्ष में मीटिंग का कोरम पूरा नहीं होने के कारण मतदाता सूची को अनुमोदित नहीं कराया जा सका। दरअसल कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह, कनीय उपाध्यक्ष गुरुविंदर सिंह सहित उनके साथ रहे डॉ गुरमीत सिंह, राजा सिंह, एमपीएस दिल्लीन आदि भी वर्तमान तैयार मतदाता सूची को नुटिपूर्ण बताते रहे एक बार फिर नए रिसे से वोट लिस्ट बनाने का काम शुरू करने का निर्णय लिए। इसके लिए

अध्यक्ष सहित पांच लोगों के हस्ताक्षर से पांच निर्वाचन क्षेत्र के लिए लोगों को प्रतिनिधित्व भी किया गया है। पांच निर्वाचन क्षेत्र से अनेक लोगों ने पत्र जारी कर अध्यक्ष के द्वारा जारी पत्र का विरोध किया गया अंततः कमेटी के तीन पदाधिकारी महासचिव इंद्रजीत सिंह सचिव हरमन सिंह और वरीय उपाध्यक्ष लखविंदर सिंह ने भी विरोध जताया हल्का एक से तो एक सदस्य ने अपना नाम वापस लेने का पत्र भी कमेटी के कार्यालय को सौंप दिया ऐसे में बढ़ते दबाव को देखते हुए और तीन पदाधिकारी को विश्वास में लिए बिना अध्यक्ष सहित पांच लोगों के हस्ताक्षर से जारी पत्र को महासचिव ने रद्द कर दिया अब लोगों की निगाहें बुधवार को जिला एच सत्र न्यायाधीश के यहां होने वाली सुनवाई पर टिकी है।

आर्मस के साथ मनीष पगला को मेहंदीगंज पुलिस ने किया गिरफ्तार

उसके साथ दो-तीन अन्य लोग भी थे। घटना को अंजाम देने के बाद वह वहां से भाग निकला था। बताया जाता है कि गोपाल महतो के बेटे टुनटुन महतो की भी करीब एक साल से अधिक पहले चाकू गोद कर हत्या कर दी गई थी। मामला कोर्ट में चल रहा था।

इसमें सुनवाई होनी थी। नामजद के द्वारा केस में समझौता किए जाने और ऐसा नहीं करने पर लगातार धमकी दी जा रही थी। बताया जाता है कि इस मामले में जेल में बंद कन्हैया ने वहीं से सेटिंग कराया था। पुलिस ने पूछताछ करने के बाद अभियुक्त मनीष कुमार वर्मा उर्फ मनीष पगला को जेल भेज दिया है।

मेहनत कर दिल्ली-दुबई में कारोबार खड़ा किया, जमुई में खानदानी जमीन पर माफियाओं का कब्जा, सरकार से गुहार

उन्हें उनकी परदादी मोसमात बीबी आयशा से विरासत में मिली थी। उस पर भू-माफिया कब्जा कर रहे हैं और जमुई के पूर्ववर्ती सीओ और सीआई इस साजिश में शामिल हैं विगत जुलाई 2023 में उन्होंने जमुई के अपर भूमि समाहता के पास शिकायत दर्ज की और कई अनुस्मारक के बाद भी सीआई जमुई ने अभी तक रिपोर्ट संख्या 1268 जमा नहीं की है जो उन्हें एडीएम जमुई कार्यालय से गत 31 जुलाई को प्राप्त हुई थी। एमडी खुशींदर अनवर, जो एमडी शाकिर अनवर के पिता हैं, ने 2016 से सीओ जमुई कार्यालय में कई लिखित शिकायतें दी थी कि उनकी जमीन पर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है। उनकी जमीन के किसी भी उत्पत्ति नक्शा अनुरोध को पहले से स्वीकृत किया जाना चाहिए ताकि वे दस्तावेज प्रस्तुत कर सकें। इस मामले को लेकर एमडी शाकिर अनवर ने सरकार से इसमें शामिल अधिकारियों और भू-माफियाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इस मामले को लेकर एमडी खुशींदर अनवर ने जमुई पुलिस स्टेशन में इसी माह 5

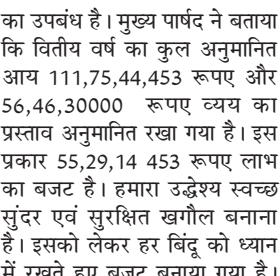
नगर परिषद में आम बजट पेश किया गया



प्रातःकिरण संवाददाता

11 करोड़, जलापूर्ति प्रणाली एवं जल जीवन हरियाली के लिए 03 करोड़ 70 लाख का प्रावधान है। पब्लिक लाईट एवं पब्लिक विकास सफाई उपकरण एवं वाहन क्रय के लिए करीब 04 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इस्विन क्रय के लिए 70 लाख का प्रावधान किया गया है। खय के लिए आवास योजना पर दो करोड़ एवं नगर सौन्दर्यीकरण पर 20 लाख रुपए की अनुमानित राशि खर्च करने का उपबंध है। मुख्य पार्षद ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 का वित्तीय आय 111,75,44,453 रूपए और 56,46,30,000 रूपए व्यय का प्रस्ताव अनुमानित रखा गया है। इस प्रकार 55,29,14 453 रूपए लाभ का बजट है। हमारा उद्देश्य स्वच्छ सुंदर एवं सुरक्षित खगौल बनाना है। इसको लेकर हर बिंदु को ध्यान में रखते हुए बजट बनाया गया है। बैठक में इस्विन खरीद के मुद्दे पर कुछ पार्षदों ने आवाज उठाया गया पर इस्विन खरीदारी नहीं हुई। जल जीवन पर भी कार्य नहीं हुआ। बैठक में पार्षद सरिता शर्मा, सुजाता देवी, महेन्द्र कुमार सिंह, रेखा देवी समेत पार्षद व कार्यपालक पदाधिकारी कन्हैया कुमार सहायक लोक स्वच्छता खाकर दरवाजा के बाहर निकला था। कुछ देर के बाद ही यह वहां पर नहीं देखा गया। जब उसका आसपास पता नहीं चला, तब परिवार के लोग खोजबीन में लग गए। आसपास के मुहल्ले एवं संभावित स्थानों पर खोजबीन करने पर भी जब पता नहीं चला। इसके बाद पिता ने इसकी सूचना मेहंदीगंज थाना की पुलिस को दी। थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि गंभीरता से पूरे मामले को छानबीन की जा रही है

घर के बाहर से बच्चा लापता, अगवा की आशंका



प्रातःकिरण संवाददाता

मेहंदीगंज थाना क्षेत्र के दीपनगर बैंक कॉलोनी से एक साल का बच्चा घर के बाहर से लापता है। पुलिस अगवा की आशंका को लेकर प्राथमिकी दर्ज कर मामले को छानबीन कर रही है। पिता बादल कुमार ने बताया कि वह निजी बैंक में चतुर्थवर्गीय कर्मचारी है। 18 फरवरी को दोपहर करीब दो बजे बच्चा खाना खाकर दरवाजा के बाहर निकला था। कुछ देर के बाद ही यह वहां पर नहीं देखा गया। जब उसका आसपास पता नहीं चला, तब परिवार के लोग खोजबीन में लग गए। आसपास के मुहल्ले एवं संभावित स्थानों पर खोजबीन करने पर भी जब पता नहीं चला। इसके बाद पिता ने इसकी सूचना मेहंदीगंज थाना की पुलिस को दी। थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि गंभीरता से पूरे मामले को छानबीन की जा रही है

एनएमसीएच रोड से हटाया गया अतिक्रमण



पटना सिटी, प्रातःकिरण संवाददाता

प्रमंडलीय आयुक्त कुमार रवि के निर्देश पर एक बार फिर अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया गया है। अजीमाबाद अंचल के द्वारा एनएमसीएच रोड में अतिक्रमण हटाने का काम शुरू किया गया। अस्पताल के दोनों ओर अमकुकुआ रेल लाइन तक अतिक्रमण आवाद है। नगर निगम के द्वारा अनेकों बार इस अस्थायी अतिक्रमण को हटाया गया है, मगर इसके दूसरे-तीसरे

बताया जाता है कि कुछ लोगों ने सिटी एसडीओ के यहां शिकायत की है कि नगर निगम के पदाधिकारी और कर्मचारियों के द्वारा ही नाजायज रूप से अतिक्रमण आवाद कराया जाता है और अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू होने के पूर्व ही उन सबों को सूचित कर दिया जाता है, ताकि वे सब अपना सारा सामान हटा लें। इसे लेकर एसडीओ ने नगर निगम के अंचल के अजीमाबाद और सिटी अंचल के ईओ को पत्र भी भेजा है। इसमें उक्त निगम कर्मियों के द्वारा अवैध वसूली अतिक्रमण के लिए किए गए का आरोप लगाया गया है। हालांकि इस संबंध में निगम के पदाधिकारी और कर्मचारी कुछ भी बोलने से इनकार करते हैं। मगर दबी जुबान स्पष्ट तौर पर कहते हैं कि अगर कोई ऐसा करता है, तो ऐसे पदाधिकारी और कर्मचारियों पर निश्चित रूप से कार्रवाई की जाए।

रेलकर्मियों की समस्याओं से अवगत हुए महाप्रबंधक, त्वरित केस निष्पादन का दिया निर्देश



प्रातःकिरण संवाददाता

हाजीपुर। महाप्रबंधक श्री अनिल कुमार खंडेलवाल रेलकर्मियों की समस्याओं के निराकरण के लिए व्यक्तिगत रूप से रूचि ले रहे हैं। इसी क्रम में आज मुख्यालयमें 09 रेलकर्मियों/उनके आश्रितों ने महाप्रबंधक से मुलाकात की तथा अपनी विभागिय समस्याओं से महाप्रबंधक को अवगत कराया। महाप्रबंधक ने विस्तारपूर्वक उनकी समस्याओं को सुना तथा संबंधित विभागों को प्राशिक्षार्थों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए। इस अवसर पर कार्मिक विभाग के अधिकारी सहित

ट्रेक्टर लूट कांड में लूटी हुई गाड़ी के साथ पांच गिरफ्तार

फतुहा। पुलिस अनुमंडल के दीदरगंज थाना क्षेत्र के रेलवे पुल के समीप से बीते दिनों छड़ से लदी ट्रेक्टर को टेम्पो में सवार लुटेरों द्वारा ट्रेक्टर को ओवरटेक कर लूट लिया गया था जिसको लेकर ग्रामीण एस्प्री के निर्देशन में डीएसपी शियाराम यादव के नेतृत्व में फतुहा थाना अध्यक्ष रूपक कुमार अन्वुज, दीदारगंज थाना अध्यक्ष मिथलेश कुमार की टीम के द्वारा अपराध की गंभीरता को देखते हुए एक साथ कई जगहों पर



प्रातःकिरण संवाददाता

छापेमारी किया गया था। अपराधियों द्वारा ट्रेक्टर का सरिया लदा डाला बुद्धदेवचक में छोड़ दिया गया था साथ ही गाड़ी के इंजन को मकसुदपुर में छोड़ भागे थे जिसको पुलिस ने बरामद किया था परंतु लूट में

संसिप्त अपराधियों को लेकर पुलिस लगातार तकनीकी अनुसंधान में जुटी थी जिसके बाद सभी अपराधियों को पकड़ लिया गया। जिसकी जानकारी डीएसपी शियाराम यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया है। पकड़े गए अपराधी अभिषेक राज वरुणा, सौरव कुमार नरमा, गोविंद कुमार कोलहर, धनराज कुमार खगरिया का रहने वाला है। इन सभी को फतुहा थाना क्षेत्र के अलग अलग जगहों से पकड़ा गया है। इनके पास से लूट में इस्तेमाल किया गया टेम्पो भी बरामद किया गया है।

पिता के निधन पर कराया नालंदा मेडिकल कॉलेज में नेत्र व देहदान

20 मेडिकल छात्र पर एक देह, मगर बिहार में मृत शरीर नहीं मिलने से औसत 300 छात्र पर एक

पटना सिटी, प्रातःकिरण संवाददाता



दधीचि देहदान समिति के जागरूकता अभियान रंग लाया और अमकुकुआ के रहने वाले राधे श्याम संधालिया का पार्थिव शरीर नालंदा मेडिकल कॉलेज के एनाटोमी विभाग को सुपुर्द कर दिया गया। विभागाध्यक्ष प्रोडॉ रश्मि प्रसाद एवं समिति के महासचिव पद्मश्री बिमल देव, उपाध्यक्ष अमित सत्यमूर्ति, संजीव कुमार यादव, समिति के सदस्यगण, भारत विकास विकलांग अस्पताल के प्रबंध न्यासी विवेक माथुर एवं मृतक के परिजनों की उपस्थिति में उनके पुत्र अशोक संधालिया, मनोज कुमार संधालिया ने पूरा शरीर सौंप कर पीड़ित मानवता की सेवा के लिए एक मिसाल काम किया। देहदान के पूर्व नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में नेत्रदान कर श्रेष्ठ उदाहरण पेश किया गया। इस मार्मिक घड़ी में नालंदा मेडिकल कॉलेज परिसर में बैकुंठवासी आत्मा

बिहार ऑर्थोपेडिक एसो. के सचिव बने डॉ प्रवीण कुमार

पटना सिटी (प्राकि)। बिहार ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन का सचिव डॉ प्रवीण कुमार को चुना गया है। वह अगले दो साल तक इस पद को संभालते हुए काम करेंगे। सर्वसम्मति से उनके सचिव चुने जाने पर ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन में खुशी है। डॉक्टर प्रवीण, जो की ऑर्थोपेडिक एचएमडी स्पेशलिटी हास्पिटल के निदेशक भी हैं, ने बताया कि अपने कार्यकाल में विभिन्न जिलों में कॉन्फ्रेंस करेंगे। इससे की अधिकतम शोध का कार्य हो। इसका लाभ चिकित्सकों के साथ मरीजों को आधुनिक तरीके से इलाज का लाभ मिल सके। दरअसल राजगीर में बिहार ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन का वार्षिक सम्मेलन हुआ था। इसमें देश के करीब 600 ऑर्थोपेडिक सर्जनों ने भाग लिया था। उसीमें अनेक चिकित्सकों ने अपने रिसर्च पत्र पढ़े थे। डॉक्टर प्रवीण कुमार, जो सचिव ऑर्थो सर्जन के साथ ही एसोसिएट प्रोफेसर हैं, ने कहा कि हड्डी के फ्रैक्चर नहीं जुड़ने पर कम सौकर कर हरसेट स्कू से जोड़ने पर अच्छे एवं बेहतर रिजल्ट मिलता है। अनेक चिकित्सकों ने इस रिसर्च वर्क की सराहना की थी।



मंत्री प्रेम कुमार ने बसंत कालीन वृक्षारोपण कार्यक्रम का किया शुभारम्भ



प्रातःकिरण संवाददाता

हाजीपुर वैशाली वन प्रमंडल अन्तर्गत ट्रिनिटी इंटरनेशनल स्कूल, हिलापुर, हाजीपुर के परिसर में बसंतकालीन वृक्षारोपण का शुभारम्भ डॉ॰ प्रेम कुमार, माननीय मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार सरकार की गरिमामय उपस्थिति में गुम्बारा उठाकर किया गया एवं इस दिवस को यादगार बनाने के लिए परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर श्री ए०के० प्रसाद, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास), बिहार, पटना, श्री ए०के० द्विवेदी, क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक, मुजफ्फरपुर एवं मुजफ्फरपुर

से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। मंत्री जी द्वारा बसंतकालीन वृक्षारोपण के शुभारम्भ कार्यक्रम में कर्पूर के पौधे का रोपण किया गया। उपस्थित अधिकारियों ने भी पौधे लगाए। मंत्री महोदय ने विभागीय पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि मौसम बदल रहा है, अरुण्य वर्षा हो रही है, दक्षिण बिहार में कम बारिश के चलते जल स्तर काफी कम हो जा रहा है वहीं उत्तर बिहार में अधिक वर्षा के कारण जल जमाव की स्थिति उत्पन्न हो जा रही है। इसलिए उतर बिहार में बसंतकालीन वृक्षारोपण कराया जाता है। बताया कि माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दुबई में कार्बन उत्सर्जन तथा जलवायु परिवर्तन के

दुष्प्रभाव को कम करने हेतु हरित क्रांति का संदेश दिया है। उन्होंने बताया कि इस दिशा में माननीय प्रधानमंत्री के साथ-साथ माननीय मुख्यमंत्री सतत प्रयत्नशील है। माननीय मुख्यमंत्री, बिहार ने जल-जीवन-हरियाली योजना के माध्यम से जल एवं हरियाली के संरक्षण पर विशेष बल दिया है। जिसके कारण आज बिहार राज्य में वनाच्छादन का प्रतिशत 07 प्रतिशत से बढ़कर 14.50 प्रतिशत हो गया है। जिसे बढ़ाकर 22 प्रतिशत करने का प्रयास जारी है। इसके लिए विभाग के अग्रिम पंक्ति से लेकर उच्च स्तर पर बैठें सभी पदाधिकारियों को एकजुट होकर विभाग के लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करना है।



सूबे के राजनीतिक दलों के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चुनाव आयोग को सौंपा ज्ञापन

लोस चुनाव अधिकतम तीन चरणों में और 21 दिनों के भीतर हों : जदयू

पटना। जदयू के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत के मुख्य चुनाव आयोग को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, बिहार जदयू अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, राष्ट्रीय महासचिव संजय कुमार झा, राज्यसभा सदस्य अनिल हेगड़े, राष्ट्रीय महासचिव सह विधान पार्षद अफाक अहमद खान तथा प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी चंदन कुमार सिंह शामिल थे। बैठक के दौरान जदयू ने अपने सुझाव में कहा कि लोकसभा चुनाव कम अवधि और अधिकतम तीन चरणों में कराए जाएं। इन तीनों अवधि के चुनाव 21 दिनों के भीतर हो जाएं तो बेहतर होगा। इससे न केवल मतदाताओं को अप्रैल-मई की भीषण गर्मी से राहत मिलेगी बल्कि संसाधनों की भी बचत होगी और जन-जीवन अधिक दिनों तक अस्त-व्यस्त नहीं होगा। अपने अन्य सुझाव में जदयू ने कहा कि चुनाव के दिन असामाजिक तत्व गरीब-गुरबों को मतदान करने से रोक सकते हैं और बूथ कब्जा करने की कोशिश कर सकते हैं, इस आशंका को ध्यान में रखते हुए संवेदनशील बूथों पर सक्षम व पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती हो। चुनाव-आयोग को दिए गए अपने ज्ञापन में जदयू ने यह भी कहा कि जदयू प्रारंभ से ईवीएम और वीवीपैट के पक्ष में रही है। चुनाव-प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए पार्टी पूर्ववत् इसका समर्थन करती है।

लोस क्षेत्रों में अनुमति के लिए एकल विंडो सिस्टम का प्रावधान हो : भाजपा

भाजपा ने सौंपा 22 सूत्री मांग पत्र

पटना, 20 फरवरी। बिहार भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल आज पटना में भारत निर्वाचन आयोग की बिहार आई टीम के समक्ष लोकसभा क्षेत्रों में अनुमति के लिए एकल विंडो सिस्टम का प्रावधान करने का सुझाव दिया है। प्रतिनिधिमंडल में विधायक नितिन नवीन, संजय सरावगी तथा चुनाव प्रबंधन विभाग, भाजपा के प्रदेश संयोजक राधिका रमण शामिल थे। भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन आयोग से मिलकर भाजपा की ओर से 22 सूत्री सुझाव और मांग पत्र सौंपा। सुझाव पत्र में कहा गया है कि मतदाता सूची में एक ही मतदाता का नाम अपने विधान सभा के अलावा पास के कई अन्य विधान सभा क्षेत्रों में है। इसकी सघन जांच करायी जाय और दोहरी एवं तिहरी प्रविष्टि को समाप्त कर जाए। भाजपा ने मतदाताओं को मतदान केन्द्रों की जानकारी के लिए एसएमएस एवं कॉल करने का सुझाव देते हुए एसएमएस के माध्यम से मतदाता को मतदाता पंजीयन उपलब्ध कराने के भी सुझाव दिए हैं। इसके अलावा भाजपा ने सभी लोकसभा क्षेत्रों में अनुमति के लिए एकल विंडो सिस्टम का प्रावधान करने की भी वकालत की है। भाजपा तकनीकी या संबंधित वजहों से अनुमति देने में असमर्थता की परिस्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर मैनुअल अनुमति की भी व्यवस्था कराए जाने की भी मांग की है। भाजपा ने चुनाव आयोग से शत प्रतिशत मतदाताओं को फोटो पहचान पत्र जारी करने, स्वच्छ एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए मतदान केन्द्र पर किसी भी तरह के दुरुपचार वाले मतदाताओं के चेहरे का मिला न स्वीकृत पहचान पत्र से करने और पहचान सुनिश्चित करने के बाद ही उन्हें मतदान की अनुमति देने की मांग रखी है। भाजपा ने दियारा एवं टाल क्षेत्र में घुड़सवार सुरक्षाकर्मियों की तैनाती तथा नदी मार्ग पर चुनाव के दौरान नदी वाले इलाकों में नावों की सघन जांच करने, केन्द्रीय पत्र मिलिट्री फोर्स का फ्लैग मार्च कराने, चुनाव के दिन जिला एवं लोकसभा क्षेत्र का बॉर्डर सील करने, सभी मतदान भवन पर सेंट्रल पारा मिलिट्री फोर्स की व्यवस्था सुनिश्चित कराने तथा तीन वर्ष से लगातार एक जगह पर पदस्थापित चुनाव पदाधिकारियों को तत्काल स्थानांतरित करने की भी मांग चुनाव आयोग से की है।

राजद ने 20 सूत्री ज्ञापन सौंपा, बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग

पटना। राजद का तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयोग से मिलकर आगामी लोकसभा का चुनाव बैलेट पेपर से कराने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष वृषण पटेल, प्रदेश प्रवक्ता चित्तरंजन गगन एवं मुख्यालय प्रभारी महासचिव युक्तुद सिंह शामिल थे। राजद प्रवक्ता एवं प्रतिनिधिमंडल के सदस्य चित्तरंजन गगन ने बताया कि मुख्य निर्वाचन आयोग से मिलकर राजद की ओर से 20 सूत्री ज्ञापन सौंपा गया। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन आयोग से आगामी लोकसभा का चुनाव बैलेट पेपर से कराने, भी भी पैट से निकले पत्रों को मतदाता को दिखाने और सभी मतदान केन्द्रों के भीभी पैट पत्रों को सीलबंद बॉक्स में रखकर ईवीएम के साथ ही उसकी भी गिनती करवाने, मतदान के बाद मतदाता को मतदान की प्रॉपि रसीद उपलब्ध कराने, ईवीएम की गिनती शुरू करने के पहले पोस्टल बैलेट की गिनती कर प्रायः मतों की घोषणा करवाने, दलित, पिछड़ा, अल्पसंख्यक एवं कमजोर वर्ग के मतदाताओं को संस्था कम रहने पर भी उनके लिए पृथक मतदान केन्द्र उनके टोले में ही स्थापित करने, संवेदनशील मतदान केन्द्रों की पहचान सर्वदलीय बैठक की सहमति से निर्धारित करने, मतदान के रपतार का एक मानक निर्धारित करने, मतदान समाप्ति के बाद पोलिंग एजेंटों को मतदान का पूरा ब्योरा उपलब्ध कराने, मांक मतदान हेतु सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि को समुचित प्रशिक्षण दिया जाए तथा मतदान के पूर्व सभी दलों के प्रतिनिधि की उपस्थिति सुनिश्चित किया जाए।

दलित-गरीबों के मतदान केन्द्र उनके टोले में ही हो : भाजपा-माले

भाकपा माले ने 5 सूत्री ज्ञापन सौंपा

पटना। भाकपा-माले ने पटना आए चुनाव आयोग के प्रतिनिधियों को अपना पांच सूत्री ज्ञापन सौंपा है। माले प्रतिनिधिमंडल में केन्द्रीय कमिटी सदस्य अश्विन्युदय और मीडिया प्रभारी कुमार परवेज शामिल थे। ज्ञापन में मुख्य रूप से कहा गया है कि सभी मतदान केन्द्रों की समीक्षा कर दबंग समुदाय के प्रभाव क्षेत्र से बाहर दलित-गरीबों के टोले में ही उनके लिए मतदान केन्द्र की व्यवस्था की जाए। यदि दलित-गरीबों के टोले में कोई सरकारी भवन नहीं है तो उस स्थिति में वहां जलद मतदान केन्द्र की व्यवस्था की जानी चाहिए। वोटर की संख्या ज्यादा होने पर अगर एक से ज्यादा मतदान केन्द्र बनाना जरूरी हो, तो उसे भी उनके टोले पर ही दूसरा मतदान केन्द्र बनाया जाए। किसी भी सूत्र में उनके टोले से बाहर उनका मतदान केन्द्र न रखा जाए और न ही टोले के गरीब मतदाताओं के एक हिस्से को किसी दूसरे मतदान केन्द्र पर हस्तांतरित किया जाए। निर्वाचन आयोग की ओर से जारी अंतिम मतदाता सूची में कई वाजिब मतदाताओं के नाम कटे हुए पाए गए हैं। रैंडम तरीके से बहुत सारे मतदाता के नाम काट दिए गए हैं। ऐसे लोगों में अधिकांशतः दलित-अतिपिछड़े व पिछड़े समुदाय से आने वाले मतदाता हैं। अतः प्राथमिकता के साथ ऐसे मतदाताओं का नाम फिर से मतदाता सूची में जुड़वाने का काम किया जाना चाहिए। पोस्टल बैलेट की गिनती फाइनल करने के बाद ही ईवीएम के वोटों की गिनती शुरू की जाए। हमारी पार्टी ईवीएम की बजाए बैलेट के जरिए मतदान करवाए जाने के पक्ष में है। आगामी लोकसभा चुनाव में नौठों के बतौर गिनती की बजाए शतप्रतिशत वीवीपैट की गिनती की जानी चाहिए ताकि वोटिंग प्रक्रिया की निष्पक्षता बरकरार रह सके। चुनाव में धन बल का बोलबाला बढ़ता जा रहा है। आयोग को चुनावी खर्च की सीमा घटाने पर विचार करना चाहिए और पार्टियों द्वारा खर्च की सीमा भी घट करनी चाहिए।



जयू के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मंत्री संजय झा राज्यसभा सदस्य के लिए हुए निर्वाचित। निर्वाचन का प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर आभार व्यक्त किया। इस दौरान पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, विधानपरिषद के सभापति देवेश चंद्र ठाकुर व पूर्व मंत्री अशोक चौधरी मौजूद थे।

कांग्रेस ने की जगह वैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग

पटना। बिहार कांग्रेस की ओर से एक पांच सदस्यीय शिष्टमंडल मंगलवार को भारत के मुख्य चुनाव आयोग से मिलकर ईवीएम की जगह वैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग की। बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डा अखिलेश प्रसाद सिंह द्वारा भेजे गए शिष्टमंडल दल ने मुख्य चुनाव आयोग को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में 2024 के होनेवाले लोकसभा चुनाव को स्वच्छ, भयमुक्त एवं पक्षपात मुक्त बनाने के लिए कांग्रेस की शीघ्रता शामिल है। इसमें चुनाव प्रक्रिया से संबंधित दस सुझाव दिये गए हैं। अपने ज्ञापन में कांग्रेस ने मांग की है कि ईवीएम से ही चुनाव कराये जाने की स्थिति में सभी मतदान केन्द्रों पर इस्तेमाल किए जाने वाले ईवीएम संख्या को सार्वजनिक किया जाए। इसके अलावा मतगणना के समय ईवीएम एवं वीवीपैट से प्राप्त पत्रों के मिलान के बाद ही परिणाम घोषित किया जाए। कांग्रेस ने चुनाव आयोग से ये शिकायत की कि कैसे प्रदेश के करीब 12-13 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से गायब कर दिए गए जो संवैधानिक अन्याय है। इसके अलावा कमजोर वर्ग से आने वाले मतदाताओं जैसे बुद्ध, महिला आदि को पूर्ण सुरक्षा एवं चिकित्सा की व्यवस्था करने की मांग की। शिष्टमंडल का नेतृत्व वरिष्ठ कांग्रेस नेता ब्रजेश प्रसाद मुनन ने किया। शिष्टमंडल के अन्य सदस्यों में शामिल हैं विधायक कुमारी दास, पूर्व विधायक डा हरकु झा, रीता सिंह एवं युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास।

अवसरवादी राजनीति का अंत करीब : अखिलेश

पटना, प्रातः किरण संवाददाता

बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डा अखिलेश प्रसाद सिंह मंगलवार को राज्यसभा के लिए दूसरी बार निर्विरोध चुने गये। मंगलवार को करीब 3 बजे सैकड़ों गाड़ियों के लाव-लस्कर के साथ डा सिंह अपने निर्वाचन का प्रमाण पत्र लेने विधान सभा पहुँचे। वहां इंडिया गठबंधन के सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल से राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने वाले मनोज झा उनका इंतजार कर रहे थे। बाद में विधान सभा गेट पर करीब 500 कार्यकर्ता व नेता ने उन्हें फूल-मालाओं से भर दिया और उनके समर्थन में जमकर नारेबाजी की। डा अखिलेश वहां से निकलकर महावीर मंदिर दर्शन करने गए और अपनी जीत का प्रमाण पत्र महात्माजी हनुमान को अर्पित किया। इसके बाद वे पार्टी मुख्यालय सदाकत आश्रम गये जहां पार्टीजनों के बीच मिठाइयां बांटी गयीं। वहां इक्कठी भीड़ को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में अवसरवादी राजनीति का

अंत करीब है और 2024 के चुनाव में इंडिया गठबंधन सभी सीटों पर सफलता दर्ज करेगी। मालूम हो कि डा अखिलेश प्रसाद सिंह बिहार कांग्रेस के पहले ऐसे अध्यक्ष हैं जो विधान सभा के अलावा संसद के दोनों सदनों के सदस्य रहे हों। इस अवसर पर पार्टी के नेताओं ने डा सिंह की एवं उनके नेतृत्व में कांग्रेस की उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी एवं पार्टी में नई जगमगाह के लिए उनका धन्यवाद किया। बधाई देनेवाले नेताओं में शामिल हैं- डा शकील अहमद खान, कौकब कादरी, कृपानाथ पाठक, वीणा शाही, नरेन्द्र कुमार, आकाश प्रसाद सिंह, राजेश कुमार, प्रेम चन्द्र मिश्रा, अजय कुमार

अंत करीब है और 2024 के चुनाव में इंडिया गठबंधन सभी सीटों पर सफलता दर्ज करेगी। मालूम हो कि डा अखिलेश प्रसाद सिंह बिहार कांग्रेस के पहले ऐसे अध्यक्ष हैं जो विधान सभा के अलावा संसद के दोनों सदनों के सदस्य रहे हों। इस अवसर पर पार्टी के नेताओं ने डा सिंह की एवं उनके नेतृत्व में कांग्रेस की उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी एवं पार्टी में नई जगमगाह के लिए उनका धन्यवाद किया। बधाई देनेवाले नेताओं में शामिल हैं- डा शकील अहमद खान, कौकब कादरी, कृपानाथ पाठक, वीणा शाही, नरेन्द्र कुमार, आकाश प्रसाद सिंह, राजेश कुमार, प्रेम चन्द्र मिश्रा, अजय कुमार

मनोज झा एवं संजय यादव निर्विरोध रास सदस्य चुने गए, बधाई का तांता

पटना, प्रातः किरण संवाददाता

राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह के नेतृत्व में दोनों उम्मीदवार प्रो मनोज कुमार झा एवं संजय यादव के राज्यसभा सांसद के रूप में निर्विरोध चुने जाने पर राज्य कार्यालय में दोनों का स्वागत बुके और शॉल देकर पार्टी की ओर से किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह ने कहा कि लालू प्रसाद के विचारों को मजबूती के साथ आगे बढ़ाने में इन दोनों की महती भूमिका रही है। पटना से लेकर दिल्ली तक दोनों ने अपनी उपस्थिति भी दर्ज करायी है। अब दोनों राज्यसभा में अपने पार्टी के सभी सांसदों के साथ मिलकर सामाजिक न्याय और आर्थिक न्याय के साथ-साथ पार्टी के विचारों को आगे बढ़ावेंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव जयप्रकाश नारायण यादव, श्याम रजक, भोला

राजद कार्यालय में पार्टी नेताओं ने दी बधाई

यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ तनवीर हसन, प्रधान महासचिव रणविजय साहू, प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद, चित्तरंजन गगन, डॉ उर्मिला ठाकुर, मुख्यालय प्रभारी मुकुंद सिंह, प्रदेश महासचिव मो फैयाज आलम कमाल, मदन शर्मा, भाई अरुण कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। स्वागत समारोह में अपने संबोधन में राजद के राष्ट्रीय मुख्यालय प्रो मनोज कुमार झा ने कहा कि हमारा सम्मान

धानुक समाज मुख्यधारा से जुड़ कर राजनीतिक ताकत बनें : सम्राट

2024 के लोकसभा चुनाव में सभी 40 सीटें जीताने का ले संकल्प

पटना। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि धानुक समाज मुख्यधारा से जुड़ कर राजनीतिक ताकत बनें। श्री चौधरी मंगलवार को मिलर हाईस्कूल के मैदान में आयोजित धानुक अधिकार महारैली को सम्बोधित करते हुए उक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि धानुक समाज ने जो तीन मांगें उठाई हैं, उसे जरूर पूरा किया जाएगा। इन मांगों पर मुख्यमंत्री के साथ गंभीरतापूर्वक विचार किया जाएगा। शहीद रामफल मंडल अमर रहे के जयघोष के साथ उन्होंने कहा कि धानुक समाज से आने वाले स्वाधीनता सेनानी शहीद रामफल मंडल की भव्य मूर्ति स्थापित की जाएगी। राजद पर हमला करते हुए श्री चौधरी ने कहा कि भाजपा कोई एक परिवार की पार्टी नहीं है। कहा कि लालू-कुश और धानुक समाज के समर्थन से ही आज दिल्ली में नरेन्द्र मोदी की सरकार है और बिहार में एनडीए ने 40 में 39 सीटें जीतने में सफलता पाई थी। इस बार सभी 40 सीटों को जीत कर एक बार फिर से केन्द्र में नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है और 2025 में बिहार में भी एनडीए की सरकार बनानी है। भाजपा ही धानुक समाज को सम्मान के साथ अधिकार भी देगी। श्री चौधरी ने रैली के आयोजन के लिए बलराम मंडल का आभार व्यक्त करते हुए कि कहा कि धानुक भी लालू-कुश समाज का हिस्सा है। श्री चौधरी ने कहा कि रामफल मंडल ने कुल्हाड़ी से अंग्रेज सैनिकों का मुकाबला किया था।

सात निश्चय-2 के तहत युवाओं को रोजगार के बढ़ते अवसर थीम के लिए विजेता पुरस्कृत

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग अन्तर्गत बिहार संवाद समिति द्वारा जन भागीदारी फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित

- जन भागीदारी वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेता घोषित
- पहले थीम में रोहित राज को मिला 1 लाख रुपए का प्रथम पुरस्कार

पटना, प्रातः किरण संवाददाता

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग अन्तर्गत बिहार संवाद समिति द्वारा जन भागीदारी फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी प्रतियोगिता के लिए पहला थीम या सुशासन के कार्यक्रम (2020-25) के अन्तर्गत सात निश्चय-2 के तहत युवाओं को रोजगार के बढ़ते अवसर। इस थीम के लिए वीडियो प्रतियोगिता में कुल 124 एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता में कुल 97 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन प्रतिभागियों के वीडियो एवं फोटोग्राफ की गहन समीक्षा के उपरांत विशेषज्ञ दल द्वारा वीडियोग्राफी प्रतियोगिता के लिए रोहित राज को प्रथम, वैशाली के अमन कुमार द्वितीय एवं रोहतास के उज्वल सिंह को तृतीय



पुरस्कार के लिए चयनित किया गया, जबकि फोटोग्राफी प्रतियोगिता में अभिषेक कुमार आए प्रथम जबकि वैशाली के अंशु राज को द्वितीय एवं पूर्वी चम्पारण की ज्योति को तृतीय पुरस्कार मिला। वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी की गुणवत्ता के दृष्टिगत वीडियोग्राफी प्रतियोगिता के लिए 14 प्रतिभागियों को तथा फोटोग्राफी प्रतियोगिता के लिए मात्र एक प्रतिभागी को एक हजार रुपए का प्रेरणा पुरस्कार के लिए चयनित किया गया। दरअसल, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग अन्तर्गत बिहार

विशेषज्ञों के दल द्वारा की जाती है। तदुपरांत सर्वोत्कृष्ट वीडियो को 1 लाख रुपए का प्रथम पुरस्कार, 50 हजार रुपए का द्वितीय पुरस्कार तथा 25 हजार रुपए तृतीय पुरस्कार के रूप में दिया जाता है। साथ ही साथ 100 प्रतिभागियों को 1 हजार रुपए का प्रेरणा पुरस्कार का भी प्रावधान है। इसी तरह फोटोग्राफी प्रतियोगिता के लिए 25 हजार रुपए का प्रथम पुरस्कार, 10 हजार रुपए का द्वितीय पुरस्कार तथा 5 हजार रुपए तृतीय पुरस्कार के रूप में दिया जाता है। साथ ही साथ 100 प्रतिभागियों को 1 हजार रुपए का प्रेरणा पुरस्कार का भी प्रावधान है। इस सन्वाह प्रतिभागियों को प्रतियोगिता का थीम प्रगति के पथ के अन्तर्गत बिहार सरकार की ऊर्जा, सड़क, ग्रामीण सड़क, मुख्यमंत्री टोला सम्पर्क योजना, चर तपकवी नाली गलियां और पुल से संबंधित वीडियो बनाकर अथवा फोटो खींचकर जन भागीदारी के वेबसाइट पर लिंक भेजना है।

राजद के पांच नये प्रवक्ता मनोजीत

पटना। राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह द्वारा प्रदेश प्रवक्ताओं की सूची को विस्तारित करते हुए अन्य पांच प्रवक्ता मनोजीत किए गये हैं। उक्त जानकारी देते हुए राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह ने संगीता कुमारी (विधायक), मधु मंजरी, प्रशांत कुमार मंडल, अरुण कुमार यादव एवं प्रमोद कुमार सिन्हा को राजद का प्रदेश प्रवक्ता मनोजीत किया है।

रंगरा सामूहिक बलात्कार व हत्या कांड में बरती गई लापरवाही: कुणाल

पटना, प्रातः किरण संवाददाता

माले राज्य सचिव कुणाल ने कहा है कि भालपुर जिला के नवगछिया अनुमंडल के रंगरा में अतिपिछड़ी समुदाय से आने वाली 39 वर्षीय महिला के साथ सामूहिक बलात्कार व हत्या की बर्बर घटना में प्रशासन ने चोर लापरवाही बरती है। भाजपा द्वारा बिहार की सत्ता हड़पते ही सामंती दबंगों का मनोबल आसमान चढ़कर बोल रहा है। यदि प्रशासन ने समय रहते कदम उठाया होता, तो वहां लोगों का आक्रोश इस कदर नहीं भड़कता। हमारी पार्टी बर्बर करती है कि सभी अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी हो तथा मामले में चोर लापरवाही बरतने वाले पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। कहा कि 19 फरवरी को भालपुर के पार्टी जिला सचिव कॉमरेड विदेश्वरी मंडल के नेतृत्व में नवगछिया प्रखंड सचिव रामदेव सिंह, जेनीस के राज्य सहसचिव गौरीशंकर राय, ऐपवा की जिला सचिव रेणु देवी, कंचन देवी, मीना देवी सहित 7 सदस्यों की जांच टीम ने पटनास्थल का दौरा करके मृतक महिला के परिजनों एवं आस-पास के ग्रामीणों से मिलकर पूरे मामले की जानकारी ली।

BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, CENTRAL BUILDING DIVISION, PATNA
SHORT TIME QUOTATION INVITATION NO.- 181 YEAR 2023-24
(On the End of Budget Session in Bihar Vidhan Mandal, Patna)
(For Special Condition, Description and Quantity are available in Website - State.bihar.gov.in/prdbihar)

Quotation Invited From Registered Contractors/Reputed Firms/Companies for the Following Works on Dated 27.02.2024 at 12:30 PM in Sealed Envelope. The Place of Submitting Quotation Will be Office at Undersigned, Office of Superintending Engineer, S.B.C., B.C.D., Patna. Received Quotation will be Opened on Same Day at 3:00 PM in front of Quotator or Their Representatives. Price of Quotation (in Rs.) With Quotation Letter Rate of Quotation Paper Through ONLINE GOVERNMENT REVENUE AND ACCOUNTING SYSTEM (O-GRASS) in the Designation (Name of Executive Engineer, Central Building Division, Patna) Deposit Mandatory, Which After The Date of Publication of Quotation. Computerized O-Grass Receipt, Which is Before The Date of Quotation should be, is not Entertained. For Rs. 0 to 50,000 - Rs. 250, For Rs. 50,001 to 2,50,000 - Rs. 500, For Rs. 2,50,001 to 5,00,000 - Rs. 750, For Rs. 5,00,001 to 10,00,000 - Rs. 1,250, For Rs. 10,00,001 to 15,00,000 - Rs. 2,500, and Earnest Money 2% (2% of Original Quoted Rate) attached Mandatory with Quotation

Details of Works :- Making waterproof Pandal & Supply of Chair, Carpet, Table on Hire basis on the Eve of Diner Party Organised by Hon'ble Speaker of Bihar Vidhan Sabha for Hon'ble Minister & M.L.A. For End of Budget Session on Dated 29.02.2024 at Bihar Vidhan Sabha, Patna for the year 2023-24.

विशेष सूचना के लिए सूचनापत्र या वेबसाइट www.state.bihar.gov.in/prdbihar देखें या अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में सम्पर्क करें।
Executive Engineer,
Central Building Division, Patna
PR. NO. 017952 (BCD) 2023-24
For further details please visit : www.state.bihar.gov.in/prdbihar
नये से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से उरीय मंडल विद्युत अभियान, टी.आर.एस., पूर्व मध्य रेलवे, बरौनी सुयोग्य एवं अनुभवी प्रतिष्ठानों या ठेकेदारों से ई-निविदा के ई-निविदा सूचना नं. PBU_TBU_2023-24, 5 हेतु खुला ई-निविदा आमंत्रित करती है। विवरण निम्नलिखित है: 1. कार्य का नाम तथा स्थान: आरडीएसओ संशोधन शीट संस्था आरडीएसओ / 2009/ईएल/एमएस/0381 Rev'0 के अनुसार पारंपरिक प्रकार की ब्रेक सिग्नल व्यवस्था सभी मामलों में पूरी तरह से लोकोमोटिव में प्रदान करने के लिए डबल्यूजी-9/डबल्यूजी-9 एच इंटरफ़ेस/सिग्नल आधारित इंजनों के बोगी फ्रेम का रूपांतरण/संशोधन, 2. कार्य का अनुमानित लागत: 3,39,53,000.00 रु. (तीन करोड़ पचास लाख तिरपन हजार मात्र), 3. अग्रिम राशि: ₹ 3,19,800.00 (तीन लाख उन्नीस हजार आठ सौ रु मात्र), 4. निविदा शुरू होने की तिथि और समय: 12/05/2024, 11:00 Hrs., 5. वेबसाइट का विवरण जहाँ निविदा दस्तावेज उपलब्ध है: <https://www.ireps.gov.in> विस्तृत निविदा सूचना, पात्रता मानदंड और निविदा दस्तावेज उपरोक्त वेबसाइट से देखे जा सकते हैं। यदि आवश्यक हुआ तो सभी शुद्धिपत्र वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे।
उरीय मंडल विद्युत अभियान टी.आर.एस., पूर्व मध्य रेल, बरौनी पीआर/02342/ईबीसी/ईटीआरएस/टी/23-24/40



संक्षिप्त खबरें

एक सौ एक पुडिया स्मैक के साथ महिला गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। पुलिस को गस्ती के दौरान एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। एक महिला तस्क़र को सैकड़ों पुडिया स्मैक के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामला जिले के नगर थाना के सिकंदरपुर ओपी क्षेत्र अंतर्गत सिंकंदरपुर ओपी क्षेत्र अंतर्गत सिंकंदरपुर ओपी क्षेत्र के पास का है। पुलिस के गस्ती वाहन को देख एक महिला भागने लगी। भाग रही महिला पर पुलिस की गस्ती टीम को संदेह हुआ, जिसके बाद गस्ती टीम में शामिल महिला पुलिस कर्मि ने उसे जांच के लिए रोक लिया।महिला की जब तलाशी ली गई तो उसके पास से 101 पुडिया स्मैक बरामद हुआ। पुलिस ने महिला गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी तस्क़र महिला की पहचान सिंकंदरपुर ओपी थाना क्षेत्र के सीढ़ी घाट निवासी अमरनाथ महतो की पत्नी संजु कुमारी के रूप में हुई है। पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है।

घर से अचानक लगी आग की ,मयी अफरा-तफरी

बोचहा। गायघाट थाना क्षेत्र पछगाचिया गांव में मंगलवार की दोपहर घर में कोई नहीं था, उसी समय आग लग गई। आग की लपटों को उठते देख मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरु कर दिए गए। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत कर आग बुझाई। इस दौरान रोशी गांव निवासी रिंकू देवी ने बताया कि पछगाचिया गांव के संदल देवी ने अपनी ही घर में आग लगा ली, और फ़रार हो गई। घटना को लेकर बताया गया है कि पूर्व में हुई मारपीट में घायल रमई राय का इलाज के दौरान पटना में मौत हो गई, इस मामले में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। उक्त घटना में सामिल आरोपियों को बचाने के लिए महिला ने अपने ही घर में आग लगा ली। इस घटना के बाद गांव के लोगों में अफरा तफरी मच गई, आग की चोट में आकर गैस सिलेंडर फटने लगा।सिलेंडर फटने की आवाज सुनकर सीता राम राय की पत्नी बेहोश हो गई, आनन फानन में बेहोश महिला को इलाज के लिए हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। आग लगने से घर में रखा सामान जलकर राख हो गया।उक्त लाश से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है।मौके पर पहुंची बोचहा थाने की पुलिस और फायर ब्रिगेड के अधिकारियों के साथ मिल कर ग्रामीणों ने काफी प्रयास किया तब जाकर आग पर काबू पाया जा सका। वहीं इस घटना की सूचना गायघाट पुलिस को दी गई थी, इसके बावजूद स्थानीय पुलिस मौके पर नहीं पहुंची इससे ग्रामीणों में आक्रोश है।

पकाही चौर में मैजिक की खोली से 13 कार्टन शराब बरामद

विभूतिपुर, समस्तीपुर। स्थानीय पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के साखमोहन प्रयाचत के झुहड़ा पकाही चौर में एक मैजिक में खोली बनाकर रखे 13 कार्टन अंजे जी शराब बरामद की है। जिसकी कुल मात्रा 119.250 लिटर बरामद हुई है। पुलिस ने वाहन जप्त कर आगे की कार्रवाई शुरु कर दी है। यह जानकारी थानाध्यक्ष आनंद कुमार कश्यप ने दी है।

स्थानांतरित विद्युत कनीय अभियंता को दी गई विदाई

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प खंड के नरहम पावर हाउस कार्यालय में कार्यरत कनीय विद्युत अभियंता सिकंदर कुमार के स्थानांतरण के पश्चात आज विद्युत कर्मियों ने विदाई दी। विद्युत कर्मियों की ओर स्थानांतरित जेईई सिंकंदर कुमार को पुष्पमाला, चादर आदि देकर सम्मानित भी किया गया। मौके पर हेमंत कुमार, कमल राय, राजेश कुमार, ललित कुमार, राजकुमार, मुके श कुमार, राधेकुमार आदि थे।

इलेक्ट्रॉल बाउंड में चंदा का हिसाब जनता को दें भाजपा : बैद्यनाथ

भाकपा माले जिला कमिटी की बैठक विनोद मिश्र स्मृति भवन पंडसराय में एक दिवसीय 21 फरवरी को रखी गई है। इसमें इलेक्ट्रॉल बाउंड पर सुप्रीमकोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए जानकारी रखी जाएगी। एरसे निर्माण में लेट लतीफी पर भी चर्चा की जाएगी। लोकसभा चुनाव की तैयारी में पार्टी भूमिका को भी सदस्यों से सुनिश्चित करने के लिए शिक्षित प्रतिक्षित करने की योजना बनाई जाएगी।बंद मिला,रोजगार,बाढ़ सुखार, वास आवास,महंगाई,भरद छावार,रोकने,तनाव पैदा करने में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा एक्टरफा करवाई पर भी विचार विमर्श होगी और फैसले लिए जाएंगे।बिटक के मिथिलांचल प्रभारी सह पीएलिव्यु दो सदस्य धीरेन्द्र झा भी शामिल होंगे।

मुजफ्फरपुर में गरजे तेजस्वी यादव, कहा ,वंचितों को अधिकार दिलाने का संघर्ष जारी रखूंगा

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। विधानसभा में विरोधी दल के नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने आज मुजफ्फरपुर से अपनी जन विश्वास यात्रा की शुरुआत की। इस दौरान तुर्की के सकरी मैदान में आयोजित एक महती सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने सतराह जनता दल यूनाइटेड और भाजपा जम कर निशाना साधा। उन्होंने कहा ,जन विश्वास यात्रा का मतलब आप लोगों के अधिकार को वापस दिलाने के लिए जागरूक करना है। राजद के एम वाई समीकरण की बाबत तेजस्वी यादव ने कहा , राजद सिर्फ माई वाली ही नहीं, बाप (बीएएपी) वाली पार्टी है इसलिए विस्तार से मतलब बताते हुए उन्होंने कहा, बी से बहुजन, ए से अगड़ी, ए से आधी आबादी और पी से पुअर लोग यानि गरीब लोग।

तेजस्वी यादव तुर्की स्थित सकरी में आयोजित जन विश्वास यात्रा की अपनी पहले जनसभा को संबोधित करने रथ से पहुंचे थे। तेजस्वी यादव ने कहा कि उत्तर बिहार के मुजफ्फरपुर से मैं अपनी इस यात्रा की शुरुआत कर रहा हूँ और आप तमाम लोगों का

आशीर्वाद लेने आया हूँ। मैं अपने काम को पूरा करूंगा और वंचितों को उसके अधिकार को दिलाने का काम करूंगा। इस दौरान मैदान में हजारों लोग की भीड़ उमड़ पड़ी। यहां आने से पहले नेता विरोधी दल तेजस्वी यादव का स्वागत करने के लिए राजद के विधायक मुन्ना यादव राजद विधायक निरजन राय अमर पासवान इसराइल मंसुरी और एमएलसी कारी सुहैब मौजूद रहे। इस दौरान में जम कर उनका स्वागत किया गया।और लालटेन देकर सम्मानित किया गया।जन विश्वास यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि वे एक कुर्सी कुमार है और सत्ता के लिए कुछ भी कर सकते हैं। हम उनके हर काम में साथ- साथ चलने के लिए तैयार थे। लेकिन वे निकल गए। उन्होंने कहा ,बीजेपी के लोग तो आपके डीएएफ की रिपोर्ट की बात तक कह दिया था। तो फिर क्या उसका रिपोर्ट आ गया। बीजेपी वाले को यह बताना चाहिए कि समाज में मंच से तेजस्वी यादव ने भाजपा पर हमले बोलते हुए कहा कि आप देश में हिंदू और मुस्लिम भाई के बीच खाई बनाने का काम करते हैं।आपको अगर काम

ही करना है तो दलितों मुस्लिम और ईसाई के बीच में जाइए। आप लड़वाते क्यों हो।और मंच से उन्होंने अपने कर्त्तव्यताओ से कहा की एक एक व्यक्ति 5 लोगो को जोड़ने का काम करे। ताकि हम लोग और भी मजबूत हो सके।इस दौरान में पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा की आप सबकी तो गारंटी की बात को करते हैं और अब क्या सीएम नीतीश कुमार की गारंटी लीजिएगा क्या इस दौरान में उन्होंने कहा कि बीजेपी के लोग तो बड़े चालक निकले हैं और एक ही एटम में तीन तीन पद ले लिए। विधानसभा अध्यक्ष नेता विरोधी दल और डिप्टी सीएम भी बन गए।सीएम नीतीश कुमार हम लोगों के साथ मिलकर समाजवादी प्रतिरूप को समाज में उतरना चाहते थे लेकिन रास्ते से भटक गए।

बिहार में लाखों बेरोजगार लोगों को नौकरी देने के नाम पर जिस प्रकार से भाजपा राजनीति कर रही है क्या बिहार की जनता जान नहीं रही है की नौकरी किसने दिया और हम अगर इसका क्रेडिट लेते हैं तो लोगों के पेट में खुजली होती है।बीजेपी के लोग तो राम के नाम पर राजनीति करने वाले। हम नौकरी देने लगे तो राम मंदिर निर्माण में लग गए।

मोहनपुर रोड में हुआ मेडिकल मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का शुभारंभ

समस्तीपुर, प्रातः किरण संवाददाता

समस्तीपुर शहर के मोहनपुर रोड में मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप आधुनिकतम तकनीक व सुविधाओं से लैस उच्च गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा को समर्पित प्रतिष्ठान मेडिकाना हॉस्पिटल का विधानपूर्वक शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सबसे पहले जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पधार पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चारण व पुष्प वर्षा के बीच निदेशक द्वय चिकित्सक दंपति डॉ. राजीव कुमार मिश्रा एवं डॉ. कनुप्रिया मिश्रा ने फीता काट कर मेडिकाना परिसर में स्मृति शोष मशहूर चिकित्सक सह साहित्यकारा, डॉ. आरपी मिश्रा की तस्वीर और परिजन के साथ प्रवेश किया। वहीं मंत्रोच्चार के साथ दीप



प्रज्वलित कर हॉस्पिटल का विधिवत उद्घाटन किया। बाद में हॉस्पिटल की खासियत बताते हुए मेडिकाना मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के निदेशक सह मुख्य चिकित्सक डॉ. राजीव कुमार

मिश्रा एवं सुविख्यात स्त्री रोग सह ब्राइपरम रोग विशेषज्ञ डॉ. कनुप्रिया मिश्रा ने बताया कि महानगरीय शैली में विश्वस्तरीय आवास सुविधा के अलावा अहर्निच सेवा मह के सिद्धांत

उत्तर बिहार के जिलों में आज एवं कल हल्की बारिश एवं ओला वृष्टि की सम्भावना

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। उत्तर बिहार के जिलों में 21एवं 22 फरवरी को आसमान में गरज वाले बादल बनने और हल्की बारिश होने की सम्भावना है। कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है। यह जानकारी ग्रामीण कृषि मौसम सेवा डाक्टर राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा 21से 25फरवरी तक के लिए जारी मध्याह्न मौसम पूर्वानुमान में दी गई है। मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 25.6 एवं 11.1 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 94 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 53 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.5 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 2.1 मिंमी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.4 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 सेंमी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 13.2 एवं दोपहर में 29.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा। पूर्वानुमानित की अवधि अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। जबकि न्यूनतम 12 से 14 डिग्री सेल्सियस

के बीच रह सकती है।औसतन 5-6 कि॰मी॰ प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है। 22-23 फरवरी के आसपास पुरवा हवा भी चल सकती है।सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 60 से 70 प्रतिशत रहने की संभावना है। 22-23 फरवरी को वर्षा की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी गई है कि कृषि कार्यों में सतर्कता बरतें। खड़ी फसलों में सिंचाई स्थाित रखे। फसलों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें। इस अवधि के दौरान सरसों की तैयार फसलों को कटाई सावधानी पूर्वक करें।पशु चारा के लिए च्वार, मकई और बाजरे की बुआई करें। चारे की लगी हुई फसलें जैसे-जई, बरसीम एवं लुसुन की कटाई 25-30 दिनों के अन्तर पर करें। प्रत्येक कटनी के बाद खेतों में 10 किलोग्राम नैत्रजन प्रति हेक्टर की दर से उपरिविजन करें। भिंडी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। बुआई के समय उन्नत किस्में जैसे परमनी क्रान्ति, अर्का अभय, अर्का आनमिका, वर्षा उपहार, इमर 3एस0-312, ओंकारा 04, पंजाब-7, पंत मिडी-1, काशी प्रगति तथा संकर किस्में जैसे: भवानी, कृष्णा, काशी भैरव, काशी महिमा आदि उपयुक्त हैं।

भीषण सड़क हादसे में दो वृद्ध की दर्दनाक मौत तीन की हालत गंभीर, डीएमसीएच रेफर

समस्तीपुर, प्रातः किरण संवाददाता

समस्तीपुर जिले के बंगरा एनएच थाना क्षेत्र के मुर्गियाचक चौराहे पर मंगलवार को अहले सुबह में भीषण सड़क हादसे में दो बुजुर्गों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जख्मी एवं मृतक सभी वैशाली जिला के बालिगांव थाना क्षेत्र के चिकनौटा गांव के बनेए गए हैं। इसमें गंभीर रूप से जख्मी वैशाली जिला के बलीगांव थाना क्षेत्र के चिकनौटा के देवेन्द्र शाह, सुरेंद्र महतो एवं शम्भू साह बताए गए हैं। वहीं मृतक में भी दोनों वैशाली जिला के चिकनौटा के राम वरुण साह एवं प्रदीप साह हैं। बताया जाता है कि उक्त सभी लोग चिकनौटा से आंटी से ताजपुर थाना क्षेत्र के ओर मोतीपुर सब्जी मंडी जा रहे थे। इसी दौरान ताजपुर मुर्गियाचक के पास स्काॅपियों से आंटी की आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई। जिसमें दो लोगों की मौत हो गई व तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। सभी जख्मी को सदर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। जहां सभी घायलों की स्थिति गंभीर देखते हुये डॉक्टर ने डीएमसीएच दरभंगा रेफर कर दिया है। बताया जाता है कि हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी को स्थानीय ताजपुर रेफरल अस्पताल में पहुंचाया गया, जहां दो को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया गया। जबकि तीन को गंभीर हालत में सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। जहां से डॉक्टरों ने तीनों घायलों की स्थिति को गंभीर देखते हुये दरभंगा रेफर कर दिया। बंगरा थानाध्यक्ष मनीषा गुप्ता ने बताया कि विपरीत दिशा से आ रही एक बेकाबू स्काॅपियों ने ताजपुर जा रहा ट्रेम्पो में सामने से जोरदार टक्कर मार दिया। जिसमें दो की मौत घटनास्थल पर हो गया एवं तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। वहीं दोनों मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। वहीं पुलिस ने स्काॅपियों को जब्त कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

डुमरैट में पंचायत भवन नहीं बनने पर ग्रामीणों में आक्रोश



प्रातः किरण संवाददाता

कैमूर - भुपूआ प्रखंड के ग्राम पंचायत डुमरैट में पंचायत भवन निर्माण को लेकर सैकड़ों ग्रामीणों ने हंगामा किया। ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने बताया कि डुमरैट गांव में प्रयात मात्रा में भूमि उपलब्ध होने के बावजूद भी दूसरे गांव के सिवाना में बनाया जा रहा है। जिसमें पंचायत भवन पर जाने में भारी पैमाने पर ग्रामीणों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। जिला पार्षद कैमूर विकास सिंह ने सभी ग्रामीणों को समझा बुझाकर मामला को रफा दफा किया। जिला परिषद विकास आयुक्त कैमूर से दूरभाष पर बात करके ग्रामीणों को विस्तार पूर्वक समझाया। ग्रामीणों का कहना है कि जिला प्रशासन से समस्या का निजात नहीं होता है तो धरना प्रदर्शन के अलावा हिंसा कोर्ट जाने के लिए मजबूर होंगे।

दरभंगा एनआईसी में तकनीकी प्रबंधक,सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं लेखापाल अन्वर्थी को दिया गया नियुक्ति पत्र

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा प्रभारी जिलाधिकारी-सह-नगर आयुक्त दरभंगा कुमार गौरव,जिला कृषि पदाधिकारी-सह-परियोजना निदेशक आत्मा विपिन बिहारी सिन्हा के कर कर्मलों से नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण आत्मा योजना अंतर्गत सिवादा आधारित प्रखंड तकनीकी प्रबंधक के 13 अन्वर्थी,सहायक तकनीकी प्रबंधक के 17 अन्वर्थी एवं लेखापाल के चार अन्वर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर डीएम एसएफसी मंजय कुमार, जिला मत्स्य पदाधिकारी अनुपम कुमार, सहायक निदेशक उद्यान नीरज कुमार झा,उप परियोजना निदेशक आत्मा अम्बा कुमारी उपस्थित थे।

प्रभारियों को प्रखंड अध्यक्ष के साथ मिलकर बूथों पर 7 सदस्यी कमेटी बनाने का दिया निर्देश



समस्तीपुर, प्रातः किरण संवाददाता

लोहिया आश्रम में मंगलवार को जिला जनता दल यूनाइटेड के प्रखंड प्रभारी सीक बैटक जिला अध्यक्ष डॉ. दुर्गेश राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में मोरवा के पूर्व विधायक माननीय विद्यासागर निषाद भी शामिल थे। प्रदेश पार्टी के निदेशानुसार जिला अध्यक्ष डॉ. दुर्गेश राय ने सभी प्रभारी से प्रखंडों में जाकर प्रखंड अध्यक्ष के साथ मिलकर सभी मतदात केंद्रों पर 7 सदस्यी बूथ कमेटी बनाने का निर्देश दिया। हर हाल में आगामी 25 फरवरी तक सभी प्रभारी बूथ कमेटी की सूची जिला कार्यालय में जमा करेंगे। प्रखंड प्रभारी के रूप में सुबोध कुमार सिंह वारिसनगर, बनारसी ठाकुर समस्तीपुर, अनस रिजवान ताजपुर प्रखंड व नगर परिषद विरेन्द्र सिंह मोरवा, मनीष कुमार सरायरंजन, अब्दुल समद खान खानपुर, विनोबा राम शिवाजीनगर, मुकेश कुमार पुसा, अपरजो अहमद पप्पू कल्याणपुर, ललितेश्वर राय सिंधिया, प्रवीण कुमार हसनपुर, विजय यादव बिथान, रामबाहदुर सिंह रोसड़ा, धर्मेद सिंह कुशवाहा विभूतिपुर, अजय राय उजियारपुर, कृष्णदेव पासवान दलसिंहसराय, विद्याकर झा विद्यापति नगर, शंभू प्रसाद सिंह मोहीउद्दीन नगर, अनिल सिंह (सिसरा) मोहनपुर, इजहार अशरफ पटोरी, मनोज सवाल ताजपुर, दिनेश राय दलसिंहसराय नगर परिषद, रंधीर कुमार राय रोसड़ा, रामकुमार झा पटोरी में नियुक्त किए गए।

पूर्व मुखिया सुरेन्द्र सिंह एवं सत्यनारायण सिंह के प्रथम पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

विभूतिपुर, प्रातः किरण संवाददाता

पूर्व मुखिया सुरेन्द्र प्रसाद सिंह और उनके सहयोगी सत्यनारायण सिंह की प्रथम पुण्यतिथि विरहस्थिा स्थित दिवंगत मुखिया के आवास पर मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिवंगत पूर्व मुखिया सुरेन्द्र प्रसाद सिंह की पत्नी सखी सिंधिया बुजुर्ग दक्षिण को मुखिया ममता देवी ने करते हुए एवं प्रथम दोनों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद पूर्व मुखिया के पुत्र सुमित कुमार, पुत्री निधि कुमारी सहित श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित सभी लोगों ने श्राद्धी सभा से दोनों दिवंगत के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। ब्राह्मजालि सभा को संबोधन सरपंचों के अध्यक्ष अरविन्द कुमार कर रहे थे। सभा को निवर्तमान प्रखंड प्रमुख रुपांजली कुमारी, विभूतिपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी चन्द्रमोहन पासवान, दिवंगत पूर्व मुखिया के भाई रंजीत प्रसाद, प्रखंड पंचायतीकरण पदाधिकारी चंदन कुमार, प्रखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष रंजीत कुमार महतो, मुखिया चंद्रमणि प्रसाद सिंह, भोला शंकर दास, विभा कुमारी, पूर्व पंचस गिरीश नन्दन प्रसाद सिंह, गंगा प्रसाद, भासा सिंह, अरविन्द कुमार कुशवाहा, विनोद सिंह, जगदीश कुमार जग्गा, रीतन सिंह, मदन प्रसाद आदि

सदर अस्पताल के प्रसव कक्ष को लेकर स्वास्थ्य कर्मियों का हुआ क्षमतावर्धन

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी के सदर अस्पताल के लक्ष्य प्रमाणिकरण को लेकर फिर से कवायद शुरू कर दी गई है। इसको लेकर सदर अस्पताल के प्रसव कक्ष में जीएनएम का क्षमता वर्धन किया गया। साथ ही उपलब्ध सुविधाओं में गैप असेसमेंट को लेकर कर्मियों के साथ विचार विमर्श किया गया। पूर्व में भी प्रसव कक्ष से संबंधित चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी सफाई कर्मी, ममता, सुरक्षा गार्ड को भी वक्तोवक्त के दौरान प्रशिक्षित किया गया है। प्रशिक्षण पिरामल के मुदित पाठक एवं रितिका सिंह, नीता मरांडी एवं स्वर्णाभा बयाल के द्वारा दिया गया है। विदित हो कि इससे पूर्व भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं कल्याण मंत्रालय ने वर्ष 2021 में सदर अस्पताल के प्रसव कक्ष को लक्ष्य सर्टिफाइड कर दिया गया था। अब फिर से इस वर्ष 2024 मे भी सदर अस्पताल के प्रसव कक्ष एवं ओटी (ऑपरेशन थिएटर) को लक्ष्य सर्टिफिकेशन के लिए कवायत शुरू कर दी गई है। अस्पताल को लक्ष्य



असेसमेंट के सभी 5 मापदंडों को पूरा करना होगा। तभी सर्टिफिकेशन प्राप्त होगा। इसके बाद अस्पताल को पुरस्कार स्वरूप 3 लाख रुपए व प्रशस्ति पत्र मिलेगा.इसके साथ ही मौजूद नर्सों व डॉक्टरों से दी जा रही सेवाओं व चिकित्सीय उपकरणों के रखरखाव, इस्तेमाल के तरीके व मरीजों से संबंधित जानकारीयों की रजिस्टर में इंट्री आदि तमाम बिंदुओं पर तब होते हैं। पुरस्कार अस्पताल की आधारभूत संरचना साफ-सफाई एवं स्वच्छता जैविक कचरा निस्कारण संक्रमण प्रणाली स्वच्छता एवं साफ सफाई की स्थिति।

शिव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकाली गई कलश शोभायात्रा



समस्तीपुर, प्रातः किरण संवाददाता

समस्तीपुर जिले हसनपुर प्रखंड के सरहचिया शिव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा एवं महा अष्टयाम को लेकर तीन दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिन में झांकी के कलाकार के रूप में श्रीराम बने विवेक, सीता बनी अर्चिता, लक्ष्मण बने पप्पू एवं हनुमान रूप में आनंद कुमार के साथ गांव समाज के 191 कन्या, बहु एवं प्रोढ़ महिलाओं द्वारा कलश शोभायात्रा पूरे मंगलगढ़ का परिकर्मा करते हुए मंदिर परिसर पहुंच कलश स्थापित किया गया। वहीं दूसरे दिन मंगलश्रावण को मंदिर में शिव प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को विदेह पंडित आचार्य सुरेन्द्र झाजी एवं उन्नत पांच अन्य पंडित वेदमंत्रोच्रण कर मुख्य यजमान जोगेंद्र सहनी युगल जोड़ी पत्नी सोना देवी के साथ बाबा भोलेनाथ की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम

है। जबकि आज ही अपराह्न दो बजे से महा अष्टयाम यज्ञ महामंत्र सीताराम राधेश्याम गौरी शंकर जग हनुमान का गायन कर अहरनीश आठो पहर किया जाना है। इस अवसर पर समस्त समाज सरहचिया मंगलगढ़ के ग्रामीण की सक्रियता के संग संचालक शंकर कुमार सहनी अध्यक्ष, राजेंद्र सहनी सचिव के साथ मुख्य अर्थित जिला पार्षद सतिंद्र पासवान, सिंकंदर आलम, मुन्ना रजक, मुखिया पति हरिशंकर यादव, राम सेवक पासवान प्रकाश पलटन सहनी सक्रिय एवं अहम भूमिका निभा रहे है। तीन दिवसीय कार्यक्रम के तीसरे दिन गुरु बाबा को दो बजे कलश विसर्जन कर यज्ञ पूर्ण हो जायेगा। स्थानीय थाना पुलिस सदबलबले दोनों द्वारा पूरी मुलेती के साथ गयी करती दिखी। जिससे यज्ञ शांतिपूर्ण वातावरण एवं भक्तिमय हो पूर्ण होते हुए यहाँ के समाज का कल्याणकारक होंगे।



सीमांचल

संक्षिप्त खबरें

75 लीटर देसी शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

पतरघट/सहरसा। पतरघट ओपी पुलिस लागातार वाहन जांच के क्रम में अपनी सफलता हासिल करती हुई दिख रही है। प्राप्त जानकारी अनुसार वाहन जांच के क्रम में किशनपुर पंचायत के सुरमहा तीनामोहन जी पास से एक मोटरसाइकल पर सवार दो व्यक्ति शराब का खेप लागा रहे थे उसी दौरान बाइक पर लदे 75 लीटर देसी शराब के साथ पुलिस ने धर दबाया ,बाइक पर सवार दो कारोबारी में से एक ने पुलिस को चकमा देकर भागने में सफल रहा, धराए गये युवक की पहचान पतरघट निवासी राजीव कुमार पिता बबलू राम के रूप में हुई है। इस बावत ओपी अध्यक्ष अजय कुमार पासवान ने बताया की धराए गये युवक के उपर मद्यनिष्ठ अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए न्यायिक हिरासत मे भेज दी गई है।

ओवर लोड हाइवा ट्रक कि टोकर से एक 45 वर्षीय महिला की मौत

सोनवाण राज/सहरसा। प्रखंड क्षेत्र के बसनही थाना क्षेत्र के महुआ बाजार मलौधा मुख्य मार्ग पर खिलाहा चौक के समीप मंगलवार की सुबह एक ओवर लोड हाइवा ट्रक कि टोकर से एक 45 वर्षीय नीलम देवी की मौत हो गई। जबकि घटना के बाद चालक गाडी छोडकर फरार हो गया।जबकि खिलासी को पुलिस गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद जहाँ परिजनों में कोहराम मग गया वहीं स्थानीय लोगों में वाहन चालक के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है। घटना की सूचना मिलते ही बसनही थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर शव व वाहन को कब्जे में लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सहरसा भेज दिया गया।घटना के बाबत परिजनों ने बताया कि महुआ उत्तर वाडी पंचायत अन्तर्गत वार्ड नंबर 7 खिलाहा निवासी मकखन मंडल की पत्नी नीलम देवी अपने बडी बहन डोमोनी देवी को डाक्टर से दिखाने के लिए महुआ बाजार पेदल जा रही थी कि घर से कुछ ही दूरी पर खिलाहा चौक के समीप विपरीत दिशा से आ रही ओवर लोड अनियंत्रित हाइवा डब्लू बी 57 डी 6102 नंबर की वाहन चालक ने महिला को जोरदार टक्कर मार दिया।जिससे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई।टक्कर से हुई मौत के बाद चालक गाडी छोडकर फरार हो गया।

जन सुराज पदयात्रा कार्यक्रम के तहत मधेपुरा पहुंचे प्रशांत किशोर ने मीडिया से किया जनसंवाद

प्रातः किरण, संवाददाता रंजीत कुमार

जन सुराज पदयात्रा को लेकर मधेपुरा पहुंचे प्रशांत किशोर की कारवां। जहां आज जिला मुख्यालय के कृष्ण गौशाला मंदिर परिसर में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान पत्रकारों को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में प्रमुख रूप से बेरोजगारी पलायन और शिक्षा की लचर व्यवस्था की समस्या प्रमुख है इसके सुधार और राजनीति रूप से बिहार को जनता बंधुआ हो चुके विभिन्न पार्टियों की चंगुल से छुड़ाने के लिए बीते 2 अक्टूबर 2022 को चंपारण की धरती से यह पदयात्रा शुरू की गई और यात्रा के दौरान करीब 18 महीने तक 5000 से अधिक पंचायत और गांव का भ्रमण कर लोगों की समस्याओं को हमने सुना आने वाले 10 वर्षों में जन स्वराज के द्वारा रोड मैप तैयार किया गया है कैसे इन सभी समस्याओं से बिहार



की जनता को निजात मिलेगी, इसी दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के साथ कांग्रेस और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी जमकर निशाना साधा उन्होंने कहा कि लोकलॉर्म में सबको अपनी बात रखने का अधिकार है आज राहुल गांधी अपनी पार्टी को वोट दिलाने के लिए यात्रा कर रहे हैं और कल तक बिहार के उपमुख्यमंत्री

रहे तेजस्वी यादव को जब नीतीश कुमार ने झटका दे दिया तब आज उन्हें जनता की याद आई है लेकिन हमारी जो पदयात्रा है वह पदयात्रा बिल्कुल अलग है क्योंकि हम किसी से वोट नहीं मांगते हैं हम लोगों को अपनी बात रखने का प्रयास कर रहे हैं कि आज तक आपने दूसरों के लिए वोट दिया है लेकिन जिस दिन आप अपने लिए अपने बाल बच्चों के लिए

वोट डालना शुरू कर देंगे निश्चित रूप से ही बिहार का और आपका कल्याण होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को खुली चुनौती देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी वर्तमान में मुख्यमंत्री हैं अगर उनमें है हिम्मत तो बिना लो लश्कर बिना सुरक्षा के एक भी पंचायत पैदल चलकर दिखा दें एक भी गांव घूम कर दिखा दें मजाल नहीं है कि वह एक

शादी समारोह में मारपीट के दौरान एक 30 वर्षीय युवक की मौत



प्रातः किरण, संवाददाता

पतरघट/सहरसा। जिला के थाना सौर बाजार ओपी पतरघट क्षेत्र में स्थानीय पंचायत जम्हरा भद्दी वार्ड संख्या 16 में सोम वार की रात आई बरात में उत्पन्न विवाद में लरकी पक्ष के रिसेसन के लोगों ने सादी समारोह में भाग लेने आए थे लेकिन कुछ कहासुनी इस तरह से हुआ की दो गुट में मारपीट हो गई जिसमें एक पक्षी के करियत निवासी अमरेश सादा का मौत हो गयी। वहीं दूसरा पक्षी के सिकन्दर सादा साकिम टेकनाम जिन्होंने

अपने चचेरे बहने को डंडे से प्रहार कर मौत का याद उतार दिया। वहीं मौत के बाद उन्होंने घटना स्थल से भागने की कोशिश किया लेकिन लड़की पक्ष और स्थानीय ग्रामीण के द्वारा उसे भद्दीकला नहर पर पकर लिया गया और उसे समय पतरघट पुलिस को सूचना दिया गया त्वरित कार्रवाई करते पुआंन नीरज कुमार व अन्य पुलिस जवान के साथ पहचंकर जानकारी लेते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया। मृतक अमरेश सादा का पत्नी ने बताया की अमरेश सादा पिता लक्ष्मी सादा को आन फानन में प्राथमिक उपचार के लिए

पीएचसी पतरघट में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद मौके पर ही मृत्यु हो गया।वही मौके पर पीएचसी में मौजूद डा. लोकेश प्रशांत ने कहा कि इनके सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से इसकी मृत्यु घोषित हो गया। वहीं पुलिस ने काजगजी प्रक्रिया पूरा करते हुए शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सहरसा सदर भेज दिया है। घटना के बाद बरात एवं सराती में भगदर मच गया। लोगों भरा काटकर पंडाल खाली हो गया। हालाकी सौभाग्य ये रहा की सादी का सभी कार्य पूर्ण हो गया था। लड़की वाला ने बताया कि रात लगभग 11 बजे माली सुमना से बरात आई, उनका हमारे सभी ग्रामीण ने भय स्वगत किया शांतिपूर्ण माहौल मे जाय माला का कार्यक्रम किया गया, लेकिन कहां से विवाद हुआ, इससे वे अनभिज्ञ हैं। घर में उपवास पर थे और कन्यादान की तैयारी में लगे थे। इसी क्रम में यह घटना घटी।

नये नाम राष्ट्रीय लोक मोर्चा होने के बाद कार्यकर्ताओं में खुशी

प्रातः किरण, संवाददाता

सहरसा। नये नाम ह्युराष्ट्रीय लोक मोर्चा होने की खुशी में राष्ट्रीय लोक मोर्चा - के जिला अध्यक्ष अर्चना आनन्द के आवास केशव भवन गंगजला सहरसा पर पार्टी के जिला अध्यक्ष अर्चना आनन्द के अध्यक्षता में केक काटकर पार्टी का प्रथम स्थापना दिवस मनाया गया। राष्ट्रीय लोक जनता दल से निर्वाचन आयोग के द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व केन्द्रीय मंत्री माननीय उषेंद्र कुशवाहा जी से राष्ट्रीय लोक जनता दल का नाम अन्य पार्टी से मिलता जुलता होने के कारण पांच अन्य नाम देने की बात कही गई जिसके तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के द्वारा पांच नामों की सूची निर्वाचन आयोग को दी गई,जिसमें पार्टी का नाम राष्ट्रीय लोक मोर्चा पर सहमति बनी, जिसका चुनाव आयोग द्वारा मान्यता प्रदान कर दिया गया है, इस खुशी में पार्टी के सभी नेता, कार्यकर्ता, पदाधिकारी ने पार्टी के प्रथम स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर केक काटकर खुशी का इजहार किया, इससे सभी कार्यकर्ता में काफी हर्षो उल्लास का माहौल दिखा। मौके पर प्रदेश महासचिव शिवेन्द्र कुमार जीशू, प्रदेश महासचिव चंदन बागची, गोवर सिंह, गोपाल तिवारी, दिनेश कुशवाहा, राजेश यादव, शंभू कुशवाहा, अनुज सिंह, रामप्रवेश शर्मा, संजय तिवारी, अमरजित सिंह नरेश यादव,पवन झा, बादल सिंह प्रमोद साह मुख्यरूप से मौजूद थे।

संविधान मैथिली अनुवाद कार्यशाला का समापन आज

●कुलपति के संबोधन से कार्यशाला का होगा समापन

प्रातः किरण, संवाददाता

सहरसा। भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय मधेपुरा की संबंध इकाई ईस्ट एंड वेस्ट टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज पट्टवाहा में विगत नौ फरवरी से आयोजित भारतीय भाषा संस्थान मैसूर शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय अनुवाद मिशन द्वारा भारतीय संविधान मैथिली अनुवाद हेतु दस दिवसीय कार्यशाला का बुधवार को समापन होगा। इस बाबत कार्यशाला के कोडिनेटर सह विशेषज्ञ डॉ राजनी रंजन ने बताया की भारतीय भाषा संस्थान मैसूर एवं राष्ट्रीय अनुवाद मिशन के तत्वावधान में 9 फरवरी से 21 फरवरी तक आयोजित दस दिवसीय कार्यशाला के समापन समारोह के अवसर पर भुपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय मधेपुरा के कुलपति प्रो डॉ विलेन्द्रू शोक्ता झा की उपस्थिति व संबोधन के साथ दस दिवसीय कार्यशाला का



समापन होगा. साथ ही इस अवसर पर भुपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मीहिर ठाकुर छात्र कल्याण अध्यक्ष डॉ नवीन कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि ईस्ट एन वेस्ट टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के बहुउद्देशीय सभागार में समारोह मुख्य भाषा अशोक कुमार सिंह समापन होगा। कहा समापन समारोह के अवसर पर मैथिली साहित्य व भाषा से जुड़े कई विशेषज्ञ व विद्वान इस मौके पर उपस्थित रहेंगे. राष्ट्रीय अनुवाद मिशन मैसूर के बरीय रिसोर्सर्स पर्सन डॉ शंभु कुमार सिंह ने बताया की भारतीय भाषा संस्थान मैसूर के निदेशक डॉ शैलेन्द्र मोहन

व परियोजना पदाधिकारी डॉ तारिक खान ने निदेशानुसार इस दस दिवसीय विशेष कार्यशाला में रिसोर्सर्स पर्सन एम एलटी कॉलेज अंग्रेजी विभाग के डॉ शशि कुमार मिश्रा डॉ सतीश दास पीजी सेंटर मधेपुरा मैथिली विभाग के डॉ नरेन्द्र नाथ झा प्रो अशोक कुमार सिंह मैथिली विभाग एम एलटी कॉलेज डॉ बलवीर कुमार झा अंग्रेजी विभाग एस एन एस कॉलेज के डॉ संजय कुमार चौधरी के अलावे अधिवक्ता आदित्य ठाकुर ने रिसोर्सर्स पर्सन के रूप में दस दस दिवसीय कार्यशाला में मैथिली भाषा में संविधान के निर्माण में अपनी अपनी महती भूमिका का निर्वहन किया।

पहले स्वयं दवा सेवन की अब आमजनों को जागरूक कर रहीं: फाइलेरिया पीड़ित अंजुम आरा

प्रातः किरण, संवाददाता

सहरसा। जिले की सहरसा बस्ती निवासी अंजुम आरा पिछले कई वर्षों से फाइलेरिया यानि हाथी पांव रोग से ग्रसित हैं। सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम के दौरान जब उनके घर टीम पहुंची। तो अंजुम स्वयं टीम के सामने दवा सेवन की। अब वह दूसरे लोगों से फाइलेरिया बीमारी से बचाव के लिए दवा सेवन करने की अपील कर रही हैं। उन्होंने बताया फाइलेरिया संक्रमण शुरूआती दिनों में पता नहीं चल पाता है। इसके लक्षण फाइलेरिया संक्रमित हो जाने के 5 से 15 सालों के बाद कभी भी दिखाई पड़ सकते हैं। ऐसे में फाइलेरिया से बचने के लिए सरकार द्वारा चलाये जा रहे मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के दौरान जब भी से काफी परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है। फाइलेरिया मच्छरों के काटने से होने वाली बीमारी है। फाइलेरिया के परजीवी मच्छरों के काटने से हमारे शरीर में आते हैं, जहां वे हमारे शरीर को प्रभावित करते हैं। फाइलेरिया से बचाव ही इसका एक



मात्र सामाधान है। इसके लिए जरूरी है कि जब भी सरकार द्वारा सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम संचालित किया जाये, उसमें हिस्सा लेकर दवा का सेवन अवश्य करें। उन्होंने बताया दवा सेवन कराने आये कर्मी पूर्ण रूप से प्रशिक्षित हैं, उनके द्वारा आपको आपकी आयु की हिसाब से दवा सेवन करायी जायेगी। उचित व्यवहार एवं साफ-सफाई भी जरूरी अंजुम आरा लोगों को फाइलेरिया से बचने की सलाह देते हुए कहा इससे बचने के दवा सेवन करना तो जरूरी है ही साथ ही मच्छरों से बचने के लिए लोगों को अपने घरों के आस-पास साफ-सफाई रखने के लिए भी कहा। उन्होंने बताया मच्छरों के काटने से होने वाली इस

बीमारी से बचने के लिए मच्छरों के काटने से बचें। इसके लिए सतते समय मच्छरदानी का उपयोग करें, मच्छरों से बचने के लिए शरीर ढकने वाले मौसम अनुरूप कपड़े पहनायें, घरों के आस-पास गंदगी एवं गंदा पानी इकट्ठु न होने दें। यदि पानी इकट्ठु होते हैं तो इनके कारणों को नष्ट करें, नाकिक गंदा पानी इकट्ठु न होने पाये। भ्रातियों से रहें दूर- फाइलेरिया ग्रसित अंजुम आरा को दवा सेवन कराने गयी टीम के साथ पीसीआई के जिला प्रोग्राम पदाधिकारी चंदन कुमार ने फाइलेरिया रोधी दवा सेवन संबंधित भ्रातियों को दूर करके हुए लोगों को बताया सर्वजन दवा सेवन के दौरान लोगों को खिलाई जा रही दवा कई प्रकार के परीक्षणों से पास एवं गुणवत्तापूर्ण हैं। यदि इनके सेवन करने के बाद थोड़ी परेशानी या असहज महसूस होता है, तो परेशानी होने की आवश्यकता नहीं है। यह असहजता या परेशानी उनके शरीर में पल रहे माइक्रो फाइलेरिया के कारण की हो सकता है। इससे घबराने की आवश्यकता नहीं है, कुछ ही देर बाद यह लक्षण समाप्त हो जायेंगे।

नये नाम राष्ट्रीय लोक मोर्चा होने की खुशी के केक काटकर मनाया प्रथम स्थापना दिवस



प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा नये नाम राष्ट्रीय लोक मोर्चा होने की खुशी में युवा राष्ट्रीय लोक मोर्चा- के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो.अभिषेक कुशवाहा के आवास में केक काटकर पार्टी के अध्यक्षता में केक काटकर पार्टी का प्रथम स्थापना दिवस मनाया गया। राष्ट्रीय लोक जनता दल से निर्वाचन आयोग के द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व केन्द्रीय मंत्री माननीय उषेंद्र कुशवाहा जी से राष्ट्रीय लोक जनता दल का नाम अन्य पार्टी से मिलता जुलता होने के कारण पांच अन्य नाम देने की बात कही गई। पांच नामों की सूची निर्वाचन आयोग को दी गई। जिसमें पार्टी का नाम राष्ट्रीय लोक मोर्चा पर सहमति बनी। जिसका चुनाव आयोग द्वारा मान्यता

श्रद्धांजलि समा का आयोजन



प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय, लालुनगर, मधेपुरा के ग्यारहवें कुलपति प्रो. (डॉ.) अमरनाथ सिन्हा की आत्मा की शांति हेतु मंगलवार को अपराह्न 3 बजे से कुलपति प्रो. बी. एस. झा की अध्यक्षता में कुलपति कार्यालय के सामने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. मिहिर कुमार ठाकुर ने विश्वविद्यालय की ओर से एक शोक-संदेश पढ़ा। उन्होंने बताया कि प्रो. सिन्हा का 18 फरवरी, 2024 (रविवार) को मुंबई में निधन हो गया। वे 87 वर्ष के थे और पिछले कुछ महीनों से अस्वस्थ चल रहे थे। एकमात्र पुत्र शिशिर रंजन सहित भ्रातृपरिवार और हजारों प्रशंसक छेड़ गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रो. अमरनाथ 02 अगस्त, 2001 से 01 अगस्त, 2004 तक बीएनएमयू के कुलपति रहे। उन्होंने

विश्वविद्यालय को यूजीसी से 2 (एफ) एवं 12 (बी) से मान्यता दिलाने में महती भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि प्रो. अमरनाथ के निधन से हमने

एक विद्वान प्राध्यापक, कर्मठ प्रशासक और शिक्षर समालोचक को खो दिया है। यह न केवल हमारे विश्वविद्यालय के लिए, वरन्-संपूर्ण प्रदेश एवं राष्ट्र को एक अपूर्णीय क्षति हुई है। वे आज शशरीर हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार एवं कार्य हमारे चिन्तन प्रेरणा देते रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में सबों ने दो मिनट का मौन रखकर प्रो. सिन्हा की आत्मा की शांति हेतु शिर्ष से विश्वविद्यालय का शोक-संदेश भेजा जाएगा। इस अवसर पर डीएसडब्ल्यू प्रो. नवीन कुमार, कुलनायक डॉ. बी. एन. विवेका, प्रो. उषा सिन्हा, डॉ. राणा सुनील सिंह, सहित कई शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

मानव दिवस के सृजन को लेकर निर्धारित लक्ष्य को करें पूरा

मधेपुरा : मनरं गा, जल जीवन हरियाली, जल संसाधन, लोहिया स्वच्छ अभियान, हर खेत तक सिंचाई का पानी योजना की सर्वसात्वक बैठक मंगलवार को उप विकास आयुक्त अवधेश कुमार आनंद की अध्यक्षता में झल्लू बाबू सभागार में हुई। बैठक में मनरं गा से मानव दिवस जन को लेकर समीक्षा की गई। जिले में मनरं गा से इस वर्ष 43 लाख के विरूद्ध मधेपुरा में 35 लाख मानव दिवस सृजन किया गया है। इस-पर डीडीसी द्वारा 31 मार्च

मनरंगा, शिक्षा विभाग से कुल 1361 मीटर स्कूल चाहरदीवारी निर्माण का लक्ष्य प्राप्त है। लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। वित्तीय वर्ष 2020-21 एवं उससे पूर्व की 99787 योजनाओं में से 93345 योजनाओं को पूर्ण करा लिया गया है जो कि 93.54 प्रतिशत है, शेष बचे 6442 योजनाओं को मार्च से पहले पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। बैठक में लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों का समीक्षा किया गया। समीक्षा के क्रम में डीडीसी ने निर्देश दिया कि जिन-जिन पंचायत में डब्ल्यूपीयू का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है वहां अक्सर कार्य प्रारंभ किया जाए। साथ ही सभी निर्माणार्थीन डब्ल्यू को यथाशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिया गया। बैठक में बताया कि विभिन्न प्रखंडों में 64 आंगनवाडी केंद्रों का निर्माण कार्य चल रहा है। इसपर डीडीसी द्वारा मार्च तक सभी निर्माणार्थीन आंगनवाडी केंद्रों को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

थाना में सीओ ने शांतिपूर्ण और भयमुक्त तरीके से चुनाव कार्य पूर्ण करने के लिए लाइसेंसी आर्मस् किया मौतिक सत्यापन



प्रातः किरण, संवाददाता

कुमारखंड मधेपुरा आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए डीएम सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी विजय प्रकाश मोगा के निर्देश पर कुमारखंड थाना परिसर श्रीनगर थाना परिसर भतनी ओपी परिसर में सीओ शशि कुमार नेतृत्व कु मारखंड थाना अध्यक्ष इस्पेक्टर संजीव कुमार, श्रीनगर थाना अध्यक्ष निसार आलम, भतनी ओपी प्रभारी सत्य प्रकाश की देख रेख में 18 लाइसेंस धारी आर्मस् मालिक के सशस्त्र का सीओ ने भौतिक सत्यापन किया। श्रीनगर थाना परिसर में 8, कुमारखंड थाना में 8, भतनी ओपी में 2 कुल 18 लाइसेंसधारी आर्मस् मालिक के आर्मस् का भौतिक सत्यापन किया गया। सीओ शशि कुमार ने बताया कि

आगामी लोकसभा चुनाव को स्वच्छ, शांतिपूर्ण और भयमुक्त तरीके से चुनाव कार्य पूर्ण करने के उदेश्य से लाइसेंसी आर्मस् का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दूसरा दिन मंगलवार को कुमारखंड, श्रीनगर थाना एवं भतनी ओपी मिलाकर 18 अनुज्ञापिधारी आर्मस् धारक सदैह उपस्थित होकर अपने-अपने आर्मस् का भौतिक सत्यापन कराया। मौके पर थानाध्यक्ष इस्पेक्टर संजीव कुमार, श्रीनगर थानाध्यक्ष निसार आलम, भतनी ओपी प्रभारी सत्य प्रकाश दारोगा गोपेन्द्र कुमार सिंह, आर्मस् मालिक शत्रुघन भगत, बदीउज्ज्मा , पूर्व कुलपति बीएनएमयू प्रो अनंत कुमार, अभिषेक आनंद, नंद कुमार सिंह, मनीष कुमार, अजय सिंह समेत अन्य आर्मस् मालिक मौजूद थे।

आत्मा से बीटीएम और एटीएम के चयनित अभ्यर्थियों को मिला नियोजन पत्र

प्रातः किरण, संवाददाता

मधेपुरा: आत्मा योजना के तहत संविदा आधारित पदों पर चयनित प्रखंड तकनीकी प्रबंधक एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक के चयनित अभ्यर्थियों के बीच नियोजन पत्र मंगलवार को समाहरणालय के एनआईसी भवन में वितरित किया गया। जिला कृषि पदाधिकारी सह आत्मा के परियोजना निदेशक पूनम

विष्णु महायज्ञ हनुमाननगर में बह रही भक्ति की धारा

प्रातः किरण, संवाददाता

सौरबाजार/सहरसा। प्रखंड क्षेत्र के राम जानकी ठाकुरबाड़ी हनुमान नगर में महथ हनुमान दास त्यागी महाराज जी के अगुवाई में चल रहे विष्णु महायज्ञ में मंगलवार को यजमानों ने शबन कुंड में आहुति देकर समाज में हावित की कामना की। यज्ञाचार्य पंडित राम बिहारी ने सभी यजमानों से आहुति काराकर महायज्ञ का महत्व बताते हुए कहा यज्ञ वैज्ञानिक दृष्टिकोण से पर्यावरण के लिए उपयोगी है। जिसका धुआं पाप को नष्ट कर पर्यावरण को

समाहरणालय के एनआईसी भवन में उप विकास आयुक्त ने मौके पर आठ प्रखंड तकनीकी प्रबंधक एवं 22 सहायक तकनीकी प्रबंधक के बीच नियोजन पत्र वितरण किया। इस दौरान जिला कृषि पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला अल्पसंख्यक पदाधिकारी, सहायक निदेशक, उद्यान एवं उप परियोजना निदेशक आत्मा मौजूद थे।

को एक दिन इस भूलोक को छोड़कर मृत्यु को प्राप्त हो जाना है। इसकी सुख सुविधा के लिए ही हम दिन रात मेहनत करते हैं। लेकिन आत्मा की अजर अमर रहें, इसके लिए हम कुछ नहीं करते, आत्मा के लिए नित्य श्रीमद् भागवत कथा पढ़ना या सुनना चाहिए। जो नित्य कथा का श्रवण करते हैं, मृत्यु के पश्चात उसका जीवात्मा श्री भागवत धाम का जाना निश्चित है। जहां हम मृत्यु के चक्कर से जीव मुक्त हो जाता है। उन्होंने कहा कि शरीर माटी का पुतला है मगर मनुष्य इस पुतले को ही संसार मान बैठता है।

राजनीति से प्रेरित कार्रवाई

कांग्रेस के बैंक खाते पर हुई कार्रवाई का उसकी गतिविधियों पर गहरा असर पड़ेगा। क्या आय कर विभाग यही चाहता है? जिस समय विपक्ष के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की भूमिका पहले से संदिग्ध है, ऐसे सवाल उठना अस्वाभाविक नहीं हैं। कांग्रेस के खाते का संचालन जिस समय और जिस तरह से रोका गया, उसे पहली नजर में राजनीति से प्रेरित कार्रवाई ही माना जाएगा। यह कार्रवाई इलेक्ट्रॉल बॉन्ड मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के ठीक अगले दिन की गई। इस निर्णय से सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के लिए असहज स्थितियां पैदा हुईं। इससे इलेक्ट्रॉल बॉन्ड्स के जरिए भाजपा को असामान्य रूप से मिले अधिक चर्दे और उसके स्रोत का मुद्दा चर्चा में आया। उसके ठीक अगले दिन देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी पर ऐसी कार्रवाई के मकसद पर सहज ही संदेह खड़ा हुआ। सवाल उठा कि क्या इसके जरिए यह बताने की कोशिश की गई है कि विपक्ष के चंदे में भी घपला है? आय कर विभाग की इस कार्रवाई के तथ्यों पर ध्यान देना जरूरी है। यह कदम 2018-19 में कांग्रेस को मिले चर्दे के सिलसिले में यानी अब पांच साल बाद उठाया गया है। तब पार्टी तय तारीख (31 दिसंबर 2019) तक इनकम टैक्स रिटर्न जमा नहीं करा पाई। उसने 45 दिन देर से इसे जमा कराया। रिटर्न में पार्टी ने बताया कि गुजरे साल में 199 करोड़ रुपये का चंदा उसके बैंक खाते में आया, जबकि 14 लाख 40 हजार रुपये उसके पास नकदी में हैं, जो उसे पार्टी सांसदों और विधायकों से मिले हैं। आय कर विभाग ने नकदी रकम की विसंगति (डिस्क्रेपेंसी) बताया है, जबकि 45 दिन की हुई देर को लेकर 210 करोड़ रुपये का जुमाना लगा दिया है। यह कार्रवाई लोकसभा चुनाव से कुछ ही महीने पहले हुई है। खाते के संचालन पर पार्टी को जब कांग्रेस ने अपीलीय पंचाट में चुनौती दी, तो पंचाट ने खाते के संचालन से रोक तो हटा दी, लेकिन शर्त लगा दी कि कांग्रेस को 155 करोड़ रुपये खाते में रखने होंगे। पार्टी के मुताबिक उसके पास इसके अतिरिक्त रकम नहीं है। यानी व्यावहारिक रूप में वह खाते का इस्तेमाल नहीं कर पाएगी। जाहिर है, पार्टी की गतिविधियों पर इसका व्यापक असर पड़ेगा। क्या आय कर विभाग का यही मकसद है? जिस समय विपक्ष के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की भूमिका पहले से संदिग्ध है, ऐसे सवाल उठना अस्वाभाविक नहीं हैं।

केजरीवाल की कहानियों का अंत नहीं

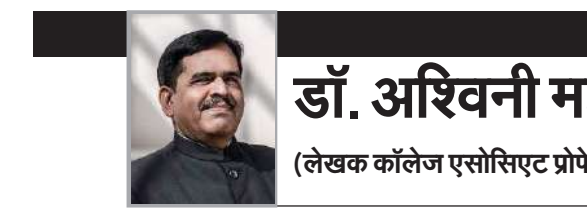
दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के ड्रामे और उनकी कहानियों का अंत ही नहीं हो रहा है। उनकी सरकार ने एक बार फिर विधानसभा में विश्वास मत पेश कर दिया। किसी ने उनके बहुमत पर अविश्वास नहीं जाहिर किया था और न कहीं से उनकी सरकार को खतरा दिख रहा था। 70 सदस्यों की राजधानी विधानसभा में केजरीवाल की पार्टी के 62 विधायक हैं। उन्हें तीन चौथाई से भी ज्यादा बहुमत है। फिर भी यह तीसरा मौका है, जब उन्होंने विश्वास मत हासिल करने का ड्रामा रचा है। पहले भी उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके विधायकों को 20 करोड़ रुपए देने की भाजपा ने पेशकश की है। इस आरोप के बाद उन्होंने विश्वास मत पेश कर दिया। अब फिर आरोप लगाया है कि सात विधायकों को 25-25 करोड़ रुपए की पेशकश भाजपा ने की है और सरकार गिराना चाहती है। हालांकि सात या 17 विधायकों के टूटने से भी केजरीवाल की सरकार पर खतरा नहीं है। दूसरे, दिल्ली पुलिस उनसे पूछ रही है कि वे मीडिया में बयान देने के बाद औपचारिक शिकायत दर्ज कराए। किसी व्यक्ति का नाम लें, जिसने पैसे की पेशकश की या कोई फोन नंबर ही बताएं कि इस नंबर से फोन करके पेशकश की गई थी। लेकिन उनकी पार्टी ने न कोई सबूत पेश किया है और न औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। लेकिन विधानसभा के सत्र में बजट टाल दिया और विश्वास मत पेश कर दिया।

संदेशखाली की दरिदगी

पश्चिम बंगाल के संदेशखाली इलाके के हालात को देख-सुन कर ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें पहले ही देखा, भोगा और अनुभव किया है। संदेशखाली पर जितनी रपटें और विश्लेषण सामने आए हैं, उनके मद्देनजर आश्चर्य होता है कि 2011 से वहां हृदरिंदोह के अत्याचार, यौन उत्पीड़न और भूमि पर जबरन कब्जों के सिलसिले जारी रहे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री उन्हें झूठ करार दे रही हैं। उन्होंने विधानसभा में कहा है कि संदेशखाली में आरएएसपीस का अड्डा है और वही औरतों को उकसा और बरगला रहा है। यदि संघ किन्हीं आपराधिक गतिविधियों में सल्लिप्त है, तो मुख्यमंत्री और राज्य पुलिस ने उसके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की? आश्चर्य यह भी है कि संदेशखाली की औरतों पर सालों से अत्याचार, अनाचार किए जा रहे थे, लेकिन राज्यपाल, अनुसूचित जाति आयोग, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, राष्ट्रीय महिला आयोग और भाजपा संसदीय प्रतिनिधिमंडल आदि की नौद एकसाथ 2024 में खुली है! अब प्रधानमंत्री मोदी भी 7 मार्च को, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर, बंगाल जा रहे हैं, जहां वह महिलाओं की ही जनसभा को संबोधित करेंगे। ये तमाम अभियान ह्यराजनीतिक हू लगेते हैं, क्योंकि सालों तक सभी खामोश और निष्क्रिय थे, लेकिन आज बंगाल में ह्यरूपटि शासनहू तक की आवाजें मुखर हुई हैं। यहां तक कि जमीनी रपटें सामने आई हैं कि संदेशखाली की औरतों को तृणमूल कांग्रेस के दफ्तर में बुलाया जाता था और रात भर उन्हें ह्यमनोरंजनहू के लिए विश्वास किया जाता था। ऐसे कबूलनामे औरतों ने कैम्पे के सामने कहे हैं, हालांकि चेहरे डक कर वे बोली हैं, क्योंकि उन्हें ह्यअत्याचारों राक्षसोंहू का खौफ है। दुर्भाग्य और विषबना यह है कि शोषित और पीड़ित औरतों को, खुद को, तृणमूल की समर्थक और वोटर भी कहना पड़ रहा है। औरतों की पारिवारिक बच्ची-खूची जमीनें भी छीन ली गई हैं और अब उन पर तृणमूल कांग्रेस के ह्यराजनीतिक गुंडोंहू के अवैध कब्जे हैं। अत्याचार और सामूहिक दुकर्म के यथार्थ कई पक्षों ने सामने रखे हैं, लिहाजा उन्हें खारिज करना आसान नहीं है। कमोबेश संवैधानिक पदासीन चेहरों को झूठा करार नहीं दिया जा सकता। उनके भी सामाजिक दायित्व हैं। अब मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। आज सुनवाई में उसका फैसला क्या होगा, उसका विश्लेषण बाद में करेंगे। हमने कहा था कि ममता बनर्जी ने ऐसे हालात पहले देख और अनुभव कर रखे हैं। इस संदर्भ में सिंदूर और नंदीग्राम के आंदोलन याद आते हैं, जो टाटा मोटर्स के प्लांट के लिए भूमि अधिग्रहण के खिलाफ थे। तब ममता विपक्ष में थीं और आंदोलन का नेतृत्व कर रही थीं। तत्कालीन वाममोर्चा सरकार और पार्टी समूह ने ममता पर जो हिंसक और जानलेवा हमले किए थे, उन्होंने बंगाल में ह्यवामहू के अंत की शुरूआत कर दी थी। आज 2011 से बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की सत्ता है। ममता भी ह्यवामहू की तरह घमंडी और एकाधिकारवादी हैं। संदेशखाली में जो विरोध-प्रदर्शन उभरे हैं, उनमें शाहजहां शेख, शिबू हाजरा और उत्तम सरदार सरीखे तृणमूल गुंडों की गिरफ्तारी का भी गुंज रही है। शेख तब से ह्यभगोड़ाहू है, जब उसके घर पर प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छापा मारा था और हिंसक भीड़ ने जांच अधिकारियों को ही घायल कर दिया था। क्या यह संभव हो सकता है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जानकारी ही न हो कि उनका ह्यसिंडिकेटहू कहां है? ममता-राज के दौरान तृणमूल के भीतर ही ऐसा सिंडिकेट बना दिया गया है, जो ज्यादातर हिंदू आबादी पर ही दरिंदगी दिखाते हैं। पुरुषों को जान से मार देने की धमकियां भी देते हैं। 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान इसी सिंडिकेट ने भाजपा के खिलाफ 273 घंटायुद्ध की थी। कई कार्यक्रमों को भी मार दिया गया था। यह गुंडई पंचायत चुनावों में सरेआम कहर ढहाती रही है। क्या एक महिला मुख्यमंत्री का शासन ऐसा भी हो सकता है कि दरिंदे खुलेआम हत्याएं और अत्याचार कर सकें? यह सवाल जरूरी है, क्योंकि हम एक लोकतांत्रिक देश में रहते हैं। बंगाल की पुलिस भी सिंडिकेट का ही संरक्षण करती है, लिहाजा शाहजहां का सुराग तक नहीं लग पाया है कि आखिर महीनों से वह कहां फरार है?

पॉलिटिकल फंडिंग पारदर्शी, साफ-सुथरी हो

इस पद्धति में यह सूचना सार्वजनिक करने का प्रावधान नहीं था कि किस पार्टी को किस व्यक्ति या संस्था ने कितना चंदा इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से दिया है। इस प्रावधान पर सर्वोच्च न्यायालय ने आपत्ति जताई है और कहा है कि चुनावी चंदे के लेन-देन में समुचित पारदर्शिता होनी चाहिए। अभी इस ताजा फैसले में अदालत ने इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था को रोक दिया है और कहा है कि भारतीय स्टेट बैंक इलेक्टोरल बॉन्ड जारी करना बंद कर दे। सर्वोच्च न्यायालय की प्रमुख आपत्ति पारदर्शिता को लेकर ही है। जो व्यवस्था इलेक्टोरल बॉन्ड के आने से पहले से थी और जिस प्रकार राजनीतिक दल पैसा जुटाते थे, उसमें भी पारदर्शिता का बड़ा अभाव था। साथ ही, यह भी समस्या थी कि जो लोग भारी मात्रा में नगदी दे रहे हैं, उनके पैसे का स्रोत क्या है, इसका पता लगा पाना असंभव था। अगर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों को लागू करते हुए इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था को कायम रखा जाए, तो आगे शायद अदालत को कोई आपत्ति नहीं होगी। हमारे देश में पंजीकृत राजनीतिक दलों की संख्या सैकड़ों में है। ऐसे में यह तो संभव है नहीं कि धन का कोई एक केंद्रीय संग्रहण हो और सभी दलों को उसमें से एक समान हिस्सा मुहैया कराया जाए। दलों की विचारधारा अलग-अलग है। मान लीजिए कि मुझे चंदा देना है और मैं समझ रहा हू कि किसी दल की विचारधारा और कार्यक्रम संकीर्ण सोच पर आधारित है तथा देश के लिए नुकसानदेह है, तो मैं उस दल को चंदा नहीं देना चाहूंगा।



डॉ. अश्विनी महाजन-
 (लेखक कॉलेज एसोसिएट प्रोफेसर हैं)

इलेक्टोरल बॉन्ड पर जो सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय आया है, वह एक कानूनी प्रक्रिया के तहत है और उस पर कोई विशेष टिप्पणी करने का कोई अर्थ नहीं है। पर इस संबंध में जो पहली चीज विचार करने लायक है, वह यह है कि इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था को क्यों लाया गया था? राजनीतिक दलों को चंदा संग्रह करने का अधिकार है और जमा की गई धनराशि पर उन्हें कोई आयकर भी नहीं देना होता है। उन्हें जो पैसा चंदे या दान के रूप में मिलता है, उसने ओपेक्षा की जाती है कि वे उसकी जानकारी चुनाव आयोग को मुहैया कराएंगे। पहले जो धन बैंक चेक या ड्राफ्ट के माध्यम से हासिल होता था, उसकी जानकारी तो मिल जाती थी, लेकिन नापटी चर्दे के बारे में पारदर्शिता का पूरा अभाव था। यह तो स्थापित तथ्य है कि हमारे देश की राजनीति और चुनावी प्रक्रिया में काले धन की मौजूदगी जमाने से रही है और इस समस्या के समाधान पर लंबे समय से चर्चा भी होती रही है। काले धन की वजह से यह चलता रहा कि पैसा

देने वाले राजनीतिक दलों और उनकी सरकारों से बेजा फायदा उठाते रहे। यह स्थिति हमारी राजनीतिक प्रणाली के लिए एक गंभीर चुनौती थी। इस प्रभुभूमि में इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था लाकर यह प्रयास हुआ कि काले धन की समस्या को रोका जाए, उसे हतोत्साहित किया जाए। वर्ष 2017 में भारत सरकार द्वारा इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था लागू की गई, जिसमें यह कहा गया कि किसी भी व्यक्ति या संस्था द्वारा इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदा जा सकता है और किसी पार्टी को दिया जा सकता है। एक निर्धारित समयावधि के अंदर पार्टियां इलेक्टोरल बॉन्ड को बुना लेती थीं। इस पद्धति में यह सूचना सार्वजनिक करने का प्रावधान नहीं था कि किस पार्टी को किस व्यक्ति या संस्था ने कितना चंदा इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से दिया है। इस प्रावधान पर सर्वोच्च न्यायालय ने आपत्ति जताई है और कहा है कि चुनावी चंदे के लेन-देन में समुचित पारदर्शिता होनी चाहिए। अभी इस ताजा फैसले में अदालत ने इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था को रोक दिया है और कहा है कि भारतीय स्टेट बैंक इलेक्टोरल बॉन्ड जारी करना बंद कर दे। सर्वोच्च न्यायालय की प्रमुख आपत्ति पारदर्शिता को लेकर ही है। जो व्यवस्था इलेक्टोरल बॉन्ड के आने से पहले से थी और जिस प्रकार राजनीतिक दल पैसा जुटाते थे, उसमें भी पारदर्शिता का बड़ा अभाव था। साथ ही, यह भी समस्या थी कि जो लोग भारी मात्रा में नगदी दे रहे हैं, उनके पैसे का स्रोत क्या है, इसका पता लगा पाना असंभव था। अगर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों को लागू करते हुए इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था को कायम रखा जाए, तो आगे शायद अदालत को कोई आपत्ति नहीं होगी। हमारे देश में पंजीकृत राजनीतिक दलों की संख्या सैकड़ों में है। ऐसे में यह तो संभव है नहीं कि धन का कोई एक केंद्रीय संग्रहण हो और सभी दलों को उसमें से एक समान हिस्सा मुहैया कराया जाए। दलों की विचारधारा अलग-अलग है। मान लीजिए कि मुझे चंदा देना है और मैं समझ रहा हू कि किसी दल की विचारधारा और

कार्यक्रम संकीर्ण सोच पर आधारित हैं तथा देश के लिए नुकसानदेह हैं, तो मैं उस दल को चंदा नहीं देना चाहूंगा। अगर सभी दलों को एक समान चंदा मिलेगा, तो पार्टी बनाना एक धंधा बन जाएगा। ऐसे में यह व्यक्ति या संस्था पर निर्भर करता है कि वह किसी एक दल को चंदा दे या कुछ दलों में अपनी धनराशि को अपनी समझ से बांट दे। यह कई लोगों की समझ है और मैं इससे सहमत हू कि चुनावी चंदे के मामले में नगदी का चलन नहीं होना चाहिए और चंदा हमेशा ऐसी व्यवस्था के तहत लिया और दिया जाए, जिससे उसके स्रोत के बारे सही जानकारी मिल सके। यदि सर्वोच्च न्यायालय का यह मानना है कि पारदर्शिता के साथ यह पता चलना चाहिए कि किस दल को किस व्यक्ति या संस्था ने कितनी धनराशि दी है, तो यह कानून की एक व्याख्या है और इसे सकारात्मक रूप में लेना चाहिए। हमारे सामने अनेक उदाहरण हैं कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों को सरकार ने नहीं स्वीकार करते हुए संसद में फिर से कानूनों को

पाहित किया। साथ ही, ऐसे उदाहरण भी हैं, जब अदालती आदेशों के मुख्य बिंदुओं को स्वीकार करते हुए और कानून में उन्हें समाहित करते हुए संशोधित कानून पारित किए गए। चूंकि अभी सरकार को भी सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को पढ़े और उस पर विचार करने के लिए समय चाहिए, इसलिए हमें सरकार के पक्ष को विस्तार से सामने आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए। अगर सरकार को ऐसा लगेगा कि सर्वोच्च न्यायालय की आपत्तियों के अनुरूप वर्तमान व्यवस्था को और भी पारदर्शी बनाने की आवश्यकता है, तो वह एक संशोधित प्राव्य संसद के समझ प्रस्तुत कर सकती है। लेकिन यह कार्य अभी तुरंत नहीं हो सकता है। यह समझना जरूरी है कि देश कोई एक-दो दिन या वर्ष के लिए नहीं होता। राष्ट्र की दृष्टि सतत होती है। इस यात्रा में व्यवस्थाएं बनती हैं, बदलती हैं और टूटती भी हैं। कुछ ही महीनों में लोकसभा के चुनाव होने हैं और मई में नई लोकसभा और सरकार का गठन हो जाएगा। इसलिए इस इलेक्टोरल

बॉन्ड के मुद्दे पर अल्पकालिक दृष्टि से विचार करने की आवश्यकता नहीं है। चूंकि यह निर्णय सर्वोच्च न्यायालय का है, तो देश और सरकार को उसका सम्मान करना है, लेकिन यह अवश्य कहा जाना चाहिए कि चुनाव में काले धन का प्रकोप जिस स्तर पर था, उससे निपटने की दिशा में इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था एक प्रगतिशील कदम थी। इसी सरकार के कार्यकाल में यह कानून बना था, इसलिए इसी सरकार को यह देखना होगा कि सर्वोच्च न्यायालय की आपत्तियों और निर्देशों का अनुपालन करते हुए एक संशोधित व्यवस्था लाई जाए? ऐसा तो अब नहीं हो सकता है कि हम पहले के काले धन वाले समय में लौट जाएं, जहां न तो पैसे के स्रोत का पता चलता था और न ही पैसा देने वाले के बारे में। आज भी हर चुनाव में हम देखते हैं कि चुनाव आयोग बड़ी मात्रा में नगदी की धरपकड़ करता है। पहले भी कई बार आयोग की ओर से कहा जा चुका है कि चुनावों में बाहर से पैसा आने के अंदेशों को खारिज नहीं किया जा सकता है।

अन्नदाता और सरकार के बीच टकराव...

चार साल पहले आई नाबाई की रिपोर्ट के मुताबिक देश में 10.07 करोड़ परिवार खेती पर निर्भर थे। यह संख्या देश के कुल परिवारों का 48 प्रतिशत है। सरकार की कृषि विरोधी नीतियों की वजह से चार साल में ये संख्या घटी या बढ़ी हमें नहीं पता। नाबाई की रिपोर्ट पर ही भरोसा किया जाए तो एक कृषि आधारित परिवार में वर्ष 2016-17 में औसतन सदस्य संख्या 4.9 थी। अगल-अलग राज्यों में इसकी संख्या भी अलग-अलग है। उदाहरण के लिए केरल में एक परिवार में 4 सदस्य हैं, तो वहीं उत्तर प्रदेश में सदस्य संख्या 6, मणिपुर में 6.4, पंजाब में 5.2, बिहार में 5.5, हरियाणा में 5.3 कर्नाटक और मध्य प्रदेश में 4.5 और महाराष्ट्र में 4.5 थी। हमारा अन्नदाता किसान सरकार से आसमान के तारे नहीं बल्कि अपनी फसलों का न्यूनतम दाम मांग रहा है। सरकार को ये दाम देना भी नहीं है केवल निर्धारित कर एक कानून बनाना है। दुर्भाग्य ये कि हमारी संसद और प्रभु रामभक्त सरकार ये काम भी नहीं कर पा रही। करे भी तो कैसे, उसे तो अपनी छवि और मंदिर बनाने और उनका उद्घाटन करने से ही फुरसत नहीं है। पहले अयोध्या में राम मंदिर बनवाया, फिर यूरई में बनवाया। अभी कल्कधाम का शिलान्यास किया। किसानों के लिए सरकार के पास सब बचता ही कहाँ है? किसान अपनी मांगों को लेकर दस दिन से दिल्ली की सीमा के बाहर डेरा डालकर बैठा है लेकिन सरकार बेफिक्र है।

केरल में एक परिवार में 4 सदस्य हैं, तो वहीं उत्तर प्रदेश में सदस्य संख्या 6, मणिपुर में 6.4, पंजाब में 5.2, बिहार में 5.5, हरियाणा में 5.3 कर्नाटक और मध्य प्रदेश में 4.5 और महाराष्ट्र में 4.5 थी। हमारा अन्नदाता किसान सरकार से आसमान के तारे नहीं बल्कि अपनी फसलों का न्यूनतम दाम मांग रहा है। सरकार को ये दाम देना भी नहीं है केवल निर्धारित कर एक कानून बनाना है। दुर्भाग्य ये कि हमारी संसद और प्रभु रामभक्त सरकार ये काम भी नहीं कर पा रही। करे भी तो कैसे, उसे तो अपनी छवि और मंदिर बनाने और उनका उद्घाटन करने से ही फुरसत नहीं है। पहले अयोध्या में राम मंदिर बनवाया, फिर यूरई में बनवाया। अभी कल्कधाम का शिलान्यास किया। किसानों के लिए सरकार के पास समय बचता ही कहाँ है? किसान अपनी मांगों को लेकर दस दिन से दिल्ली की

सीमा के बाहर डेरा डालकर बैठा है लेकिन सरकार बेफिक्र है। सरकार जानती है कि किसानों के अकेले वोटों से उसे तीसरी बार सत्ता में आने से नहीं रोका जा सकता। हमारी सरकार रामभक्त सरकार अवश्य है किन्तु किसान भरक सरकार बिलकुल नहीं है। ये वो सरकार है जो दो साल पहले 700 से ज्यादा किसानों की शहादत के बाद भी झूठ बोलने से नहीं चूकी। सरकार ने किसानों के पुराने साल भर चले आंदोलन के बाद जिन तीन विवादित कानूनों को वापस लेने की घोषणा की थी उनके बाद किसानों के मन-माफिक कानून आजतक नहीं बनाये। सरकार की इस हठधर्मिता को क्या नाम दिया जाये ये आप खुद तय करें। ये वो ही सरकार है जो आजतक सुलग रहे मणिपुर के मुद्दे पर चर्चा करने से लगातार कतराती रही। इस सरकार ने किसानों की ही



राकेश अगल-
 लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

भारत में किसानों को अन्नदाता कहा जाता है लेकिन उनकी अशा बेहद खराब है। किसानों को अपने अधिकार हासिल करने के लिए हर युग में सत्ता प्रतिष्ठान से लड़ाई लड़ना पड़ती है। भारत का किसान भले अन्नदाता कहलाता हो किन्तु उसने मुगलों से भी लड़ाई लड़ी, अंग्रेजों से भी लड़ाई लड़ी और आज एक बार फिर रामराज चलाने वाली सरकार से उसका टकराव होता दिखाई दे रहा है। किसानों की लड़ाई अंतहीन हो गयी है। देश को हर तरह की गारंटी देने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों से सीधे गुंठ बात करने को राजी नहीं हैं और उनकी सरकार की ओर से किसानों से बातचीत करने वाले किसानों को मनाने में नाकाम रहे हैं। और तुरं ये है कि हमारी सरकार दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनना चाहती है। किसानों की उपेक्षा को पर सब कैसे मुमकिन होगा ये केवल

सरकार जानती है या भगवान। किसानों को तो इस बारे में कुछ आता नहीं है। दुर्भाग्य से देश का प्रधानमंत्री देश का सबसे बड़ा ओबीसी तो है किन्तु सबसे बड़ा किसान नहीं। किसान सरकार से वार्ता नाकाम होने के बाद 21 फरवरी से राजधानी की ओर कुछ कर सकते हैं। राजधानी में उनके साथ क्या होगा ये सोचकर ही रूह कांपने लगती है। चार साल पहले आई नाबाई की रिपोर्ट के मुताबिक देश में 10.07 करोड़ परिवार खेती पर निर्भर थे। यह संख्या देश के कुल परिवारों का 48 प्रतिशत है। सरकार की कृषि विरोधी नीतियों की वजह से चार साल में ये संख्या घटी या बढ़ी हमें नहीं पता। नाबाई की रिपोर्ट पर ही भरोसा किया जाए तो एक कृषि आधारित परिवार में वर्ष 2016-17 में औसतन सदस्य संख्या 4.9 थी। अगल-अलग राज्यों में इसकी संख्या भी अलग-अलग है। उदाहरण के लिए

रथ देश की महिलाओं को ठगने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाकर नारीशक्ति वंदन विधेयक को कानून तो बनाया किन्तु वास्तव में नारी शक्ति की वंदना नहीं की। अभी पिछले साल ही हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में से चार राज्यों में जीत हासिल की किन्तु एक भी नारी को मुख्यमंत्री नहीं बनाया। उलट देश की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री बंगाल की ममता बनर्जी की सरकार को गिराने में लगी है ये सरकार। हम आम लोग नहीं जानते कि किसानों की मांगो मानने से सरकार को क्या समस्या आने वाली है, लेकिन सब कुछ मुमकिन करने का दावा करने वाली सरकार कहाँ कमजोर पड़ रही है ये सरकार को अपने श्वेपत्र में बताना तो चाहिए था। सरकार की रामभक्ति पर लट्टु जनता को ये जानना भी जरूरी है कि राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि क्षेत्र की

भारतीय अर्थव्यवस्था में हो रहे बदलाव की ब्यार पर प्रश्न चिन्ह क्यों?

प्रहलाद सबनानी-
 (लेखक विख्यात अर्थशास्त्री है)

भारत में पिछले एक दशक में, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, अतुलनीय सुधार दृष्टिगोचर है और भारतीय अर्थव्यवस्था आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ ही विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था भी बन गई है। आगे आने वाले लगभग पांच वर्षों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी, ऐसा आंकलन विश्व के कई वित्तीय एवं आर्थिक संस्थान कर रहे हैं। आज विश्व के कई देश पूंजीवादी मॉडल से निराश होकर भारतीय आर्थिक मॉडल को अपनाते की बात करने लगे हैं

शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में हांगकांग को पीछे छोड़ते हुए विश्व में चौथा स्थान प्राप्त कर लिया है। अब ऐसा आभास होने लगा है कि भारत अर्थ के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर खोई हुई अपनी प्रतिष्ठा को पुनः प्राप्त करता हुआ दिखाई दे रहा है। एक ईसवी से लेकर 1750 ईसवी तक आर्थिक दृष्टि से पूरे विश्व में भारत का बोलबाला था। इस खंडकाल में विश्व के कुल विदेशी व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत से भी अधिक की रही है क्योंकि उस समय पर भारत में सनातन संस्कृति का पालन करते हुए व्यापार किया जाता था। भारत में कर्म एवं अर्थ के कार्यों को धर्म का पालन करते हुए करने की प्रथा का पुरातन शास्त्रों में वर्णन मिलता है। भारत में चूंकि आज एक बार पुनः सनातन संस्कृति का

पालन करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में कार्य समझौता करना चाहते हैं क्योंकि भारत वैश्विक स्तर पर विभिन्न उत्पादों के लिए एक बहुत बड़े बाजार के रूप में विकसित हो रहा है। ऐसा कहा जाता है कि शेयर बाजार में निवेशक अपनी जमापूंजी का निवेश बहुत सोच विचार कर करता है एवं जब निवेशकों को यह आभास होने लगता है कि अमुक कम्पनी का भविष्य बहुत उज्ज्वल है एवं निवेशक द्वारा किए गए निवेश पर, प्रतिफल अधिकतम रहने की सम्भावना है, तभी निवेशक अपनी जमापूंजी को शेयर बाजार में उस अमुक कम्पनी निवेश करते हैं। इस प्रकार, जब किसी

भी देश को अर्थव्यवस्था पर निवेशकों का भरोसा बढ़ता हुआ दिखाई देता है तो विशेष रूप से विदेशी निवेशक एवं विदेशी संस्थान निवेशक उस देश में विभिन्न कर्मनिष्ठी के शेयर में अपनी निवेश बढ़ाते हैं। चूंकि विदेशी संस्थानों को आगे आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था पर एवं भारतीय कर्मनिष्ठी को विकास यात्रा पर भरपूर भरोसा है अतः भारतीय शेयर बाजार में निवेश भी रफ्तार पकड़ रहा है। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति में शासन द्वारा बनाई गई नीतियों का विशेष प्रभाव रहता है। पिछले 10 वर्षों के खंडकाल में भारत न केवल आर्थिक क्षेत्र बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक एवं राजनैतिक क्षेत्रों में भी मजबूत हुआ है और भारत ने पूरे विश्व में अपनी धाक जमाई है। आज भारतीय मूल के लगभग 3.20 करोड़

लोग विश्व के अन्य देशों में निवास कर रहे हैं। भारतीय मूल के इन नागरिकों ने भारतीय सनातन संस्कृति का पालन करते हुए इन देशों के स्थानीय नागरिकों को भी प्रभावित किया है जिससे विदेशी नागरिक भी अब सनातन संस्कृति की ओर आकर्षित होने लगे हैं। विशेष रूप से विकसित देशों में तो सामाजिक तानाबाना इतना अधिक छिन्न भिन्न हो चुका है कि अब ये विश्व आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक समस्याओं के हल हेतु आशाभारी नजरों से भारत की ओर देख रहे हैं। अंतरिक्ष के क्षेत्र में आज भारत एक वैश्विक ताकत बनाकर उभरा है। भारत आज न केवल अपने लिए सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेज रहा है बल्कि विश्व के कई अन्य देशों के लिए भी सैटेलाइट अंतरिक्ष में स्थापित करने में सक्षम हो गया है।

संक्षिप्त खबरें

तोपेश्वर सिंह की 33वीं पुण्यतिथि को लेकर हुई बैठक

बिक्रमगंज (रोहतास) प्रखंड क्षेत्र के नोनहर पंचायत के गांव स्थित एक आवास पर मंगलवार को स्वर्गीय तोपेश्वर सिंह की 33वीं पुण्यतिथि आयोजन को लेकर बैठक हुई। आयोजित बैठक इन्दु तोपेश्वर सिंह महिला कॉलेज के डॉ. अजय कुमार सिंह पूर्व विधान पार्षद सह सचिव इन्दु तोपेश्वर सिंह महिला कॉलेज के निर्देश पर महाविद्यालय के उप-प्राचार्य डॉ. उमेश्वर प्रसाद सिंह के अध्यक्षता में की गई। इसकी जानकारी देते हुए महाविद्यालय के उप-प्राचार्य ने कहा कि स्वर्गीय तोपेश्वर बाबू की 33वीं पुण्यतिथि 27 फरवरी को तोपेश्वर सिंह टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज कायमनगर, आरा में मनाई जाएगी। बैठक में डॉ. मनोज कुमार सिंह, डॉ. रविंद्र कुमार, रमाकांत सिंह अन्य शिक्षक एवं शिक्षकत्तर कर्मचारियों की उपस्थित थीं।

तोपेश्वर बाबू की पुण्यतिथि मनाने हेतु बैठक

तोपेश्वर सिंह टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज कायमनगर आरा में डॉक्टर अजय कुमार सिंह पूर्व सदस्य वि प सह सचिव की अध्यक्षता में सहकारिता पुरोधा संसद स्व तोपेश्वर बाबू की 33 वी पुण्य तिथि 27 फरवरी 2024 को मनाने हेतु बैठक हुई। बैठक में महाविद्यालय के डॉक्टर सत्यदेव सिंह डॉक्टर अमित उपाध्याय डॉक्टर सुशील कुमार पांडेय सुमन कुमारी ज्योति कुमारी दीपक विनोदी अभिषेक रंजन राहुल सिंह आदि थे।

कर्मनाशा पावर ग्रिड में मेटेनैस के कार्य को ले बिजली रहेगी बाधित

दुर्गावती। स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के कर्मनाशा ओल्ड पावर ग्रिड 132/33 के ली से निकल कर विभिन्न पावर हाउस की ओर जाने वाली विद्युत स्पलाई आज बुधवार को मेटेनैस कार्य को लेकर दोपहर 12 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक विद्युत स्पलाई बाधित रहेगी। इसकी जानकारी देते हुए मंगलवार को सहायक कार्यालयक अभियंता अनिल मंडल के द्वारा बताया गया कि 21 फरवरी बुधवार को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक कर्मनाशा 132/33 के ली ओल्ड पावर ग्रिड का मेटेनैस कार्य किया जाएगा। इसकी वजह से कर्मनाशा ओल्ड पावर ग्रिड 132/33 के ली से निकलकर इलाके के कुशहरिया, कल्याणपुर, नरमा, दुर्गावती आदि विभिन्न पावर हाउस की ओर जाने वाली 132/33 के ली की स्पलाई बुधवार को दोपहर 12 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक बाधित रहेगी। इस दौरान मेटेनैस का कार्य जोरों पर किया जाएगा। शाम 4 बजे तक मेटेनैस का कार्य पूरा करने के बाद विद्युत स्पलाई को बाहर कर दी जाएगी। मेटेनैस कार्य के दौरान कनीय अभियंता रौनक कुमार कश्यप व उनके अन्य बिजली कर्मी उपस्थित रहेंगे।

शराब के साथ धंधेबाज को पुलिस ने दबोचा

नावानगर (बक्सर) स्थानीय बाजार से शराब के साथ पुलिस ने एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है साथ ही एक कारोबारी पुलिस देख कर फरार हो गया। गिरफ्तार कारोबारी पंकज कुमार सिंह बताया जा रहा है पुलिस को तलाशी के दौरान पकेट से 180 एमएल का 6 ट्रेड पैक बरामद हुआ। साथ ही शराब का गैलन फेक कर भागे कारोबारी की पहचान नवानगर निवासी पप्पू सिंह के रूप में हुई उसके द्वारा फेके गये गैलन से पुलिस ने दो लीटर महुआ शराब बरामद किया है। इसकी पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष नन्दु कुमार के बतया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी। जो नवानगर बाजार में दो लोग शराब बेच रहे हैं। जिस सूचना पर तत्काल छापेमारी एक कारोबारी के 6 ट्रेड पैक और दो लीटर महुआ शराब बरामद हुआ। इस मामले में अन्य फरार कारोबारी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

अंग्रेजी शराब के दो धंधेबाज गिरफ्तार

सिकरौल (बक्सर) स्थानीय सिकरौल पुलिस ने बक्सर नहर मार्ग पर घुसारी पुल के पास से 130 पीस अंग्रेजी शराब के साथ दो कारोबारियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने शराब के साथ कारोबारियों को बाइक को भी जब्त कर लिया है। थानाध्यक्ष बीरेंद्र प्रसाद ने बताया कि नहर मार्ग पर वाहन चेकिंग चलाई जा रही थी उसी दौरान एक बाइक पर जा रहा दो युवक को रोकेने की कोशिश की गई। लेकिन रोके जाने पर वो भागने लगे। लेकिन पुलिस ने पीछा कर दोनों को पकड़ा तलाशी के दौरान उनकी बाइक पर लटी बोरी में 180 एमएल की 130 पीस एट पीएम अंग्रेजी शराब का 6 ट्रेड पैक बरामद हुआ शराब के बाइक के साथ दोनों कारोबारी को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार कारोबारी रोहतास जिला के करमटारहा गांव के निवासी सुमित कुमार व त्रैतिक रोशन बाबाद आ जाते हैं। वहीं दूसरी घटना में पुलिस ने ठोरा नदी पुल के पास बेलावा गांव की सड़क पर से एक झोला में रखी साढ़े सात लीटर देशी शराब बरामद किया है।

भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में किसान चौपाल का कार्यक्रम किया गया आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

जगदीशपुर। जगदीशपुर प्रखंड के आदर्श ग्राम पंचायत दावा में भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में मंगलवार को किसान चौपाल का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता मोर्चा के जिला अध्यक्ष विद्यासागर पांडेय और महिला प्रदेश प्रवक्ता सह दावा मुखिया सुषुम्लता कुशवाहा ने संयुक्त रूप से किया। चौपाल में भाजपाइयों ने सरकार की उपलब्धियों का बखाना किया।

मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों के हित में तमाम योजनाएं चला रही हैं। जिससे किसानों को उनका नेता सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि पीएम किसान योजना के तहत 11 करोड़ से अधिक किसानों को 6 हजार रुपये की आर्थिक मदद



मिला है और बिहार में 83 लाख किसानों को किसान सम्मन विधि योजना का लाभ मिला है। साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड के अंतर्गत 4 करोड़ लाभार्थी किसानों को 4.7 लाख करोड़ का ऋण मिला है। इस दौरान क्षेत्र में बिजली

की अधिक कटौती, लो वोल्टेज, यूरिया-खाद्य की किल्लत सहित कई समस्याएं किसानों में प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष रखीं। प्रदेश अध्यक्ष ने मुखिया सुषुम्लता के माध्यम से पत्र प्रेषित करते हुए समाधान कराने का वायदा कर किसानों को

संतुष्ट किया। मौके पर महिला प्रदेश प्रवक्ता ने चौपाल में आए किसानों को सरकार द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। तथा सूबे में पीएम-कुसुम योजना के लागू करने के पश्चात अपने पंचायत में क्रियान्वयन कराने की मांग को रखा। कार्यक्रम का संचालन भाजपा नेता मनजी चौधरी ने किया। किसान चौपाल में आए सभी अतिथियों का अंग वस्त्र देते हुए, पार्टी के टोपी व माला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के समापन के पश्चात प्रदेश अध्यक्ष द्वारा कृषि यंत्र के तहत ट्रैक्टर और गोपुजन विधिविधान से किया गया। इस मौके पर उप महापौर प्रतिनिधि सरोज सिंह, प्रहलाद राय, अविनाश कुमार, राकेश कुमार श्रीवास्तव, अरविंद पांडेय, आदित्य कुमार, विवेक कुशवाहा, मनीष सिंह राठौड़, ज्योति सिंह, संध्या सिंह, राकेश यादव, अवधेश कुशवाहा, अरुण सिंह सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिहार लघु उद्यमी योजना का आवेदन करने की तिथि मार्च तक और बढ़ाई जाए : दिलराज प्रीतम

प्रातः किरण संवाददाता



आरा। नगर सचिव दिलराज प्रीतम ने प्रेस रिलीज जारी कर पत्रकारों को बताया कि पिछले महागठबंधन की सरकार ने जातिगत जनगणना करने के बाद बिहार की 34 प्रतिशत आबादी का आर्थिक स्थिति काफी भयावह है जिसे देखते महागठबंधन की सरकार ने बिहार लघु उद्यमी योजना के तहत बिहार के 97 लाख व्यक्तियों को दो-दो लाख रुपए देकर उनका जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए यह योजना लागू की थी इस योजना के तहत गरीब व्यक्तियों को 20 फरवरी तक ही आवेदन-पत्र ऑनलाइन करने की तिथि तय की गयी थी जिसमें जाति, आय, आवासीय प्रमाण-पत्र, बैंक खाता के साथ आवेदन करना था। लेकिन आरा

अंचल कार्यालय में सैकड़ों लोगों ने अपना जाति, आय, आवासीय प्रमाण-पत्र बनाने के लिए आवेदन ऑनलाइन किये हैं, लेकिन आरा सदर अंचलाधिकारी का बतावला होने एवं नया अंचलाधिकारी महोदया के आने बाद अपना प्रभार नहीं लेने से पिछले 13 फरवरी से अंचल कार्यालय में कोई भी काम नहीं हो रहा है। जिससे चलते लोगों में काफी गुस्सा है। आगे माले नगर सचिव दिलराज प्रीतम ने कहा बिहार में भाजपा पाने सत्ता की

गिद्ध दृष्टि के तहत भाजपा की सरकार बनते ही इस योजना का बंटवारा-सा लगने लगा। क्योंकि इनकी सरकार में इस तरह के अधिकारी जनता के प्रति संवेदनशील मामलों पर संवेदहीन बने रहेंगे तो क्या कहा जाए? आगे माले नेता कहा कि बिहार लघु उद्यमी योजना के तहत गरीबों को मिलने वाला लाभ से वंचित करने की साजिश की जा रही है।

जिससे माले बर्दाश्त नहीं करेगा। इसीलिए बिहार लघु उद्यमी योजना का आवेदन करने की तिथि मार्च तक और बढ़ायी जाए ताकि व्यापक गरीब लोग इस योजना का लाभ लें सके और अंचलाधिकारी महोदया अचिंतव अपना प्रभार ग्रहण कर लंबित आवेदन को प्रमाण-पत्र जारी करें। माले तो आगे आने वाले दिनों भाकपा-माले आंदोलन खड़ा करेगा।

तीन सूत्री मांग के लिए, दलित मोर्चा (सर्वदलीय) ने किया आक्रोश प्रदर्शन

प्रातः किरण संवाददाता



आरा। दलित मोर्चा भोजपुर के बैनर तले जिलाधिकारी भोजपुर के पास प्रदर्शन किया गया, जो मिशन स्कूल ओवर बूज के पास से एक जुलूस निकला गया जिस जुलूस का नेतृत्व मोर्चा के अध्यक्ष गोरख नाथ अकेला, प्रवक्ता ललन प्रसाद नट, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुनैना कुमारी एवं संरक्षक दिलीप प्रसाद, ने किया, जिस जुलूस में लगभग 500 की संख्या में महिला पुरुष नारा लगते हुये प्रदर्शन कर रहे थे यह जुलूस मुख्य मार्ग से होते हुये जिलाधिकारी भोजपुर का पास में गेट पर पहुंचा जहाँ जिलाधिकारी को एक मंत्रा पत्र दी गई। प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुये मोर्चा अध्यक्ष गोरखनाथ अकेला ने कहा कि =बिना बैकल्पिक व्यवस्था किये किसी गरीब भूमिहीनो का मकान न तोड़ी जाए, एवं 30 वर्षों से जिसका मकान किसी जमीन पर है उस

जमीन का पूरा स्वामित्व दिया जाए, साथ ही कहा कि सरकार के घोषणानुसार सभी भूमिहीनो को 3 डिसमिल जमीन जल्द दी जाए। प्रवक्ता ललन प्रसाद नट ने कहा कि ओवरबूज के पास बसे गरीबो एवं जिला के कुरु गरीबो का पर्चा बना हुआ है लेकिन जिला समाहता भोजपुर अंभि तक किसी को पर्चा नहीं दिया, और गरीबो का झोपडी मकान तोड़ने का धमकी बार बार दे रहे हैं, जो गरीब बिराधी मानसिकता दर्शाता हैं, प्रदर्शन को सम्बोधित करने वालों में प्रमोद शर्मा, सीता देवी, पूर्व निगम पार्षद राधिका देवी, पंकी देवी, राजू राम, सीता देवी, आदि मुख्य थे।

आय प्रमाण - पत्र जारी करने में लापरवाही के खिलाफ आरा अंचल पदाधिकारी के समक्ष प्रदर्शन : क्यामुद्दीन अंसारी

प्रातः किरण संवाददाता



आरा। भाकपा माले राज्य कमिटी सदस्य व आरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी क्यामुद्दीन अंसारी ने एक ब्यान जारी कर संवाददाताओं को बतलाया कि आज दिन के लगभग 12 बजे अंचल पदाधिकारी के कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन कर आय प्रमाण पत्र बनाने में लापरवाही और सचेतन देर करने के खिलाफ आवाज बुलंद करते हुए प्रदर्शन किया तथा सभा की।

समाजसेवी उद्योपति ने सड़क दुर्घटना में तड़पते व्यक्ति की जान बचाई

प्रातः किरण संवाददाता



बिहार/झारखंड। भारत प्लस एथेनॉल कंपनी के सीएमडी सह उद्योगपति अजय कुमार सिंह ने आरा से रांची अपने कार्यालय जाने के क्रम में डोभी और बरही के बीच मोटरसाइकिल एक्सीडेंट से तड़पते युवक की जान बचाकर मानवता का मिशाल कायम किया है। इस संदर्भ में प्राप्त जानकारी के अनुसार अजय सिंह अपने सुरक्षा गाई एवं ड्राइवर के साथ अपने निजी वाहन से आरा से रांची अपने कार्यालय जा रहे थे। इसी क्रम में डोभी और बरही के बीच बाइक से एक्सीडेंट कर बीच सड़क पर एक युवक तड़पता हुआ दिखाई दिया। हाइवे पर ट्रक एवं अन्य वाहनों के लाइन लगे हुए थे। युवक मूर्च्छित

पाई। सीएमडी अजय सिंह ने बताया कि अगर युवक हेमलेट पहने रहता तो युवक को सिर्फ हाथ पर में चोट लगती सिर में हेमलेट नहीं रहने के कारण टक्कर में युवक का सिर बुरी तरह से फट जाता आगे उन्होंने बताया कि अगर हम सही समय पर गाड़ी को रोककर मूर्च्छित पड़े युवक को नहीं उठाता, हो हल्ला नहीं करता, पुलिस को नहीं बुलवाता तो युवक के शरीर पर से कई ट्रक व बड़ी गाड़ियां पार कर जातीं युवक की जान बचाकर एक तरफ अजय सिंह मानवता की मिशाल कायम किया तो दूसरी तरफ युवक को नई जिंदगी दे एक मां के संतान को बचाया घटनास्थल पर उपस्थित ग्रामीणों ने अजय सिंह को भगवान का अवतार बताए और उन्हें धन्यवाद ज्ञापन किया।

राजद के छात्र जिलाध्यक्ष बनने आदित्य, लोगों में खुशी

प्रातः किरण संवाददाता

रोहतास। राष्ट्रीय जनता दल के रोहतास जिलाध्यक्ष राजू रंजन उर्फ आदित्य के बनने पर लोगों ने खुशी व्यक्त की। अक्सर पर बिहार प्रदेश छात्र राजद की गणन कुमार के नेतृत्व में सभी जिलों में जिला प्रभारी सह प्रभारी की अधिसूचना जारी कर छात्र पद के प्रभार से मनोनित किया गया। मौके रोहतास छात्र जिलाध्यक्ष आदित्य ने बताया कि नेता मुख्य लक्ष्य व पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव और राजद प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के परामर्श के उपरान्त यह अधिसूचना जारी है। जिसके बाद रोहतास जिला के बिक्रमगंज प्रखंड के नगर परिषद के धारपुर निवासी राजू रंजन कुमार उर्फ आदित्य राजू को जिलाध्यक्ष सह जिला प्रभारी व राहुल राज को सह प्रभारी बनाया गया है। इसकी

सूचना मिलते ही छात्र जिलाध्यक्ष ने खुशी व्यक्त करते हुए बताया कि जिला क्षेत्र में भ्रष्टाचार के खिलाफ सभी छात्र-छात्राओं के हित में आवाज उठाना मेरा मुख्य लक्ष्य रहेगा। साथ ही उनके शिक्षा क्षेत्र के हक को लड़ाई में राज्य व केंद्र सरकार के समक्ष मांगों के प्रति आंदोलन में भी पीछे नहीं हटूंगा।

मजबूती के साथ पार्टी पद को जिम्मेवारी को ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करूँगे। वहीं युवा के छात्र जिलाध्यक्ष बनने पर छात्रों व लोगों सहित राजद कार्यकर्ताओं ने खुशी व्यक्त की है। जबकि सभी मनोनित छात्रों के उज्ज्वल भविष्य को कामना करते हुए काराकाट विधानसभा माले विधायक अरुण कुशवाहा, दिनारा राजद विधायक विजय मण्डल, प्रकाश, रविकान्त, अरुण यादव, राहुल यादव रामपुर अजित यादव, सत्येंद्र यादव सहित अन्य शुभकामनाएं दिया।

तीन दिवसीय किसान मेला समारोह आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता



बिक्रमगंज (रोहतास) : बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर में आयोजित तीन दिवसीय किसान मेला समारोह में 17 फरवरी से 19 फरवरी तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसके तहत कृषि विज्ञान केंद्र बिक्रमगंज एवं जिले के कई किसानों को उनके विभिन्न क्षेत्र में उपलब्धियों के फलस्वरूप पुरस्कारों एवं अवार्ड से नवाजा गया। इस क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक और प्रधान डॉक्टर शोभा रानी को कृषि के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए डॉक्टर गोपाल त्रिवेदी देवप्रताप शोभा रानी को कृषि विज्ञान केंद्र रोहतास के द्वारा मेला प्रदर्शनी में लगाए गए कृषि स्टॉल के लिए द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। उक्त केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर शोभा रानी, डॉक्टर रामाकांत सिंह एवं डॉ रतन

बिक्रमगंज (रोहतास) : बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर में आयोजित तीन दिवसीय किसान मेला समारोह में 17 फरवरी से 19 फरवरी तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसके तहत कृषि विज्ञान केंद्र बिक्रमगंज एवं जिले के कई किसानों को उनके विभिन्न क्षेत्र में उपलब्धियों के फलस्वरूप पुरस्कारों एवं अवार्ड से नवाजा गया। इस क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक और प्रधान डॉक्टर शोभा रानी को कृषि के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए डॉक्टर गोपाल त्रिवेदी देवप्रताप शोभा रानी को कृषि विज्ञान केंद्र रोहतास के द्वारा मेला प्रदर्शनी में लगाए गए कृषि स्टॉल के लिए द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। उक्त केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर शोभा रानी, डॉक्टर रामाकांत सिंह एवं डॉ रतन

कुमार के द्वारा सम्मिलित रूप से ग्रहण किया गया। सबौर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ज्ञान विज्ञान प्रतियोगिता में कई किसान जैसे धनगाई के विशाल कुमार को प्रथम पुरस्कार, अर्जुन सिंह, मसोना को द्वितीय पुरस्कार एवं सुनील कुमार मिजापुर दावध को तृतीय पुरस्कार दिया गया। प्रगतिशील किसान अर्जुन सिंह मसोना को उद्यान प्रदर्शनी में उनके द्वारा लगाए गए आलू परादर्स के लिए द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया

गया। कृषि विज्ञान केंद्र बिक्रमगंज के द्वारा जिले के डेढ़ सौ किसानों को बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर में आयोजित किसान मेला में जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम के तहत राज्य स्तरीय परिभ्रमण कार्यक्रम के लिए ले जाया गया। इसके अंतर्गत विभिन्न तकनीकों का अवलोकन कराया गया। व किसान विभिन्न गांवों जैसे डेढगांव, सुरहुरिया, मसोना, मानपुर, परसा, बरभनी, तार, विशुनिया बाल सहित अन्य गांवों से आये थे।

मेले का जायजा लेने पहुंचे जिप सदस्य विकास सिंह

प्रातः किरण संवाददाता



रामपुर। प्रखंड के बड़वा बाबा पहाड़ी पर प्रत्येक वर्ष शिवरात्रि के दिन होने वाले ऐतिहासिक मेला का तैयारी का जयजा लेने पहुंचे जिला परिषद सदस्य भृषुआ विकास सिंह मौके पर उपस्थित जिला परिषद सदस्य ने बताया कि आज बड़वा बाबा पहाड़ी पर जय लेने के लिए आया हूं आपको

बना दें कि काफी प्राचीन समय से बना हुआ पहाड़ी पर शिवरात्रि के दिन मेला का आयोजन होते आया है जिसमें प्रत्येक वर्ष लाखों की संख्या में

डुमरैठ में पंचायत भवन नहीं बनने पर ग्रामीणों में आक्रोश

प्रातः किरण संवाददाता

कैमूर। भभुआ प्रखंड के ग्राम पंचायत डुमरैठ में पंचायत भवन निर्माण को लेकर सैकड़ों ग्रामीणों ने हंगामा किया। ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने बताया कि डुमरैठ गांव में प्रयास

मात्र में भूमि उपलब्ध होने के बावजूद भी दूसरे गांव के सिंचाना में बनाया जा रहा है। जिसमें पंचायत भवन पर जाने में भारी पैमाने पर ग्रामीणों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

जिला पार्षद कैमूर विकास सिंह ने सभी ग्रामीणों को समझा बूझाकर मामला को रफा दफा किया। जिला परिषद विकास अफक कैमूर से दूर भाष पर बात करके ग्रामीणों को विस्तार

पूर्वक समझाया। ग्रामीणों का कहना है कि जिला प्रशासन से समस्या का निजात नहीं होता है तो धरना प्रदर्शन के अलावे हाई कोर्ट जाने के लिए मजबूर होंगे।

जाप नेता ने किया सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन

प्रातः किरण संवाददाता



पीरो (भोजपुर) नगर परिषद पीरो के लहराबाद गांव के माननीय व्यासजी श्री ब्रहमेदव सिंह जी के गृह प्रवेश के शुभ अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन स्थानीय नेता, समाजसेवी सह जन अधिकार पार्टी लो. के (प्रदेश सचिव) संजय यादव ने फीता काटकर किया, उद्घाटन के पश्चात कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए माननीय नेताजी श्री संजय यादव ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम से आपसी सौहार्द, भाईचारा व मिल्लत का वातावरण कायम होता है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम से साधन ही नहीं बल्कि इससे मानसिक व बौद्धिक विकास भी होता है। इस कार्यक्रम में उपस्थित भोजपुरी के दर्जनों स्थानीय और राष्ट्रीय कलाकारों ने अपने आवाज से लोगों को झुमने पर मजबूर कर

दिए, पूरी रात नायक और गायक कलाकारों ने अपनी आवाज का जादू बिखरते रहे, इस कार्यक्रम के मुख्य प्रबंधक नायक व गायक सह शिक्षक माननीय विवेक कुमार ने कार्यक्रम में आये हुए सभी कलाकारों को फूल-मालाओं से जबरदस्त स्वागत किये, इस मौके पर उपस्थित माननीय रमेश सिंह यादव जी, भोजपुरी गायक, अनिरुद्ध जी, नितीश निराला, जहिरुल्ला यादव, ददन दिलदार, विवेक यादव, राजा भोजपुरिया, बिट्टू बवाली, रामजी सिंह जी, रवि कुमार, सुरेश -कमलेश, संजय कुमार (बोधर), जाप युवा नेता पप्पू कुमार, धीरज सहित हजारों आस-पास के ग्रामीण लोग उपस्थित रहे।

सरस्वती पूजा के अवसर पर फुटबॉल का फाइनल मुकाबला हुआ आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता



आरा। बीमारी गांव के खेल के मैदान में श्री धमाका क्लब के द्वारा सरस्वती पूजा के अवसर पर फुटबॉल का फाइनल मुकाबला हुआ। इस मैच में एक तरफ से इकोना (बड़हरा) की टीम और दूसरी तरफ से दुमरिया की टीम थी। खेल बहुत ही रोमांचक हुआ और खेल में दुमरिया की टीम ने 2-0 से मैच जीत लिया। इस मैच का उद्घाटन राष्ट्रीय जनता दल के व्यवसायी मोर्चा के जिलाध्यक्ष शिव कुमार साह ने किया। वहीं उद्घाटन उद्घाटन करता शिवकुमार शाह ने कहा कि हमारे तरफ से जो भी खिलाड़ियों के लिए सहयोग

चाहिए हम हमेशा सहयोग करेंगे हमारे भोजपुरी में ऐसे से खिलाड़ी हैं जो कि हिंदुस्तान के कोने में भोजपुरी का नाम रोशन करेंगे और हम चाहेंगे सरकार से कि हमारे इससे गांव में खेल का मैदान स्टेडियम का निर्माण हो खेले को देखने के लिए आसपास दिखाओ उमड़ी भीड़ लोगों ने खनिजों का ताली बजाकर हौसला बुलंद किया।

अनुष अगववला ने घुड़सवारी में पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल किया

● एशियन गेम्स में जीत चुके हैं घुड़सवारी की ड्रेसाज इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एशियन गेम्स के मेडलिस्ट अनुष अगववला ने घुड़सवारी की ड्रेसाज इवेंट में देश के लिए पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया है। भारतीय घुड़सवारी महासंघ ने सोमवार को इसकी घोषणा की। अनुष ने पिछले साल चीन के हांगझोड में हुए एशियन गेम्स में ड्रेसाज में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।



आईईएफ महासचिव कर्नल जयवीर सिंह ने बधाई दी - भारतीय घुड़सवारी संघ के महासचिव कर्नल जयवीर ने अनुष के कोटा हासिल की जानकारी देते हुए कहा कि ड्रेसाज के इंडिविजुअल इवेंट में कोटा की जानकारी इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर इक्विट्रियन स्पोर्ट्स (एफईआई) से मिली है। यह गर्व की बात है कि अनुष को यह कोटा एफईआई के आयोजित इवेंट में लगातार बेहतर प्रदर्शन के आधार पर मिला है। अनुष को इसके लिए बधाई।

अनुष को चार इवेंट में प्रदर्शन के आधार पर मिला कोटा - अनुष को इस साल पेरिस में होने वाले ओलंपिक गेम्स के लिए कोटा चार इवेंट के आधार पर मिला है। उन्हें इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर इक्विट्रियन स्पोर्ट्स के पोलैंड, नीदरलैंड्स, जर्मनी और बेल्जियम में आयोजित प्रतियोगिता में उनके प्रदर्शन के आधार पर मिला है।

अनुष बोले- बचपन का सपना था, ओलंपिक का हिस्सा बनना - ओलंपिक कोटा हासिल करने के बाद 24 साल के अनुष ने कहा कि बचपन से मेरा सपना था कि मैं ओलंपिक गेम्स का हिस्सा बनूँ। कोटा मिलने से मेरा सपना पूरा होगा।

अनुष से पहले भी 7 घुड़सवार ओलंपिक में कर चुके हैं देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इससे पहले फवाद मिर्जा ने टोक्यो 2020 ओलंपिक में घुड़सवारी में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। वहीं इम्तियाज अनीस (सिडनी 2000), इंद्रजीत लांबा (अटलांटा 1996), जितेंद्रजीत सिंह अहलवालिया, हुसैन सिंह, मोहम्मद खान और दरिया सिंह (सभी मॉस्को 1980) ने भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

वानिंदु हसरंगा के टी-20 में 100 विकेट पूरे

मलिंगा का रिकॉर्ड तोड़ा, एलीट लिस्ट में हुए शामिल

दांबुला (एजेंसी)। श्रीलंकाई स्पिन सनसनी वानिंदु हसरंगा 100 टी20आई विकेट लेने वाले दूसरे श्रीलंकाई बन गए हैं। हसरंगा ने टी20आई में 100 विकेट की बाधा को पार किया, इस मील के पथर तक पहुंचने वाले



कुल ग्यारहवें खिलाड़ी और लसिथ मलिंगा के बाद दूसरे श्रीलंकाई गेंदबाज बने। इसी के साथ ही उन्होंने टी20 आई में मलिंगा के सबसे तेज 100 विकेट लेने के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। लेग स्पिनर वर्तमान में टी20आई टीम के कप्तान हैं, ने दांबुला में अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20आई के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हसरंगा ने 2019 में अपने पदार्पण के बाद से पुरुषों के टी20आई में किसी भी अन्य गेंदबाज की तुलना में अधिक विकेट लिए हैं। मलिंगा 100 से अधिक टी20आई विकेट लेने वाले एकमात्र अन्य श्रीलंकाई गेंदबाज हैं। जहां मलिंगा ने अपने 76वें टी20आई में यह उपलब्धि हासिल की, वहीं हसरंगा ने अपने 63वें टी20आई में ऐसा किया। इससे वह राशिद खान के बाद दूसरे सबसे तेज 100 टी20आई विकेट लेने वाले खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने 2021 में 53 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की थी। हसरंगा ने सोमवार को दांबुला में अपने चार ओवरों में 2/19 के आंकड़े के साथ समापन किया। अब उनके 63 टी20आई में 15.36 की औसत और 6.78 की इकॉनमी रेट से 101 विकेट हैं। श्रीलंका ने दूसरे टी20 मैच में अफगानिस्तान को हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है।

नासिर हुसैन ने बेन डकेट के बयान की आलोचना की, बोले

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने बेन डकेट के बयान की आलोचना की है। इंग्लिश टीम के ओपनर डकेट ने यशस्वी की पारी पर कहा था कि इंग्लैंड के बैजबॉल को देखकर ही भारतीय खिलाड़ी भी तेज खेल रहे हैं।

इस पर नासिर हुसैन ने स्काई स्पोर्ट्स के पॉडकास्ट शो में कहा, यशस्वी जायसवाल ने तुमसे कुछ नहीं सीखा है, उसने अपने जीवन की कठिनाइयों से सीखा है। उसने इंडियन प्रीमियर लीग से सीखा है। इंग्लैंड की टीम को उससे (यशस्वी जायसवाल) से सीखना चाहिए।

यशस्वी के तेज खेलने का क्रेडिट हमें जाना चाहिए- डकेट - यशस्वी तीसरे मैच के तीसरे दिन दूसरी

यशस्वी जायसवाल ने आपसे कुछ नहीं सीखा, इंग्लैंड को उनसे सीखना चाहिए

पारी में बैक इंजरी की वजह से अपने 104 रन के स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। हालांकि, यशस्वी दूसरी पारी के चौथे दिन फिर बैटिंग करने उतरे और नाबाद 214 की पारी खेली। तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद डकेट ने कहा, उन्होंने (यशस्वी) जिस अंदाज में बल्लेबाजी की उसका श्रेय इंग्लैंड की टीम को जाना चाहिए। क्योंकि इंग्लैंड की (बैजबॉल) बल्लेबाजी को देखकर ही उन्होंने तेजी से रन बनाने का सोचा, जिसमें वो सफल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, जब आप विपक्षी टीम के खिलाड़ियों को इस तरह से बैटिंग करते देखते हैं, तो ऐसा लगता है कि हमें कुछ क्रेडिट लेना चाहिए। वे टेस्ट क्रिकेट



खेलने के तरीके से अलग खेल रहे हैं। इंग्लैंड टीम चौथी पारी में 122

रन ही बना सकी - टीम इंडिया ने रविवार को राजकोट टेस्ट रिकॉर्ड 434 रन से जीत लिया। मैच के चौथे दिन 557 रन के टारगेट के सामने इंग्लैंड टीम चौथी पारी में 122 रन ही बना सकी। रन के अंतर से टीम इंडिया की यह सबसे बड़ी जीत रही। इससे पहले टीम ने 2021 में मुंबई के वानखेड़े मैदान पर न्यूजीलैंड को 372 रन से हराया था। निरंजन शाह स्टेडियम में पहली पारी में भारत ने 445 और इंग्लैंड ने 319 रन बनाए थे। भारत ने दूसरी पारी 430/4 पर डिक्लेयर की थी। भारत पांच मैचों की पारी में 2-1 से आगे है।

क्या होता है बैजबॉल - क्रिकेट

बुक में कोई ऑफिशियल बैजबॉल थ्योरी नहीं है, लेकिन इसे इंग्लैंड की टेस्ट टीम के नए अटेकिंग अप्रोच को दर्शाने के लिए नाम दे दिया गया। बैजबॉल 2 शब्दों से मिलकर बना है, इसमें बैज और बॉल शामिल हैं। बैज इंग्लैंड की टेस्ट टीम के हेड कोच ब्रेंडन मैक्कुलम का निकनेम है और बॉल क्रिकेट का एक एलिमेंट, जिसके बिना खेल पॉसिबल ही नहीं है। इन दोनों शब्दों को मिलाकर बैजबॉल बनाया गया। मैक्कुलम न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर हैं और वे अपने करियर के दौरान बहुत अटेकिंग बैटिंग करते थे। ओपनिंग करते हुए वे पहली से आखिरी बॉल तक बड़े शॉट्स लगाने पर ही फोकस करते थे। उन्हीं की स्टेजो को अब बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली इंग्लैंड टेस्ट टीम ने अपना लिया।

'ये आजकल के बच्चे'

रोहित ने अलग अंदाज में यशस्वी, सरफराज और जुरेल की तारीफ की

राजकोट (एजेंसी)। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने यशस्वी जायसवाल, सरफराज खान और ध्रुव जुरेल की अलग अंदाज में तारीफ की है। रोहित ने सोमवार, 19

ज्यादा है। यशस्वी का इस सीरीज में यह दूसरा दोहरा शतक था। उन्होंने सीरीज के पहले मैच में भी डबल सेंचुरी लगाई थी। यशस्वी ने अब तक केवल 7 ही टेस्ट खेले हैं। पिछले साल ही उन्होंने टेस्ट डेब्यू किया था।

सरफराज ने डेब्यू मैच में दोनों इनिंग्स में अर्धशतक जमाए - 26 साल के राइट हैंड बैटर सरफराज खान का यह पहला इंटरनेशनल मैच था। सरफराज ने डेब्यू मैच की दोनों इनिंग्स में अर्धशतक जमाए। पहली इनिंग्स में उन्होंने 66 बॉल पर 62 रन की पारी खेली। रवींद्र जडेजा के साथ कप्तान के चलते सरफराज रनआउट हो गए। 82वें ओवर की पांचवीं बॉल पर मिड ऑन की ओर शॉट खेलने के बाद जडेजा रन लेने के लिए आगे आए, सरफराज भी दूसरे छोर से दौड़ पड़े। जडेजा ने सरफराज को रन लेने के लिए मना किया, लेकिन जैसे ही

सरफराज क्रीज की ओर वापस आ रहे थे, मार्क वुड ने डायरेक्ट श्रो कर उन्हें रनआउट कर दिया।

दूसरी पारी में सरफराज 68 रन बनाकर नाबाद लौटे - सरफराज खान डेब्यू मैच की दोनों इनिंग्स में अर्धशतक लगाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बने। सरफराज से पहले, 1934 में इंग्लैंड के खिलाफ दिलवार हुसैन, 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सुनील गावस्कर ने और श्रेयस अय्यर ने 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ डेब्यू पर दो बार 50 से ज्यादा का स्कोर बनाया था।

जुरेल ने 46 रन की पारी खेली - 23 साल के विकेटकीपर बैटर ध्रुव जुरेल ने राजकोट में टेस्ट डेब्यू किया। जुरेल टेस्ट में डेब्यू करने वाले 312वें खिलाड़ी रहे। जुरेल ने भी इस मुकामले में 46 रन की पारी खेली। उन्होंने विकेटकीपिंग में अहम योगदान दिया। पहली पारी में रवींद्र जडेजा की बॉल पर टॉम हार्टले को स्टंप आउट किया। दूसरी पारी में भी जडेजा की ही बॉल पर बेन फॉक्स को स्टंप आउट किया। वहीं बेन डकेट को मोहम्मद सिराज के श्रो पर रन आउट कराया।



रनआउट हो गए। 82वें ओवर की पांचवीं बॉल पर मिड ऑन की ओर शॉट खेलने के बाद जडेजा रन लेने के लिए आगे आए, सरफराज भी दूसरे छोर से दौड़ पड़े। जडेजा ने सरफराज को रन लेने के लिए मना किया, लेकिन जैसे ही

महिलाओं के लिए भारत में रहना मुश्किल

भारतीय महिला हॉकी कोच शोपमैन ने कहा - महिला कोच और प्लेयर्स के साथ भेदभाव होता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम की पहली महिला कोच जेनेक शोपमैन ने खुलासा किया कि उन्हें अपने कार्यकाल के दौरान किसनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

भारतीय महिला टीम के कोच के रूप में अपने अनुभवों के बारे में इंडियन एक्सप्रेस से शोपमैन बात करते हुए, पिछले दो सालों में मुझे बहुत अकेलापन महसूस हुआ। भारत महिलाओं के लिए बहुत मुश्किल देश है। मैं उस संस्कृति से आती हूँ जहाँ महिलाओं का सम्मान किया जाता है और उन्हें महत्व दिया जाता है। मुझे यहाँ ऐसा महसूस नहीं होता।



रविवार को एफआईएच प्रो लीग में अमेरिका के खिलाफ मैच के बाद, शोपमैन ने भारत में खेल में जेंडर से जुड़ी असमानता पर बात की। उन्होंने एक महिला के रूप में अपनी भूमिका में आने वाली दिन-प्रतिदिन की मुश्किलों पर अपनी निराशा व्यक्त की।

विमेंस और मेंस टीम के साथ अलग व्यवहार होता है- शोपमैन - शोपमैन ने कहा कि, 'मैं इस अंतर को देखती हूँ कि मेरे और मेंस कोच के साथ अलग व्यवहार किया जाता है। यहाँ तक की मेंस टीम और विमेंस टीम को भी अलग ट्रीटमेंट मिलता है। विमेंस प्लेयर्स कभी शिकायत नहीं करती, वे बहुत मेहनत करती हैं। शोपमैन नीदरलैंड की खिलाड़ी रह चुकी है। उन्होंने 2004 में आर्जेन्टिना के साथ ओलंपिक 2004 में सिल्वर और 2008 में गोल्ड जीता था।

2020 में भारतीय टीम में शामिल हुई शोपमैन - जेनेक शोपमैन 2020 में भारतीय टीम में बतौर एनालिटिकल कोच शामिल हुई थीं। टोक्यो ओलंपिक्स के बाद वे टीम की हेड कोच बन गईं। शोपमैन की कोचिंग में भारतीय महिला हॉकी टीम के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला। हेड कोच बनने के बाद, शोपमैन ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में टीम को ब्रॉन्ज जिताया। वहीं, एशियन गेम्स 2022 में ब्रॉन्ज, एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में गोल्ड और मस्कट में 2022 एशिया कप में एक और ब्रॉन्ज दिलाया।

आईपीएल 2024 की तारीख आई सामने

अध्यक्ष अरुण धूमल ने बताया 22 मार्च शुरू होगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का आगामी चरण 22 मार्च से शुरू होगा और लोकसभा चुनावों के बावजूद इसका आयोजन पूरी तरह से देश में ही होगा। आईपीएल के अध्यक्ष अरुण धूमल ने यह जानकारी दी। आम चुनाव के अप्रैल और मई में होने की संभावना है और यही कारण है कि आईपीएल के 17वें सत्र का कार्यक्रम अभी तक जारी नहीं किया गया है। धूमल ने कहा कि शुरुआत में इस लीग के केवल पहले 15 दिनों के कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी। बाकी मैचों के कार्यक्रम की घोषणा आम चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद होगी। लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा अगले महीने की शुरुआत में होने की संभावना है। धूमल ने कहा, 'हम टूर्नामेंट को 22 मार्च से शुरू करने की योजना बना रहे हैं। हम



सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हम सबसे पहले शुरुआती कार्यक्रम जारी करेंगे। पूरा टूर्नामेंट भारत में आयोजित किया जाएगा। इससे पहले 2009 में

आम चुनावों के दौरान आईपीएल के पूरे सत्र का आयोजन दक्षिण अफ्रीका में हुआ था जबकि 2014 में इसके कुछ मैचों का आयोजन यूई में हुआ था। इसके बाद 2019 के आम चुनावों के दौरान इस लीग का आयोजन पूरी तरह से देश में ही हुआ था। जून में होने वाले टी20 विश्व कप के मद्देनजर आईपीएल के फाइनल का आयोजन 26 मई को हो सकता है। भारतीय टीम टी20 विश्व कप में पांच जून को न्यूयॉर्क में आयरलैंड के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी। इस टूर्नामेंट का आगाज एक जून को अमेरिका और कनाडा के मैच के साथ होगा। आमतौर पर आईपीएल का उद्घाटन मैच पिछले साल के विजेता और उपविजेता के बीच होता है। ऐसे में इसका शुरुआती मुकामला चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच खेले जाने की संभावना है।

आज नीदरलैंड के खिलाफ बढ़े जोश के साथ उतरेगी भारतीय टीम

राउरकेला (एजेंसी)। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 के भुवनेश्वर चरण में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम बुधवार को यहाँ नीदरलैंड के खिलाफ बढ़े मनोबल के साथ जीत के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारत ने भुवनेश्वर में स्पेन पर 4-1 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, इसके बाद दुनिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम नीदरलैंड के खिलाफ शूटआउट में 2-2 (4-2) की रोमांचक जीत हासिल की। इसके बाद, भारत को ऑस्ट्रेलिया से 4-6 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन उसने आयरलैंड पर 1-0 की जीत के साथ वापसी की और भुवनेश्वर चरण का समापन शानदार तरीके से किया। राउरकेला चरण में आगे बढ़ते हुए भारत ने एक करोड़ी मुकामले में स्पेन के खिलाफ 2-2 (8-7) शूटआउट जीत हासिल करके लय को बरकरार रखा है। बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में प्रो लीग के रिवर्स लेंग में भारत अपने अगले मैच में नीदरलैंड से भिड़ने के लिए तैयार है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने पिछले दो मुकामलों में नीदरलैंड के खिलाफ विजयी रही है।

आनंद महिंद्रा ने सरफराज के पिता को थार ऑफर की

मुंबई (एजेंसी)। राजकोट में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने के साथ ही सरफराज खान का लंबा इंतजार खत्म हो गया। भारतीय टीम के पिता सरफराज ने पहला इंटरनेशनल मैच उनके पिता नीशाद के सामने आया, जो क्रिकेटर की सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। इसी बीच महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने सरफराज के पिता को थार जीप ऑफर की है। आनंद महिंद्रा ने शुकवार को सरफराज पर बीसीसीआई के एक वीडियो पर रिएक्ट करते हुए एक्स पर लिखा - हिम्मत नहीं छोड़ना, बस। कड़ी मेहनत, साहस और धैर्य, एक पिता के लेने के लिए मना किया, लेकिन जैसे ही बेहतर गुण और क्या हो सकते हैं? एक

प्रेरणादायक माता-पिता होने के नाते, यह मेरा सौभाग्य और सम्मान होगा अगर नीशाद खान थार का गिफ्ट स्वीकार करें। सरफराज ने डेब्यू मैच में दोनों इनिंग्स में अर्धशतक जमाए - सरफराज खान ने डेब्यू मैच की दोनों इनिंग्स में अर्धशतक जमाए। पहली इनिंग्स में उन्होंने 66 बॉल पर 62 रन की पारी खेली। रवींद्र जडेजा के साथ कप्तान के चलते सरफराज रनआउट हो गए। 82वें ओवर की पांचवीं बॉल पर मिड ऑन की ओर शॉट खेलने के बाद जडेजा रन लेने के लिए आगे आए, सरफराज भी दूसरे छोर से दौड़ पड़े। जडेजा ने सरफराज को रन लेने के लिए मना किया, लेकिन जैसे ही सरफराज क्रीज की ओर वापस आ रहे थे, मार्क



कहा - हिम्मत नहीं छोड़ना, सरफराज ने राजकोट में किया टेस्ट डेब्यू

वुड ने डायरेक्ट श्रो कर उन्हें रनआउट कर दिया। दूसरी पारी में सरफराज 68 रन बनाकर नाबाद लौटे। डेब्यू में दोनों पारियों में अर्धशतक जमाने वाले चौथे भारतीय बने सरफराज - सरफराज खान डेब्यू मैच की दोनों इनिंग्स में अर्धशतक लगाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बने। सरफराज से पहले, 1934 में इंग्लैंड के खिलाफ दिलवार हुसैन, 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सुनील गावस्कर ने और श्रेयस अय्यर ने 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ डेब्यू पर दो बार 50 से ज्यादा का स्कोर बनाया था। महिंद्रा अक्सर खिलाड़ियों को देते हैं थार, भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले हैं।

एथलीट को थार गिफ्ट कर चुके हैं। इसमें शुभमन पिल्ल, मोहम्मद सिराज, नवदीप सैनी, शार्दूल ठाकुर, वाशिंगटन सुंदर और टी नटराजन शामिल हैं। थार की बात करें तो सेकंड जेनेरेशन महिंद्रा थार भारतीय बाजार में एक लोकप्रिय एसयूवी बन चुकी है। नई थार ने अपने लुक-स्टाइल और फीचर्स लिस्ट की बदौलत लोगों का ध्यान आकर्षित करती है। लॉन्च होने के बाद इसे काफी अच्छे रिसॉन्स मिला था। थार की बात करें तो सेकंड जेनेरेशन महिंद्रा थार भारतीय बाजार में एक लोकप्रिय एसयूवी बन चुकी है। नई थार ने अपने लुक-स्टाइल और फीचर्स लिस्ट की बदौलत लोगों का ध्यान आकर्षित करती है। लॉन्च होने के बाद इसे काफी अच्छे रिसॉन्स मिला था।

संक्षिप्त समाचार

अजमेर के सेंट्रल जेल में दो कैदियों का खून खेल, एक कैदी की मौत

अजमेर, एजेंसी। राजस्थान के अजमेर जिले की हाईटेक सेंट्रल जेल में विचाराधीन कैदी ने साथी के साथ जेल प्रहरी पर नुकुली सरिए से जानलेवा हमला कर दिया। घायल प्रहरी को अस्पताल में भर्ती करवाने के 4 घंटे बाद हमले के आरोपी संक्रामक रोगी श्रवण सोनी की सर्दिग्ध हालात में मौत हो गई। दोपहर में सेंट्रल जेल के वार्ड 9 की कोठरी में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदी जयपुर निवासी श्रवण सोनी व विचाराधीन बंदी उदयपुर निवासी फरदीन उर्फ गांजा ने हैडक्वार्टरबल राजेश विश्नोई को टीवी ठीक करने बुलाया। पुलिस के अनुसार वार्ड में पहुंचे राजेश को फरदीन ने पीछे से दबोच लिया। इसी बीच श्रवण ने नुकुली सरिए से तांबड़तोड़ हमला कर लहलुहान कर दिया। राजेश के वायरलेस सेट अलार्म बजाते ही जेल के बाकी प्रहरी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने राजेश को जेल एलएन अस्पताल पहुंचाया। जेल प्रशासन की रिपोर्ट पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने कैदी श्रवण सोनी और फरदीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। शाम 6 बजे कैदी श्रवण को जेल प्रहरी जेल एलएन अस्पताल की आपातकालीन इकाई में लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने सीपीआर दिया। लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना से पुलिस प्रशासन में हड़कम्प मच गया। एएसपी (शहर) महमूद खान सहित अन्य पुलिस अधिकारी पहुंचे। शव निरीक्षण करने के बाद मोर्चरी में रखवाया।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर



चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर किसानों से जुड़े मुद्दों सहित पंजाब से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत की है। बताया जा रहा है कि अमरिंदर सिंह ने किसानों के आंदोलन से जुड़े मुद्दों और तथ्यों से प्रधानमंत्री मोदी को अवगत कराया। वहीं दोनों नेताओं के बीच आने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों और पंजाब से जुड़े कई अहम मुद्दों पर भी चर्चा हुई। पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुलाकात की तस्वीरों को शेयर करते हुए एक्स पर पोस्ट कर बताया, किसानों से जुड़े मुद्दों सहित पंजाब से जुड़े मुद्दों पर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के साथ विस्तृत बैठक हुई।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सुल्तानपुर कोर्ट से मिली जमानत



सुल्तानपुर, एजेंसी। भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी से जुड़े मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर कोर्ट से जमानत मिल गई है। दरअसल, यह मामला राहुल गांधी द्वारा वर्ष 2018 में कांग्रेस के अधिवेशन में तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी करने से जुड़ा है, जिसमें राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस में कोई हत्यारा राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बन सकता है। कांग्रेसजन किसी हत्यारा को राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वीकार नहीं कर सकते हैं। यह भाजपा में ही पोसिबल है। नवीन जे ने राहुल गांधी के इस बयान के खिलाफ रांची सिविल कोर्ट में शिकायतवादा दर्ज कराई थी।

इमरान खान की बहन ने पाक अदालत में दायर की याचिका, जेल में बंद बुशरा बीबी की मेडिकल जांच की मांग

इस्लामाबाद, एजेंसी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर उनकी पत्नी बुशरा बीबी की मेडिकल जांच की मांग की है। खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया है कि पूर्व प्रथम महिला को एक सप्ताह पहले केमिकल युक्त भोजन दिया गया था, जिससे उनका गला और पेट जल गया है। पार्टी ने सोमवार को कहा कि 49 वर्षीय बुशरा खान ने अस्वस्थ हैं और अस्वस्थ हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने उन्हें चिकित्सा उपचार देने से वंचित कर दिया है। पार्टी ने दावा किया है, नवीन नाथान, फासीवादी, सत्तावादी शासन द्वारा इमरान

खान की पत्नी पर एक हमला था, जो खान पर दबाव डालने का एक व्यर्थ प्रयास था। खान की बहन, उज्मा खान ने अदालत में याचिका दायर की कि शौकत खानम मेमोरियल अस्पताल के चिकित्सा निदेशक, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ असीम यूसुफ को जेल के मेडिकल डॉक्टर की उपस्थिति में खान की पत्नी की मेडिकल जांच करने की अनुमति दी जाए। पार्टी ने अदालत में दायर याचिका की तस्वीरें भी साझा की, जिसमें कहा गया है, -यह प्रार्थना की जाती है कि यदि डॉ. असीम यूसुफ द्वारा सलाह दी जाती है, तो बुशरा बीबी की चिकित्सा जांच पीआईएमएस में डॉ. असीम यूसुफ की उपस्थिति में वरिष्ठ डॉक्टरों द्वारा की जाएगी। पिछले हफ्ते पीटीआई ने बुशरा बीबी के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की थी और दावा किया



था कि उनकी जान को गंभीर खतरा है। पिछले महीने तोशखाना भ्रष्टाचार मामले में एक जवाबदेही अदालत द्वारा दंपती को 14 साल जेल की सजा सुनाए जाने के बाद से बुशरा बीबी जेल में हैं। 71 वर्षीय खान रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में बंद हैं। इन

दोनों को तोशखाना महगे उपहार मामले और इन्हें दोनों में कई वर्षों की सजा के साथ दोषी ठहराया गया है, जिसने 2018 में उनकी शादी को गैर-इस्लामिक घोषित किया था। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, 8 फरवरी के आम चुनावों में, खान की पार्टी द्वारा समर्थित 92 स्वतंत्र

कहीं उद्धव ठाकरे और कांग्रेस में तकरार, कुछ पर अड़े शरद पवार; एमवीए में 8 सीटों पर फंसा पेच



मुंबई, एजेंसी। लोकसभा चुनाव में कुछ महीनों का ही समय बाकी है और अब तक एमवीए यानी महाविकास अघाड़ी में सीट शेयरिंग पर बात नहीं बन सकी है। कहा जा रहा है कि महाराष्ट्र की 48 में से सिर्फ 8 सीटों पर पेच फंसा रहा है। हालांकि, अब तक एमवीए के किसी भी दल की तरफ से इन सीटों को लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। ईसीआई यानी भारत निर्वाचन आयोग फरवरी के अंत में या मार्च के पहले सप्ताह में तारीखों का ऐलान कर सकता है।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि 8 सीटों में अकोला, भंडारा-गोंदिया,

हिंगोली, कोल्हापुर, मुंबई दक्षिण मध्य, मुंबई उत्तर पश्चिम, नाशिक, पुणे और वर्धा का नाम शामिल है। एमवीए में हाल ही में प्रकाश आंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) की एंट्री हुई है। इसमें शामिल प्रमुख दल शिवसेना (यूबीटी), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस हैं।

नाशिक- साल 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां अविभाजित शिवसेना के हेमंत गोडसे ने एनसीपी के समीर भुजबल को हरा दिया था। अब गोडसे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना और भुजबल डिटी सीएम अजित पवार की एनसीपी में हैं।

कोल्हापुर- खास बात है कि इस सीट अपने-अपने

मजबूत कैडर के चलते तीनों दल दावा पेश कर रहे हैं। यहां बीते चुनाव में अविभाजित शिवसेना के संजय मांडलिक ने एनसीपी के धनंजय महाडिक को हराया था। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि यहां से छत्रपति शाहू महाराज के वंशज श्रीमंत शाहू छत्रपति को विपक्ष के उम्मीदवार के तौर पर उतारा जा सकता है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि वह किस चिह्न के साथ मैदान पर उतरेगा, फिलहाल यह तय नहीं किया जा सका है।

मुंबई दक्षिण मध्य- कहा जा रहा है कि दादर को कवर करने के चलते यह सीट शिवसेना (यूबीटी) के लिए साख का विषय बन गई है। दरअसल, दादर में ही पार्टी का मुख्यालय था। साल 2019 में यहां से अविभाजित शिवसेना के राहुल शोवाले ने कांग्रेस के एकनाथ गायकवाड़ को डेढ़ लाख से ज्यादा मतों से हराया था। इसके बाद शोवाले शिंदे कैंप में शामिल हो गए। कहा जा रहा है कि इस सीट से मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ टिकट की कोशिश में हैं। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) किसी ऐसे उम्मीदवार को मैदान में उतारना चाहती है, जो शोवाले को हरा सके। मुंबई उत्तर पश्चिम- साल 2019 में यहां से अविभाजित शिवसेना के गजानन कीर्तिकार ने कांग्रेस के संजय निरुपम को हराया था। फिलहाल, कीर्तिकार शिवसेना में हैं, लेकिन उनके बेटे अमोल शिवसेना (यूबीटी) के ही साथ हैं और माना जा रहा है कि वह भी टिकट के दावेदार हो सकते हैं। जबकि, इस सीट से निरुपम फिर टिकट की मांग कर रहे हैं। खबर है कि ठाकरे ने पहले ही मुंबई दक्षिण मध्य और उत्तर पश्चिम की सीटों के लिए पर्यवेक्षकों का ऐलान कर दिया है।

प्रियंका गांधी को अस्पताल से मिली छुट्टी, 24 को मुरादाबाद में भाई राहुल की यात्रा से जुड़ने की तैयारी

मुरादाबाद, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। वह एक बार फिर अपने भाई राहुल गांधी का साथ देने के लिए उनकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा से जुड़ेंगी। प्रियंका, 20 फरवरी को मुरादाबाद में इस यात्रा से जुड़ेंगी। न्यूज एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। इससे पहले प्रियंका गांधी ने बीमार पड़ने की वजह से राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल नहीं हो पा रही थीं। 16 फरवरी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए उन्होंने इस पर अफसोस भी जताया था। तब प्रियंका ने लिखा था- मैं बड़े चाव से उत्तर प्रदेश में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के पहुंचने का इंतजार कर रही थी, लेकिन बीमारी की वजह से मुझे आज ही अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। स्वास्थ्य थोड़ा बेहतर होते ही मैं यात्रा में शामिल होऊंगी। तब तक के लिए मैं, चंद्रौली-बनारस पहुंच रहे सभी यात्रियों, पूरी मेहनत से यात्रा की तैयारी में लगे उत्तर प्रदेश के मेरे सहयोगियों और प्यारे भाई को शुभकामनाएं देती हूँ। बता दें कि पहले कांग्रेस सूत्रों ने बताया था कि प्रियंका गांधी चंद्रौली में यात्रा से जुड़ेंगी। इसी बीच शरीर में पानी की कमी और पेट में संक्रमण की शिकायत पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इलाज के बाद अब वह स्वस्थ हैं और एक बार फिर भाई राहुल गांधी की न्याय यात्रा में शामिल होने की तैयारी में हैं। उधर, सोमवार को राहुल गांधी ने अमेठी से अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा फिर से शुरू की। वहां उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 40 साल में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है।



हिंसा मामले में हल्लानी के पेट्रोल पंपों पर रडार, वनभूलपुरा में जमकर चले थे 'बोतल बम'

हल्लानी, एजेंसी। हल्लानी हिंसा के दौरान वनभूलपुरा में बड़ी संख्या में पेट्रोल बम का इस्तेमाल हुआ है। पुलिसकर्मियों को टारगेट कर उनपर पेट्रोल बम फेंके गए। हिंसा के दौरान पथरबाजी के साथ आगजनी से माहौल खराब हो गया था।

दंगाइयों को गिरफ्तार करने के साथ ही भड़की हिंसा के मामले में पुलिस ने शहर के पेट्रोल पंपों को भी जांच के दायरे में लिया है। हिंसा के दौरान आगजनी और पेट्रोल बम बनाने के लिए इंधन कब और कहां-कहां से खरीदा गया, इसकी जांच की जा रही है। सभी पेट्रोल पंपों की उपद्रव से सात दिन पहले से लेकर उपद्रव वाले दिन तक की फुटेज खंगाली जा रही है। बीती आठ फरवरी को वनभूलपुरा हिंसा में पथराव के साथ-साथ क्षेत्र में आगजनी भी हुई थी। उपद्रवियों ने पेट्रोल बमों का भी इस्तेमाल किया था। वनभूलपुरा थाने को फूंकने में भी इनका इस्तेमाल किया था। उपद्रवियों ने क्षेत्र के अलग-अलग



हिस्सों में वाहनों को जलाकर हिंसा भड़काई। ऐसे में इतनी बड़ी मात्रा में ज्वलनशील पदार्थ उपद्रवियों के पास कब और कैसे पहुंचा, यह पुलिस जांच का अहम हिस्सा है। इसकी जांच के लिए पुलिस ने शहर भर के पेट्रोल पंप मीणाने में बताया कि हिंसा मामलों में मुताबिक, हल्लानी हिंसा के मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक के कुछ परिचितों के

पेट्रोल पंप संचालित होने का इन्फुट भी पुलिस को मिला है। इस पहलू को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है।

बम के लिए पेट्रोल सप्लाई करने वाला हथ्ये चढ़ा: एसएसपी पीपल मीणाने ने बताया कि हिंसा मामलों में पुलिस ने जिस अरबाज नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया है, उसके पास से नौ

लीटर पेट्रोल बरामद हुआ है। अरबाज ने ही हिंसा के दौरान शहजाद और फैजान को पेट्रोल बम बनाने के लिए पेट्रोल सप्लाई किया था। इसके बाद से पेट्रोल सप्लाई को लेकर जांच और भी तेज हो गई है।

सभी पेट्रोल पंपों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जांची जा रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पेट्रोल पंप पर बोतल, गैलन के साथ-साथ एक ही दिन में बार-बार किसी दोपहिया अथवा चार पहिया वाहनों के एक ही या अलग-अलग पंपों पर पहुंचने की जांच की जा रही है। ऐसे वाहनों को चिह्नित कर पुलिस उनकी तलाश करेगी।

हिंसा में बड़ी संख्या में पेट्रोल बम का इस्तेमाल: हल्लानी के वनभूलपुरा को हिंसा में बड़ी संख्या में पेट्रोल बमों का इस्तेमाल किया गया। दबिश और गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने एक आरोपी के घर से भी पेट्रोल बम और दूसरे के पास से पेट्रोल भी बरामद हुआ है।

रूस ने अवदीवका में कोक व रासायनिक संयंत्र पर किया नियंत्रण

मॉस्को, एजेंसी। देश के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रूसी सेना ने अवदीवका कोक और रासायनिक संयंत्र पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को कहा गया कि रूसी सेना ने अवदीवका शहर में कोक और रासायनिक संयंत्र को पूरी तरह से मुक्त करा लिया है।

इसमें कहा गया है कि रूसी सैनिकों ने यूक्रेनी सेना की 71वीं जैगर और 23वीं मैकेनाइज्ड ब्रिगेड के साथ-साथ डोनेटस्क में 116वीं क्षेत्रीय रक्षा ब्रिगेड पर भी हमला किया। मंत्रालय के अनुसार, इस दिशा में यूक्रेन के 565 सैनिक मारे गए और घायल हुए। पिछले दिनों दो बख्तरबंद



लड़ाकू वाहन, 23 मोटर वाहन, दो अमेरिका निर्मित एम777 हॉवित्जर और एक डी-30 हॉवित्जर नष्ट कर दिए गए।

यूरोपीय संघ ने की गाजा में तत्काल युद्धविराम की मांग, 27 में से 26 देश हुए राजी; रफा शहर को लेकर की ये अपील

एएफपी, ब्लूसेल्स, एजेंसी। इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष में अब तक 29 हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई है। वहीं, इजरायल हमास के आतंकवादियों पर लगातार कार्रवाई कर रहा है। इस बीच, यूरोपीय संघ ने गाजा में तुरंत युद्धविराम की मांग की है। ध के विदेश नीति प्रमुख जोसेप बोरेल ने कहा कि हंगरी को छोड़कर सभी 26 देशों ने एकजुटता दिखाई है। उन्होंने कहा कि 26 देशों के विदेश मंत्रियों ने गाजा में तत्काल मानवीय विराम के लिए एक बयान पर सहमति व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस बयान से गाजा में स्थायी युद्धविराम को भी बल मिलेगा। वहीं, यूरोपीय संघ ने एक बार फिर इजरायल से अपने आह्वान दोहराया कि दोहराया कि वह रफा शहर पर हमला न करे। मालूम हो कि यूरोपीय संघ में शामिल हंगरी इजरायल का कट्टर समर्थक है और उसने गाजा में मानवीय युद्धविराम को लेकर अपनी सहमति नहीं दी है। हंगरी समय-समय पर आलोचना के रूप में देखे जाने वाले यूरोपीय संघ के बयानों के साथ जाने से इनकार करता रहा है। मालूम हो कि हमास ने इजरायल पर सात अक्टूबर को अचानक हमला किया था।